# हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, गुरुवार 17 सितंबर 2026

## सेवा के 25 वर्ष

सुशासन । गरीब कल्याण । राष्ट्र निर्माण

# आशीर्वाद का दीया

**जिसने जीवन सँवारा, उसे नमन हमारा**

**एक दीया**

आशीर्वाद का, विकसित भारत के संकल्प का,
25 वर्षों की सेवा के सम्मान का

सेवा को साधना मानने वाले

## माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

के जन्मदिवस के अवसर पर जलाएं आशीर्वाद का दीया

17 सितंबर 2026 सायं 07:00 बजे

D-11115/26

**आइए, एक साथ दीया जलाकर इस विशेष अवसर के सहभागी बनें।**

# प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी
## के जन्मदिवस के अवसर पर

# आशीर्वाद का दीया

उज्जैन की पावन धरती पर
**लाखों दीयों से जगमगाएगा**
**25 साल के सेवा संकल्प का भव्य उत्सव**

शिप्रा घाट, उज्जैन

मुख्य अतिथि
**नितिन नवीन**

अध्यक्षता
**डॉ. मोहन यादव**

17 सितम्बर, 2026

# स्वामित्व योजना
अंतर्गत
**50 लाख +**
## निजी संपत्तियों की नि:शुल्क रजिस्ट्री अभियान का शुभारंभ

गांधी नगर ग्राउंड, इंदौर

D-11116/26

## यशस्वी प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में नई ऊंचाइयां छूते मध्यप्रदेश की ओर से

# हार्दिक मंगलकामनाएं

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

भोपाल
गुरुवार, 17 सितंबर 2026
भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष-6
वर्ष : 13, अंक : 167
पृष्ठ : 12+6=18 मूल्य : 4.00 **
मौसम
अधि. 31
न्यून. 23
haribhoomi.com

# हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

विश्वकर्मा पूजा की मंगलकामनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक मंच पर बढ़ाई भारत की प्रतिष्ठा और मान-सम्मान...आइए, देश के लिए **नई उम्मीदों का दीप जलाएं**

# पीएम की कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह कि वे परिस्थितियों को केवल देखते नहीं, बल्कि उनमें परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं

डॉ. मोहन यादव

*प्रधानमंत्री के नेतृत्व की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी रही है कि संकट के समय भारत ने केवल अपने नागरिकों की ही चिंता नहीं की, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व को भी निभाया*

## सेवा के 25 साल

सीएम का ब्लॉग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन असाधारण यात्रा का उदाहरण है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगभग 13 वर्षों तक उन्होंने शासन की एक ऐसी शैली विकसित की, जिसमें विकास, सुशासन और जनभागीदारी को केंद्र में रखा गया। इसके बाद वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और विश्व में प्रभावशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे परिस्थितियों को केवल देखते नहीं, बल्कि उनमें ▸▸ शेष पेज 07 पर

### वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर रहा भारत

हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के माध्यम से भारत ने वैश्विक मंच पर स्वयं को एक संतुलित, व्यावहारिक और नीतिगत रूप से स्वायत्त राष्ट्र के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। भारत की साख एक ऐसे देश के रूप में बनी है जो वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और पश्चिमी देशों तथा पूर्वी शक्तियों के बीच संवाद का संतुलन बनाए रखने में सक्षम है। भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि ब्रिक्स किसी ▸▸ शेष पेज 07 पर

### भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी

प्रधानमंत्री का मानना है कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। युवाओं को कौशल, रोजगार, स्वरोजगार, स्टार्टअप और तकनीकी नवाचार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। मुद्रा योजना ने छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर लाखों युवाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया। कौशल विकास और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं में नौकरी खोजने के साथ-साथ रोजगार देने की भावना को भी मजबूत किया है। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए भी प्रधानमंत्री ने अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को रसोई के धुएं से राहत दिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना ने महिलाओं को परिवार की संपत्ति में अधिक सम्मानजनक भागीदारी का अवसर दिया। महिला ▸▸ शेष पेज 07 पर

### समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है

कहा गया है.....परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है। जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है। समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है। यह उद्घोष आज भारत के उस नेतृत्व के प्रति हमारे विश्वास को व्यक्त करता है, जिसने सेवा को साधना और राष्ट्र निर्माण को अपना ध्येय बनाया है। आइए, प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की सेवा यात्रा के अवसर पर हम भी राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपनी आहुति देने का संकल्प लें। देश के लिए नई उम्मीदों का दीप जलाएं, अपने सामर्थ्य के अनुसार योगदान दें और उस भारत के निर्माण में सहभागी बनें, जिसका सपना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनायकों ने देखा था। प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितंबर को हम सभी अपने घरों और प्रतिष्ठानों में आशीर्वाद का एक दीप जलाएं और उनकी दीर्घायु, स्वस्थ एवं यशस्वी जीवन की कामना करें। यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर हमारी सबसे बड़ी शुभकामना है।

जिसने जीवन संवारा, उसको नमन हमारा

*(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)*

---

एक ही समय पर शाम 7 बजे प्रदेशभर में बूथ, मंडल, वार्ड स्तर तक कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे

प्रधानमंत्री मोदी का 76 वां जन्मदिन आज, **सेवा संकल्प अभियान** चलेगा

# प्रदेशभर में आज 'सवा करोड़' आशीर्वाद के दीपक जगमगाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

*मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहला दीप प्रज्वलित कर इस भव्य महा-दीपोत्सव का शुभारंभ करेंगे*

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76 वें जन्मदिन के अवसर पर मध्यप्रदेश में सेवा संकल्प अभियान के तहत पूरे प्रदेश में कुल सवा करोड़ से अधिक दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर महालोक समेत पूरे प्रदेश में आशीर्वाद के दीपक जलाए जाएंगे। इसी दिन से एक महीने तक सेवा संकल्प अभियान भी चलेगा। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 17 एवं 18 सितंबर को मध्यप्रदेश प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान 17 सितंबर को उज्जैन में 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्ज्वलन कार्यक्रम में वे शामिल होंगे। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहला दीप प्रज्वलित कर इस भव्य महा-दीपोत्सव का शुभारंभ करेंगे। सबसे बड़ा आयोजन उज्जैन में होगा, जहां महाकाल महालोक और शिप्रा नदी के घाटों पर 33 लाख से अधिक दीप जलाने की तैयारी है। वहीं एक ही समय पर शाम 7 ▸▸ शेष पेज 07 पर

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सीएम डॉ. मोहन यादव उज्जैन में होंगे शामिल

एआई इमेज

*उज्जैन में महाकाल महालोक और शिप्रा नदी के घाटों पर 33 लाख से अधिक दीप जलेंगे*

*आज से प्रदेश में एक महीने तक सेवा संकल्प अभियान भी चलेगा*

### भोपाल में 5 लाख तो इंदौर में ढाई लाख दीप जलेंगे

भोपाल समेत प्रदेश के अन्य शहरों में इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां की गई हैं। भोपाल में 5 लाख दीप जलाए जाऐंगे। इसमें 1796 बूथ, 31 मंडल, 85 वार्ड सहित अन्य जगहों पर कार्यक्रम होगा। इंदौर में राजबाड़ा क्षेत्र में विशेष कार्यक्रम के तहत ढाई लाख दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

### उज्जैन में 22,500 वॉलिंटियर्स तैनात, 7 सेक्टर, 250 सब सेक्टर

इस कार्यक्रम में 22,500 वॉलिंटियर्स भी तैनात रहेंगे। आयोजन क्षेत्र को केदारेश्वर घाट, दत्त अखाड़ा, रामघाट, नरसिंह घाट, भूखी माता से लेकर गऊघाट और महाकाल लोक तक 7 ▸▸ शेष पेज 07 पर

**नवीन के ऐतिहासिक स्वागत की तैयारी खंडेलवाल ने कहा:** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने 'हरिभूमि' से कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन ▸▸ शेष पेज 07 पर

---

स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 की शुरूआत आज से

इसकी संपूर्ण राशि राज्य सरकार की ओर से वहन की जाएगी

# मप्र में आज से 50 लाख निजी संपत्तियों के अधिकार अभिलेखों की होगी निःशुल्क रजिस्ट्री

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से मप्र में एक नई शुरुआत होने जा रही है। पहली बार प्रदेश में 50 लाख निजी संपत्तियों के अधिकार अभिलेखों का निः शुल्क रजिस्ट्री होने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना का शुभारंभ करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम आईडीए ग्राउंड, गांधी नगर, इंदौर में आयोजित होगा। स्वामित्व योजना के तहत तैयार अधिकार अभिलेखों के निःशुल्क पंजीयन का निर्णय लेने वाला मप्र देश का प्रथम राज्य है। स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी भूमि में अधिकार अभिलेख तैयार ▸▸ शेष पेज 07 पर

*निःशुल्क अधिकार अभिलेख पंजीयन का निर्णय लेने वाला देश का प्रथम राज्य बना मप्र*

### ऋण उपलब्ध कराने के लिए निजी अधिकार अभिलेखों का पंजीयन

इस योजना के तहत हितग्राहियों की संपत्ति के आधार पर सुगमता से ऋण उपलब्ध कराने के लिए निर्मित निजी अधिकार अभिलेखों का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के बाद नागरिक गृह निर्माण, व्यवसाय, कृषि एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए ऋण प्राप्त कर सकेंगे। इससे उनकी आजीविका एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अभियान की सफलता के लिए जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को भी इससे जोड़ा जाएगा। ग्राम एवं पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश में पंचायतवार यह शिविर तीन चरणों में ▸▸ शेष पेज 07 पर

---

वीरता पदक विजेताओं को 1 नवंबर से मिलेगा लाभ

# मोदी सरकार ने दिया आजीवन मुफ्त रेल यात्रा का 'तोहफा'

पहले यह सुविधा केवल 6 प्रमुख 'चक्र' विजेताओं को मिलती थी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत सरकार ने देश के वीर जवानों और उनके परिवारों के सम्मान में एक बड़ा कदम उठाते हुए सेना मेडल, नौसेना मेडल और वायु सेना मेडल (वीरता) से सम्मानित सैनिकों के लिए आजीवन मुफ्त रेल यात्रा सुविधा शुरू करने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। पात्र लाभार्थी 1 नवंबर 2026 से आईआरसीटीसी के माध्यम से अपनी मुफ्त टिकट बुकिंग कर सकेंगे। इससे पहले यह सुविधा केवल 6 प्रमुख 'चक्र' वीरता पुरस्कार विजेताओं तक सीमित थी। इस नई ▸▸ शेष पेज 07 पर

एनआईए की विशेष अदालत का फैसला

# झीरम घाटी हमला: 13 साल बाद 10 नक्सलियों को फांसी की सजा

कांग्रेस के विद्याचरण शुक्ल समेत 27 नेताओं की हुई थी हत्या

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी नक्सली हमले के 13 साल बाद न्याय की बड़ी घड़ी आई है। जगदलपुर स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने बुधवार को मामले के सभी 10 दोषियों को मृत्युदंड (फांसी) की सजा सुनाई। अदालत ने 5 सितंबर 2026 को इन्हें दोषी ठहराया था। यह देश का पहला ऐसा मामला माना जा रहा है, जहां नक्सल हिंसा के आरोपियों को एक साथ सात गंभीर धाराओं में मृत्युदंड दिया गया है। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के ▸▸ शेष पेज 07 पर

---

नवाचार के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा को मिल रही नई दिशा

माध्यमिक स्तर पर यह दर घटकर 6.2% और सेकंडरी स्तर पर 13.0% रह गई

# मप्र में स्कूल शिक्षा में बड़ा बदलाव, 23 साल बाद प्राथमिक शालाओं में ड्रॉप आउट दर शून्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

अच्छी खबर

एआई इमेज

मप्र स्कूल शिक्षा विभाग के निरंतर नवाचारों और सुधारों का सकारात्मक असर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में दिखाई दे रहा है। पिछले 23 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में किए गए बदलावों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की वजह से प्राथमिक शालाओं में विद्यार्थियों की ड्रॉप आउट दर शून्य तक पहुंच गई है। वर्ष 2002-03 में ड्रॉप आउट दर प्राथमिक स्तर पर 15% और माध्यमिक स्तर पर 24.70% थी। वर्ष 2025-26 में पहली बार प्राथमिक स्तर पर ड्रॉप आउट दर शून्य प्रतिशत हो गई है। माध्यमिक स्तर पर यह दर घटकर 6.2% और सेकंडरी स्तर पर 13.0% रह गई है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को नवाचार के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार विद्यार्थियों को शिक्षा से सतत जोड़े रखने और उनकी पढ़ाई को रुचिकर एवं आसान बनाने में विभाग की ओर से संचालित ▸▸ शेष पेज 07 पर

### साइकिल योजना से 1 करोड़ से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित

प्रदेश सरकार ने वर्ष 2004-05 में शासकीय स्कूलों की कक्षा 6 वीं एवं 9 वीं की छात्राओं को स्कूल आने-जाने में आने वाली परेशानी को दूर करने के लिए साइकिल योजना शुरू की है। योजना के तहत अब तक 1 करोड़ से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। योजना पर प्रदेश सरकार की ओर से अब तक 2,942.63 करोड़ रुपए ▸▸ शेष पेज 07 पर

# एचपीईसी पर जो आरोप लगाए गए, वे समय से पहले और जल्दबाजी में किए गए, जांच कर रहे पैनल का पुनर्गठन से किया इनकार

## जंतर-मंतर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर पर हुए स्टूडेंट्स के प्रदर्शन के दौरान हिंसा के आरोपों की जांच कर रही हाई पावर्ड एनक्वायरी कमेटी (एचपीईसी) के पुनर्गठन की मांग खारिज कर दी है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा कि कमेटी ने अभी जांच शुरू ही की है। अभी से आपत्ति जताना या सवाल उठाना जल्दबाजी है। शीर्ष अदालत ने एचपीईसी के पुनर्गठन के लिए कुछ पक्षों द्वारा दायर आवेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पैनल पर उनकी आपत्तियां समय से पहले थीं। हमें कुछ हद तक चिंता के साथ यह कहना पड़ रहा है कि एचपीईसी पर जिस तरह से आरोप लगाए गए हैं, वह समय से पहले और जल्दबाजी में किए गए हैं।

***सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने की इस मामले की सुनवाई***

***समिति पर जो आरोप लगाए गए वे बगैर सोचे लगाए***

**एचपीईसी का गठन निष्पक्षता और पारदर्शिता के लिए किया गया**

अदालत ने कहा कि अनुरोध केवल अनुमान पर आधारित है, क्योंकि एचपीईसी ने अभी-अभी अपनी जांच शुरू की है। पीठ ने कहा कि यह सभी को समझना चाहिए कि एचपीईसी का गठन निष्पक्षता और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों के साथ और निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाते हुए इस न्यायालय की सहायता के लिए किया गया है। एचपीईसी का गठन हमारे समक्ष किसी एक पक्ष का पक्ष लेने के लिए नहीं किया गया है।

### अदालत के पर्यवेक्षण में कार्य कर रही समिति

सुप्रीम कोर्ट ने पांच सदस्यीय एचपीईसी का गठन 18 अगस्त को किया गया था। इस कमेटी का नेतृत्व शीर्ष अदालत के पूर्व जज आर. सुभाष रेड्डी कर रहे हैं। जिनकी अगुवाई में जंतर-मंतर और अन्य स्थानों पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग और सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ हिंसा के आरोपों की जांच करने का कार्य सौंपा गया है। समिति सीधे शीर्ष अदालत को रिपोर्ट करेगी और अदालत के पर्यवेक्षण में कार्य करेगी।

### शीर्ष अदालत ने ये भी अतिरिक्त निर्देश दिए

- एचपीईसी सबसे पहले पैलेट गन के इस्तेमाल, महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ लक्षित हिंसा, उत्पीड़न और दोनों पक्षों द्वारा की गई अत्यधिक हिंसा और संपत्ति के नुकसान की जांच करेगी। उपयुक्त समय पर न्यायालय द्वारा व्यापक संवैधानिक प्रश्नों पर फैसला किया जाएगा।
- संवेदनशील गवाहों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और उनके बयानों और साक्ष्यों को अत्यंत गोपनीय रखा जाएगा।
- एक 14 वर्षीय प्रदर्शनकारी से जुड़ी चिंताओं के संबंध में कोर्ट ने दर्ज किया कि उसके और उसके परिवार की कई धमकियां दी गई हैं। इन धमकियों के कारण बच्ची और उसके परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर और लगातार आशंका बनी हुई है।कोर्ट ने यह भी ध्यान दिया कि कथित उपद्रवी तत्वों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। इसके बाद अदालत ने पुलिस को बच्ची और उसके परिवार को आवश्यक सुरक्षा मुहैया कराने का निर्देश दिया।
- हम दिल्ली पुलिस को निर्देश देते हैं कि वह खतरे की आशंका का आकलन करे और संबंधित बच्ची व उसके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रदान करे। उन असामाजिक तत्वों के खिलाफ तेजी से जांच करे, जिन पर बच्ची और उसके परिवार को धमकाने या परेशान करने का आरोप है। पुलिस को इस मामले में अगली सुनवाई से पहले स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को निर्धारित की गई है।

## खबर संक्षेप

### पेंशन वेरिफिकेशन के नाम पर 28 लाख की ठगी

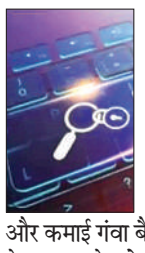

**पुणे।** जिले के शिरूर के रहने वाले 65 वर्षीय रिटायर्ड आर्मी जवान को एक लिंक पर क्लिक करना भारी पड़ गया। उन्होंने पेंशन वेरिफिकेशन के नाम पर वॉट्सएप मैसेज पर क्लिक किया और कमाई गंवा बैठे। एक क्लिक के बाद उनके फोन पर लगातार ओटीपी आने लगे और कुछ ही घंटों में उनके बैंक खातों से 28 लाख रुपए निकल गए।

### सेंसर बोर्ड में त्रिपाठी और जिंटा शामिल

**नई दिल्ली।** भारत सरकार ने सेंसर बोर्ड का पुनर्गठन किया। गठित किए गए नए बोर्ड में 18 सदस्य हैं। इनमें अभिनेता पंकज त्रिपाठी, सुनील शेट्टी, मनोज जोशी, प्रोसेंजीत चटर्जी, अभिनेत्री प्रीति जिंटा, रूपाली गांगुली और पल्लवी जोशी समेत कई बड़े नाम शामिल हैं। इस सूची में सिनेमा, संगीत, साहित्य और कला व अन्य लोगों को जगह दी गई है।

### कासगंज में विशाल मेगा मार्ट में भीषण आग

**कासगंज।** शहर के नदरई गेट बाजार स्थित मॉल विशाल मेगा मार्ट में शार्ट सर्किट से बुधवार दोपहर भीषण आग लग गई। माल में रखा सारा सामान जल गया। 10 दमकलें मौके पर बुलाई गई। 5 घंटे से ज्यादा समय में आग बुझाई जा सकी। घने धुएं से लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई। इसके बाद कई घरों को खाली कराया गया। कई जिलों से दमकलें मंगानी पड़ी।

### कार दुर्घटना में एक ही परिवार के 4 की मौत

**ठाणे।** महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बुधवार को एक एमयूवी के सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराने के बाद एक ही परिवार के 4लोगों की मौत हो गई और 7 घायल हो गए। मुंबई के जोगेश्वरी का यह परिवार नासिक के त्र्यंबकेश्वर में भगवान शिव के प्रसिद्ध मंदिर में दर्शन करने के बाद लौट रहा था। मुंबई-नासिक राजमार्ग पर अटगांव के पास यह हादसा अपराह्न में हुआ।

### उपराष्ट्रपति 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' में शामिल होंगे

**नई दिल्ली।** उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन गुरुवार को केंद्र द्वारा यहां आयोजित 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने यहां परेड ग्राउंड में कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसे खास बताया गया है।

## यूपीआई पेमेंट पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट पर केंद्र सरकार और विपक्ष आमने-सामने

# नीतिगत फैसले भारत अपने स्तर पर खुद ले रहा, विदेशी दबाव का कोई 'सवाल' ही नहीं

### वित्त मंत्रालय ने कहा- पेमेंट सिस्टम को आत्मनिर्भर, समावेशी और किफायती बना रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूपीआई पेमेंट पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाए जाने को लेकर विपक्ष के विदेशी दबाव के आरोपों पर केंद्र सरकार ने बुधवार को सफाई दी। वित्त मंत्रालय ने साफ कहा है कि ये फैसला किसी भी विदेशी दबाव में नहीं लिया गया है। यूपीआई से जुड़े नीतिगत फैसले भारत अपने स्तर पर लेता है और इनका किसी विदेशी दबाव से कोई लेना-देना नहीं है। इनका मकसद डिजिटल पेमेंट सिस्टम को आत्मनिर्भर, समावेशी और किफायती बनाना है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि आम उपभोक्ताओं के लिए यूपीआई पेमेंट पहले की तरह मुफ्त रहेगा। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोस्तों या परिवार को पैसे भेजने, दुकानों पर भुगतान करने और क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान करने पर ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार पर्सन टू पर्सन ट्रांसफर हमेशा मुफ्त रहेंगे, चाहे लेनदेन की रकम कितनी भी हो।

**हर महीने यूपीआई क्यूआर के जरिए 1 लाख तक कमाने वालों पर शुल्क नहीं लगेगा**

**विपक्ष के आरोपों पर केंद्र का जवाब**

नई व्यवस्था के तहत 15 अक्टूबर से 2,000 रुपए से ज्यादा के कुछ बड़े मर्चेंट यूपीआई लेनदेन पर 0.4 फीसदी एमडीआर लगेगा। इस शुल्क का भुगतान ग्राहक नहीं, बल्कि कारोबारी करेगा। अधिकतम सीमा 300 रुपए तय की गई है। यूपीआई क्यूआर के जरिए 1 लाख तक कमाने वाले छोटे कारोबारियों पर शुल्क नहीं होगा।

**कारोबारी एमडीआर की लागत ग्राहकों से नहीं ली जाएगी**

2,000 रुपए से कम के मर्चेंट भुगतान भी मुफ्त रहेंगे। वित्त मंत्रालय का कहना है कि 95 फीसदी से ज्यादा मर्चेंट भुगतान 2,000 रुपए से कम के हैं, इसलिए इन पर नई एमडीआर व्यवस्था का असर नहीं पड़ेगा। रेलवे, ईंधन, टेलीकॉम, बिल भुगतान और बीमा जैसी जरूरी सेवाओं के लिए 2,000 रुपयए से ज्यादा के लेनदेन पर 5 रुपए का तय शुल्क होगा। वहीं, म्यूचुअल फंड और सिक्योरिटीज से जुड़े भुगतान पर एमडीआर 0.02 फीसदी होगा, जिसकी अधिकतम सीमा 300 रुपए रखी गई है। मंत्रालय ने कहा है कि बैंकों को निर्देश दिया गया है कि कारोबारी एमडीआर की लागत ग्राहकों से न वसूलें।

### आत्मनिर्भरता के लिए बदलाव जरूरी

मंत्रालय ने कहा कि यूपीआई दुनिया की सबसे बड़ी रियल टाइम इंटरऑपरेबल भुगतान व्यवस्था बन चुका है। अगस्त में ही यूपीआई पर 24.5 अरब लेनदेन हुए। यूपीआई व्यवस्था को सुरक्षित, टिकाऊ और नई तकनीक के साथ मजबूत बनाए रखने बड़े मूल्य वाले लेनदेन से डिजिटल भुगतान के बुनियादी ढांचे और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने में किया जाएगा। टियर-3 से टियर-6 शहरों और ग्रामीण इलाकों में छोटे कारोबारियों को यूपीआई से जोड़ने, प्रोत्साहन देने पर भी इन संसाधनों का इस्तेमाल होगा।

**राहुल ने इंदिरा का नाम लेकर केंद्र पर साधा निशाना**

### टैक्स वापस लीजिए. अमेरिका के सामने झुकना बंद कीजिए

यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने के सरकार के फैसले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर हमला बोला है। राहुल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने और अमेरिका को बड़ी रकम देने का फैसला कर लिया है। उन्होंने सरकार से शुल्क को तुरंत वापस लेने की मांग की।

### कांग्रेस ने शुल्क को अमेरिका से जोड़ा

राहुल ने आरोप लगाया कि यूपीआई पर शुल्क लगाकर सरकार हर भारतीय पर टैक्स लगा रही है और अमेरिका को बड़ी रकम दे रही है। कांग्रेस ने भी सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने अमेरिका की मांग के आगे झुकते हुए यूपीआई पर अब तक लागू शून्य एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट को खत्म करने और भुगतान पर शुल्क लगाने का फैसला किया।

**सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला**

### चार्ज रद्द करने की मांग

यूपीआई पेमेंट पर चार्ज का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मर्चेंट यूपीआई पेमेंट पर लगाए गए चार्ज के खिलाफ याचिका दायर हुई है। केंद्र सरकार ने बुधवार को यह फैसला किया था। अर्जी एडवोकेट अंजन दत्ताने दायर की है। याचिका में एमडीआर फ्रेमवर्क को रद्द करने की मांग की है। उनका कहना है ये कदम पूरी तरह असंवैधानिक है।

## पीएम मोदी आज करेंगे उद्घाटन

# सेमीकॉन इंडिया में 52 देशों की 600 कंपनियां लेंगी भाग

### राष्ट्रीय राजधानी स्थित यशोभूमि में होगा आयोजन

पीएम मोदी और मित्र असगर अली मिले

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को सुबह लगभग 10 बजे राष्ट्रीय राजधानी स्थित यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। इसमें 52 देशों की 600 से अधिक कंपनियां और प्रतिनिधि भाग लेंगे। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से बुधवार को दी गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी में कहा गया कि 17 से 19 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाला 3 दिवसीय सम्मेलन और प्रदर्शनी 'सिलिकॉन से सिस्टम तकः इको सिस्टम का निर्माण' थीम पर आधारित होगा। इसमें सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला से जुड़े वैश्विक और भारतीय कंपनियां, नीति निर्माता, निवेशक, शोधकर्ता, स्टार्टअप, शैक्षणिक संस्थान और छात्र एकत्रित होंगे।

### सहयोग, निवेश, नवाचार और प्रतिभा विकास को बढ़ावा

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारत में सहयोग, निवेश, नवाचार और प्रतिभा विकास को बढ़ावा देना है। समानांतर सत्रों में डिस्प्ले उद्योग में हुई प्रगति, सहयोग और संयुक्त उद्यमों को सुगम बनाने के लिए डिजाइन किए गए छह कंट्री राउंडटेबल, महिला नेतृत्व पर एक मंच आदि शामिल होंगे। सेमीकॉन इंडिया 2026 एक व्यापक मूल्य-श्रृंखला दृष्टिकोण अपनाएगा, जिसमें सेमीकंडक्टर सामग्री, उपकरण और चिप डिजाइन से लेकर निर्माण, उन्नत पैकेजिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सिस्टम तक की यात्रा प्रदर्शित की जाएगी। नया 'रेत से सिलिकॉन से सिस्टम तक' मूल्य श्रृंखला अनुभव सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में इस पूरी यात्रा को प्रस्तुत करेगा।

### प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद दोस्त को मिली जमीन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद उनके दोस्त असगर अली वोरा को राहत मिल गई है। कुछ दिनों पहले मीरा रोड के 81 वर्षीय निवासी ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता की निर्माण कंपनी द्वारा भायंदर में उनकी जमीन पर अतिक्रमण का आरोप लगाया था। इसके बाद मंगलवार को नरेंद्र मेहता ने घोषणा की कि वे विवादित जमीन पर अपना कब्जा छोड़ रहे हैं और उस भूखंड पर निर्माण के लिए दी गई अनुमति भी वापस कर रहे हैं।

## आज प्रधानमंत्री का जन्मदिन

# काशी में बड़ी तैयारी, एनडीए के सभी सीएम होंगे शामिल

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

देश के जिन राज्यों में एनडीए सरकार है, वहां के सभी मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर वाराणसी में इकट्ठा होंगे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू उन लोगों में शामिल हैं जो यहां आएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी उपस्थित रहने का कार्यक्रम है। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर भाजपा 17 अक्टूबर तक देश भर में 'सेवा संकल्प अभियान' भी

आयोजित करेगी। पीएम मोदी के जन्मस्थान गुजरात के वडनगर और संसदीय क्षेत्र वाराणसी से दो बाइक रैलियां निकाली जाएंगी। 'वडनगर से वाराणसी' और 'वाराणसी से वडनगर' बाइक रैलियों को 17 सितंबर को दोनों शहरों से एक साथ हरी झंडी दिखाई जाएगी और 7 अक्टूबर को समाप्त होगी।

## दिशा मामले पर बोले आदित्य

# मैं उसे जानता तक नहीं व कभी उससे मिला भी नहीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को दावा किया कि वह दिवंगत अभिनेत्री दिशा सालियान को नहीं जानते थे और न ही दिशा से कभी उनकी मुलाकात हुई थी।यह टिप्पणी सीबीआई द्वारा 2020 के दिशा मौत मामले में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के कुछ दिन बाद आई है। आदित्य ने 'एक्स' पर कहा कि 6 वर्षों से कुछ लोग राजनीतिक और निजी मंशा के साथ इस दुखद मामले से मेरा नाम जोड़ रहे हैं। यह बिना किसी सबूत के

चरित्र हनन की जान-बूझकर की गई कोशिश है। उन्होंने कहा कि निहित स्वार्थ वाले लोग बिना किसी सबूत के लगातार मुझे बदनाम करने का अभियान चला रहे हैं और यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। दुष्प्रचार और चरित्र हनन से विचलित हुए बिना आधिकारिक पुनः जांच को आगे बढ़ने दिया जाए।

## दीपके ने नागपुर में नए अभियान का किया ऐलान

# 80 सालों के बाद भी ये पिछड़े गढ़चिचौली से करेंगे आदिवासी स्कूल ठीक करो अभियान, नहीं किया विकास

एजेंसी ▶▶ नागपुर

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने 'स्कूल ठीक करो' के बाद एक और नए अभियान का ऐलान किया है। उन्होंने महाराष्ट्र के नागपुर में 'आदिवासी स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत की घोषणा की है। अभिजीत के अनुसार सीजेपी के कार्यकर्ता आदिवासी इलाकों में जाएंगे और स्कूलों के हालात का जायजा लेंगे। आजादी के 80 सालों के बाद भी आदिवासी इलाकों में स्कूलों का विकास नहीं किया गया है। दीपके ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में महाराष्ट्र के आदिवासी विद्यालयों की वर्तमान स्थिति पर विभिन्न आंकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि कई विद्यालयों में आवश्यक बुनियादी ढांचागत सुविधाएं नहीं हैं।

### आश्रम स्कूलों में 590 से ज़्यादा बच्चों की मौत हो चुकी

दीपके ने कहा कि जिन स्कूलों में वे जाते हैं, वे पढ़ाई के लिए बिल्कुल भी सही नहीं हैं। कोई भी मंत्री ऐसी जगहों पर अपने जानवर भी नहीं रखेगा। महाराष्ट्र के आश्रम स्कूलों में 2सालों में 590 से ज़्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है। क्योंकि इन स्कूलों में मिलने वाला खाना खराब क्वालिटी का है। सांप काटने की घटनाएं होती हैं क्योंकि बच्चों को बेड की कमी के कारण फर्श पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यह सरकार की मेडिकल लापरवाही का साफ मामला है।

## गणेशोत्सव के लिए मुंबई पहुंचे भाजपा अध्यक्ष नवीन, कहा

# आज देश 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' के दौर से गुजर रहा

### देश के विकास में महाराष्ट्र के योगदान को सराहा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को देश की प्रगति में महाराष्ट्र की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राज्य देश आगे बढ़ रहा है। गणेशोत्सव में प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर गए और लालबागचा राजा के दर्शन किए। उन्होंने मुंबई उपनगर में एक गणपति पंडाल में पूजा-अर्चना करने के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने महाराष्ट्र को छत्रपति शिवाजी महाराज की 'पवित्र भूमि' बताया।

**प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर गए और लालबागचा राजा के दर्शन किए**

**प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश निरंतर आगे बढ़ रहा**

नवीन ने कहा सीएम देवेंद्र पडणवीस ने सही शब्द का इस्तेमाल किया है, यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण का समय है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 12 वर्षों में यह देश के हर वर्ग और हर समुदाय तक पहुंचा है। उन्होंने भारत के विकास में योगदान और उसकी निरंतर अग्रणी भूमिका पर जोर दिया।

### संस्कृति और देश का विकास साथ-साथ बढ़े

नवीन ने कहा कि वह महाराष्ट्र में केवल गणेश उत्सव में शामिल होने और राज्य तथा देश की प्रगति के लिए आशीर्वाद लेने आए हैं। उन्होंने भगवान राम के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति और देश का विकास साथ-साथ आगे बढ़ना चाहिए। हम सभी भारतीय संस्कृति की गति को भारत के विकास की गति के साथ मिलाकर आगे बढ़ें।

### सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की

उन्होंने सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा लालबागचा राजा और संस्कृति मंत्री आशीष शेलार द्वारा स्थापित बांद्रा पश्चिम के गणपति के दर्शन किए। फडणवीस ने कहा कि नितिन पार्टी की नई पीढ़ी और नए नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे संगठन में आई नई ऊर्जा और नए रक्त के प्रतीक हैं। मोदीजी के नेतृत्व में सांस्कृतिक पुनर्जागरण हुआ है और अब सभी त्योहार बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाए जाते हैं।

## नीट विरोध प्रदर्शन का मामला

# हाईकोर्ट ने पुलिस लाठीचार्ज संबंधी याचिका खारिज की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से जुड़े प्रदर्शनों में शामिल विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज के आरोप से इनकार करने के दिल्ली पुलिस के दावे को चुनौती दी गई थी। पुलिस के इस दावे के विपरीत मीडिया में खबरें प्रकाशित हुई थीं। याचिकाकर्ता ने कहा नागरिक और मीडिया पेशेवर के नाते उसे सच्चाई जानने का अधिकार है, जो जवाबदेही तय करने के लिए आवश्यक है। उसने

दिल्ली पुलिस को इस मुद्दे पर दिए गए उसके अभ्यावेदन पर निर्णय लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने कहा कि जनहित याचिका के तहत ऐसे मामलों पर सुनवाई का प्रावधान नहीं है। किसी भी याचिकाकर्ता को किसी विवाद या कानूनी/संवैधानिक अधिकार के हनन को साबित करना होता है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व, कार्यशैली और उनके साथ बिताए यादगार पलों को एक विशेष साक्षात्कार में खुलकर साझा किया। डॉ. सिंह ने कहा, 24 घंटे और 365 दिन देश सेवा में समर्पित रहने वाले नरेंद्र मोदी जैसा दूरदर्शी नेतृत्व सदी में एक बार मिलता है। दंतेवाड़ा के आवासीय विद्यालय में बच्चों संग पीएम के ड्रम बजाने से लेकर, बीजापुर में महिला को अपने हाथों से चरण पादुका पहनाने और 104 वर्ष की वृद्धा कुंवर बाई के पैर छूने जैसे भावुक संस्मरणों का जिक्र करते हुए उन्होंने पीएम मोदी की असीम संवेदनशीलता और विनम्रता को रेखांकित किया। साथ ही बस्तर से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन में केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प को निर्णायक बताते हुए डॉ. रमन सिंह ने विश्वास जताया कि देश की जनता के अटूट भरोसे के दम पर नरेंद्र मोदी चौथी बार भी देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारत का नेतृत्व करेंगे। विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ विशेष बातचीत के प्रमुख अंश प्रस्तुत हैं।

सेवा संकल्प दिवस आज

# रमन बोले-मोदी का नेतृत्व देश के लिए वरदान, चौथी बार भी बनेंगे प्रधानमंत्री

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की विशेष बातचीत

■ *नरेंद्र मोदी से पहली मुलाकात आपकी कब हुई थी और कैसे हुई थी?*

■ एक लंबा समय निकल गया है और मुझे लगता है कि नरेंद्र भाई को काम करते हुए अलग-अलग रूप में, कभी एक अच्छे संगठक के रूप में, कभी प्रदेश में मुखिया के नाते मुख्यमंत्री के रूप में, फिर प्रधानमंत्री के रूप में अलग-अलग भूमिकाओं में लंबे समय तक देखने का अवसर मिला। और मुझे लगता है कि मेरी पहली मुलाकात यदि मैं कहूं तो वो तो बहुत लंबा समय, जब मुरली मनोहर जोशी की यात्रा में प्रभारी थे। यह मुरली मनोहर जोशी की उस यात्रा का अनुभव मेरे साथ जुड़ा है, मगर मोदीजी के साथ जो परिचय बढ़ा, उस समय तो एक सामान्य कार्यकर्ता और मैं एक छोटा कार्यकर्ता था, वे हमारे राष्ट्रीय महामंत्री संगठन के रूप में काम करते जब छत्तीसगढ़ के ▶▶ शेष पेज 7 पर

# सेवा और संकल्प से विकसित भारत की ओर

कर्मयोगी मोदी जनसेवा के 25 वर्ष

विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली। उस दिन से शुरू हुआ जनसेवा का सिलसिला 25 वर्षों से अविराम जारी है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी ने भारत को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त कर आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता के नए युग में प्रवेश कराया है। यह अवसर मां भारती के महान सपूत के अभिनंदन के साथ ही उनके संकल्पों में सहभागिता का भी है। जब उन्होंने गुजरात के शासन की कमान संभाली, तब राज्य विनाशकारी भुज भूकंप की पीड़ा से जूझ रहा था। इस पीड़ा से उन्होंने न केवल गुजरात को उबारा, बल्कि उसे भारत का ग्रोथ इंजन भी बना दिया। प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मूलमंत्र देश को दिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन को साकार करते हुए उन्होंने अपनी हर योजना के केंद्र में अंतिम व्यक्ति को रखा। डिजिटल वित्तीय समावेशन के माध्यम से उन्होंने देश के करोड़ों गरीबों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा। जनधन-आधार-मोबाइल की त्रिमूर्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत पैसा सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंचने लगा। उज्ज्वला योजना से करोड़ों माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति मिली, स्वच्छ भारत अभियान ने जन-स्वास्थ्य और नारी सम्मान के प्रयासों को नया आयाम दिया, ▶▶ शेष पेज 7 पर

## खबर संक्षेप

### धीरेंद्र शास्त्री के भाई को हाईकोर्ट से जमानत

**जबलपुर।** बागेश्वर धाम के कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम शास्त्री

उर्फ 'छोटे सरकार' को फायरिंग और मारपीट के मामले में मप्र हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जस्टिस अजय कुमार की एकल पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उनकी नियमित जमानत मंजूर कर दी। छतरपुर के गढ़ा थाना क्षेत्र में गाली-गलौज, लाठी से मारपीट और गोली चलाने का मामला दर्ज है।

### अमृत ग्रुप के 17 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

**इंदौर।** अमृत ग्रुप ऑफ कंपनीज से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने

बुधवार को इंदौर और कोलकाता में 17 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। जांच एजेंसी के अनुसार, ग्रुप से जुड़ी कंपनियों ने आकर्षक डिपॉजिट योजनाओं के जरिए लोगों से रकम जुटाई और बाजार से अधिक रिटर्न देने का भरोसा दिलाया।

### पीएम मोदी आज सुबह करेंगे 'मन की बात'

**नई दिल्ली।** पीएम नरेंद्र मोदी आज सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर 'मन की बात' कार्यक्रम में

देश-विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम की एक सौ 11वीं कड़ी होगी। मोदी के लगातार तीसरी बार पीएम पद संभालने के बाद 'मन की बात' की यह पहली कड़ी होगी। यह कार्यक्रम आकाशवाणी और दूरदर्शन के पूरे नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट पर प्रसारित होगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला

» 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों के अनिवार्य ईपीएफओ कवरेज के दायरे में आने की उम्मीद

# ईपीएफओ वेतन सीमा अब 15 हजार से 25 हजार प्रति माह

केंद्र सरकार के इस कदम से अधिक से अधिक श्रमिकों को संगठित क्षेत्र की सुरक्षा मिल सकेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

▶▶ ऐसा इसलिए किया गया है ताकि पिछले कुछ सालों में वेतन में लगातार बढ़ोतरी, आय में वृद्धि और औपचारिक रोजगार के लगातार विस्तार को ध्यान में रखा जा सके

▶▶ ईपीएफ की वेज सीलिंग का मतलब है कि पीएफ की अनिवार्य गणना के लिए कितनी अधिकतम मासिक मजदूरी/वेतन को आधार माना जाएगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत अनिवार्य कवरेज के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए प्रति माह करने के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों के ईपीएफओ कवरेज के दायरे में आने की उम्मीद है, जिससे कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा के दायरे में काफी वृद्धि होगी। ईपीएफओ वेतन सीमा 2004 से 2014 तक के दशक में अपरिवर्तित रही, सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 रुपए कर दिया गया। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि पिछले कुछ सालों में वेतन में लगातार बढ़ोतरी, आय में वृद्धि और औपचारिक रोजगार के लगातार विस्तार को ध्यान में रखा जा सके। इस मंजूरी से प्रभावी योजना के प्रावधानों के ▶▶ शेष पेज 7 पर

अश्विनी वैष्णव

सेवानिवृत्ति की मजबूत सुरक्षा और विकसित भारत@2047 की दिशा में बड़ा कदम

फाइल फोटो

» *ईपीएफओ वेतन सीमा 2004 से 2014 तक के दशक में अपरिवर्तित रही*

» *सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 रुपए कर दिया गया था*

### पांच वर्षों में अनुमानित व्यय लगभग 56,696 करोड़

इस प्रस्ताव पर विस्तृत अंतर-मंत्रालयी परामर्श किया गया और व्यय वित्त समिति ने 16 जून 2026 को आयोजित अपनी बैठक में इसकी सिफारिश की। लगभग 10,250 करोड़ रुपए के मौजूदा वार्षिक बजटीय समर्थन के मुकाबले वार्षिक सरकारी व्यय लगभग 11,339 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। पांच वर्षों में अनुमानित व्यय लगभग 56,696 करोड़ रुपए है।

### यह वेतन सीमा संशोधन 12 साल बाद

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह वेतन सीमा संशोधन 12 साल बाद किया जा रहा है। ईपीएफओ की वेतन सीमा 2004 से 2014 तक अपरिवर्तित रही थी। यह कदम श्रमिकों के लिए एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा जाल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को भविष्य निधि के दायरे में लाना है।

### ईपीएफओ वेतन सीमा क्यों बढ़ाई गई?

यह वेतन सीमा बढ़ाने का निर्णय कई महत्वपूर्ण कारकों पर आधारित है। पिछले कुछ वर्षों में देश में निरंतर वेतन वृद्धि देखी गई है। लोगों की आय में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही, औपचारिक रोजगार के क्षेत्र में भी विस्तार हुआ है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, सरकार इन सभी बदलावों को दर्शाना चाहती है। इस कदम से अधिक से अधिक श्रमिकों को संगठित क्षेत्र की सुरक्षा मिल सकेगी। बेहतर रोजगार अवसर से सुरक्षा ढांचे बेहतर होगा।

घटना के बाद प्रशासन जेसीबी से मलबा हटाते हुए

सांवेर में भरभराकर गिरी पुराने मकान की दीवार

# चार महिला मजदूरों की मौत, तीन लोग घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

■ जर्जर मकान तोड़ते समय ढही पड़ोसी की दीवार
■ एक महीने पहले गिरा था मकान का छज्जा
■ नगर परिषद ने दिया था खाली करने का नोटिस

इंदौर के पास सांवेर में बुधवार शाम करीब 4 बजे जर्जर मकान तोड़ने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मकान को गिराते समय पास के दूसरे मकान की पुरानी और जर्जर दीवार अचानक ढह गई। मलबे की चपेट में आने से 4 महिला मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। मृतकों की पहचान चंदा बाई, सीमा बाई, सुशीला बाई और रीना बाई के रूप में हुई है। हादसे की पुष्टि एसडीओपी देवेंद्र धुर्वे ने की है। हादसा टशन चौराहे के पास हुआ। यहां 'नेताजी' के नाम से चर्चित जर्जर मकान को तोड़ने का काम चल रहा था। इसी दौरान बगल के मकान की पुरानी दीवार ▶▶ शेष पेज 7 पर

### इंदौर से एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची

स्थानीय लोगों के मुताबिक जिस मकान को तोड़ा जा रहा था, उसका छज्जा करीब एक महीने पहले गिर गया था। इसकी सूचना नगर परिषद को दी गई थी। इसके बाद मकान मालिक दिनेश जैन को मकान खाली करने का नोटिस भी दिया गया था। घटना के समय दिनेश जैन ठेकेदार के साथ मौके ▶▶ शेष पेज 7 पर

25 राज्यों से जुटेंगे 1700 युवा

## 17 से 19 सितंबर तक चलेगी युवा धर्म संसद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

■ 18 सितंबर को भागवत करेंगे उद्घाटन

उज्जैन में 17 से 19 सितंबर तक तीन दिवसीय युवा धर्म संसद का आयोजन किया जाएगा। देवास रोड स्थित गीता भवन में होने वाले कार्यक्रम में आयोजकों के मुताबिक देश के 24-25 राज्यों से करीब 1700 छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। इनके अलावा करीब 300 शिक्षक, शोधकर्ता और धर्माचार्य भी अलग-अलग सत्रों में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम ▶▶ शेष पेज 7 पर

ओवैसी पर रामेश्वर का पलटवार

## मिसाइलें चलती थीं और मिसाइलें चलती भी रहेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

■ भारत में कुछ लोग जिन्ना की विचारधारा वाले

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की ओर से दिए गए बयान के बाद भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने पलटवार किया है। शर्मा ने कहा कि वे बैरिस्टर हैं, इसलिए भाषा की मर्यादा का भी ध्यान रखें। दोनों नेताओं के बीच यह बयानबाजी भोपाल के काजी कैंप को लेकर दिए गए 'मिसाइल' बयान के बाद तेज हुई है। विधायक ▶▶ शेष पेज 7 पर

'चिता आंदोलन' पांचवें दिन जारी

## महिला की मौतः लोग बोले- न्याय दो या मार दो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पन्ना

■ विस्थापित उचित पुनर्वास, मुआवजे की मांग कर रहे

केन-बेतवा लिंक परियोजना, मझगाय और रुंझ बांध के साथ सिंगरौली-ललितपुर रेलवे लाइन से प्रभावित विस्थापितों का 'चिता आंदोलन' बुधवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के दौरान टपरिया निवासी एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। विस्थापितों का कहना है कि न्याय दो या मार दो। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जय किसान ▶▶ शेष पेज 7 पर

## उज्जैन में खड़े हनुमान मंदिर के समर्थन में जुटे हजारों श्रद्धालु

मार्ग चौड़ीकरण के दौरान मंदिर को यथास्थान रखने की मांग, संतों ने दिलाई संकल्प की शपथ

लाठी-गोली खाएंगे, मंदिर यहीं बनाएंगे... के लगे नारे

**उज्जैन।** सराफा बाजार स्थित खड़े हनुमान मंदिर को मार्ग चौड़ीकरण के दौरान यथास्थान रखने की मांग को लेकर बुधवार को सकल हिंदू समाज ने शक्ति प्रदर्शन किया। मंदिर से कंठाल चौराहे तक करीब एक किलोमीटर क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। आयोजकों के मुताबिक प्रदर्शन में पांच हजार से अधिक लोग शामिल हुए। ▶▶ शेष पेज 7 पर

उच्च शिक्षा मंत्री के आवास पर धरनारत हैं अतिथि विद्वान

अतिथि विद्वानों ने शिवराज को याद दिलाया वादा

## जवाब मिला- एक मुख्यमंत्री की घोषणा दूसरे को पूरी करनी चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश के अतिथि विद्वान मंगलवार से उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के भोपाल स्थित बंगले के बाहर धरने पर बैठे हैं। बुधवार सुबह करीब 200 अतिथि विद्वानों ने केंद्रीय कृषि मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का काफिला वहां से गुजरते वक्त रोक लिया। उन्होंने शिवराज को अपनी मांगें बताईं और 11 सितंबर 2023 के उनके आश्वासन याद दिलाए। शिवराज ने कहा- एक सीएम की

अतिथि विद्वानों से बात करते हुए

घोषणा दूसरे को पूरी करनी चाहिए। इससे पहले बुधवार सुबह मंत्री इंदर सिंह परमार ने अतिथि विद्वानों के चार प्रतिनिधियों को बुलाकर उनकी समस्याएं सुनीं। हालांकि, उन्होंने फॉलन आउट प्रक्रिया बंद करने से इनकार कर दिया। अतिथि विद्वानों का कहना है कि जब तक नियमितीकरण और स्थायित्व को लेकर ठोस नीति नहीं बनती, तब तक फॉलन आउट प्रक्रिया बंद की जाए। अतिथि विद्वानों ने शिवराज को बताया कि उनके सामने सबसे बड़ा मुद्दा फॉलन आउट प्रक्रिया है। उन्होंने मांग पत्र भी सौंपा। उनका कहना है कि वर्षों से सेवा दे रहे अतिथि विद्वानों के भविष्य की सुरक्षा के लिए नीति बनने तक उन्हें व्यवस्था में बनाए रखा जाए। अतिथि ▶▶ शेष पेज 7 पर

दिग्गज एक्टर अनंत नाग को मिलेगा दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

# 'पठान' के गाने 'बेशरम रंग' पर नाग ने कहा था- महिलाओं को इस तरह दिखाना बंद करना चाहिए... क्योंकि, यह हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं

केजीएफ से नई पीढ़ी में भी बनाई पहचान, 300 से ज्यादा फिल्मों में किया अभिनय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिग्गज एक्टर अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए दादा साहब फाल्के अवॉर्ड 2024 देने का ऐलान हुआ है। उन्हें यह अवॉर्ड 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में दिया जाएगा, जो 22 सितंबर को गुजरात के केवड़िया में आयोजित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनंत नाग को बधाई दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि दिग्गज अनंत नाग जी को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई। कई दशकों से ▶▶ शेष पेज 7 पर

» *पीएम मोदी ने दी बधाई कहा-गहरी छाप छोड़ी*

आरके नारायण की कहानियों पर बने दूरदर्शन सीरियल 'मालगुडी डेज' में भी काम किया

» *22 सितंबर को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में मिलेगा सम्मान*

### पद्म भूषण से भी नवाजे गए थे

अनंत नाग को 2025 में भारत सरकार ने तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया था। नाग का जन्म 4 सितंबर 1948 को हुआ था। वे कन्नड़ सिनेमा की सबसे मशहूर शख्सियतों में से एक हैं। उनके अभिनय की खासियत यह रही है कि उन्होंने अपने लंबे करियर में अलग-अलग तरह के किरदार ▶▶ शेष पेज 7 पर

# गुजरात के वडनगर से विश्व पटल तक

गुजरात के वडनगर की साधारण गलियों से उठकर भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार देश की कमान संभालने तक, नरेंद्र मोदी की जीवन-यात्रा स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक असाधारण और स्वर्णिम अध्याय है। संघ के निष्ठावान प्रचारक और कुशल संगठनकर्ता के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ने के बाद, उन्होंने लगभग 13 वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में विकास और सुशासन का एक नया मॉडल पेश किया। 2014 में केंद्र की सत्ता संभालने के बाद से, उन्होंने देश को न केवल प्रशासनिक और संवैधानिक स्तर पर नई दिशा दी, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जन-धन, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे के ऐतिहासिक कायाकल्प से लेकर अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावीकरण, राम मंदिर निर्माण और G20 की सफल अध्यक्षता तक—उनके फैसले दूरगामी और युगांतकारी साबित हुए हैं। 76वें वर्ष में प्रवेश करते हुए, उनकी यह 76 ऐतिहासिक पड़ावों की श्रृंखला एक दूरदर्शी जननेता की अदम्य इच्छाशक्ति, जन-सेवा, राष्ट्र-प्रथम की सोच और 'विकसित भारत 2047' के संकल्प की एक सजीव गाथा है।

# जीवन के 76 ऐतिहासिक पड़ाव

## नरेंद्र मोदीः जीवन के 76 पड़ाव

1. 17 सितंबर 1950 —गुजरात के वडनगर (मेहसाणा) में जन्म। वे स्वतंत्र भारत में जन्म लेने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं।
2. वडनगर से राष्ट्रीय राजनीतिः साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर देश की राजनीति के शीर्ष तक की यात्रा।
3. किशोरावस्था में संघ से जुड़े और पूर्णकालिक प्रचारक के रूप में संगठनात्मक प्रशिक्षण प्राप्त किया।
4. 1975 के आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की बहाली के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी।
5. आपातकाल के दौरान पहचान बदलकर संगठन और संपर्क बनाए रखने का काम किया।
6. संघ में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालते हुए अपनी रणनीति और संगठन कौशल को मजबूत किया।
7. 1987 में भाजपा में औपचारिक प्रवेशः गुजरात भाजपा के संगठन महामंत्री के रूप में राजनीतिक पारी शुरू की।
8. भाजपा को अहमदाबाद नगर निगम में पहली ऐतिहासिक जीत दिलाने में मुख्य रणनीतिकार की भूमिका निभाई।
9. 1990 गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका।
10. 1995ः भाजपा ने 121 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई; मोदी की संगठन क्षमता राष्ट्रीय स्तर पर पहचानी गई।
11. गुजरात में सफलता के बाद उन्हें नई दिल्ली बुलाकर राष्ट्रीय संगठन की जिम्मेदारियां सौंपी गईं।
12. हरियाणा-हिमाचल प्रदेश के प्रभारीः उत्तर भारतीय राज्यों में पार्टी के संगठन को मजबूत किया।
13. 7 अक्टूबर 2001ः पहली बार गुजरात के सीएम के रूप में कमान संभाली।
14. 2001 के विनाशकारी भूकंप के बाद राज्य के पुनर्निर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास का नेतृत्व।
15. 2002 में सीएम के रूप में पहली बार बहुमत से सरकार में वापसी की।
16. 2007 में विकास के एजेंडे पर लगातार दूसरी बार गुजरात में जीत दर्ज की।
17. 2012 में लगातार तीसरी बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जनादेश हासिल किया।
18. अक्टूबर 2001 से मई 2014 तक लगभग 12 वर्ष 7 महीने गुजरात के मुख्यमंत्री रहे।
19. वैश्विक निवेश और उद्योगों को आकर्षित करने के लिए वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक निवेश सम्मेलन की नींव रखी।
20. ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के लिए अलग विद्युत फीडर व्यवस्था लागू की।
21. किसानों तक आधुनिक तकनीक, बीज और सरकारी सेवाएं पहुंचाने के लिए व्यापक कृषि मेलों का आयोजन।
22. पारदर्शी प्रशासन और सरकारी सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए डिजिटल तकनीक का व्यापक प्रयोग।
23. औद्योगिक विकास का गुजरात मॉडलःबुनियादी ढांचे, बिजली, सड़क और व्यापार को एकीकृत किया।
24. गुजरात को देश के अग्रणी सौर ऊर्जा उत्पादक राज्यों में स्थापित करने के लिए नीतिगत पहल की।
25. कच्छ और सौराष्ट्र जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए नहर नेटवर्क का विस्तार किया।
26. 2012-13 के दौरान गुजरात के प्रशासनिक और आर्थिक मॉडल को राष्ट्रीय राजनीति में विकास के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया।
27. 2014 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 282 सीटें जीतीं; 30 वर्षों में पहली बार किसी एक दल को अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिला।
28. 26 मई 2014 में भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।
29. शपथ ग्रहण समारोह में सार्क और पड़ोसी देशों के शीर्ष नेताओं को आमंत्रित किया।
30. पीएम जनधन योजना की शुरुआत कर हर व्यक्ति के लिए वित्तीय दरवाजे खोले।
31. स्वच्छता को राष्ट्रीय जन-आंदोलन बनाया, 2 अक्टूबर 2019 तक ग्रामीण भारत को खुले में शौच से मुक्त करने का लक्ष्य रखा।
32. योग दिवस : संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव रखा गया, जिसे 175 देशों का समर्थन मिला और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया।
33. मेक इन इंडिया के तहत भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने का राष्ट्रीय अभियान।
34. डिजिटल भारतः शासन, नागरिक सेवाओं और वित्तीय लेन-देन को डिजिटल तकनीक से जोड़ने की व्यापक पहल।
35. कौशल भारतः युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुसार रोजगार योग्य कौशल प्रदान करने की पहल।
36. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओः लिंगानुपात में सुधार और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का राष्ट्रीय अभियान।
37. पीएम मुद्रा योजनाः स्वरोजगार और छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराया।
38. पीएम आवास योजनाः ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने का व्यापक कार्यक्रम।
39. 8 नवंबर 2016ः काले धन, जाली मुद्रा और भ्रष्टाचार पर प्रहार के लिए 500 और 1,000 रुपये के नोटों को अमान्य किया।
40. यूपीआई का विस्तारः डिजिटल भुगतान की व्यवस्था पैमाने पर, देश दुनिया के अग्रणी डिजिटल भुगतान बाजारों में शामिल हुआ।
41. भीम ऐप-दिसंबर 2016ः सरल डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराने वाला ऐप शुरू किया।
42. वस्तु एवं सेवा कर : एक राष्ट्र, एक कर की अवधारणा के तहत अप्रत्यक्ष कर प्रणाली का एकीकरण।
43. दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिताः कंपनियों के ऋण समाधान और बैंकों की फंसी पूंजी से निपटने के लिए नया ढांचा।
44. स्टार्टअप इंडियाः नवाचार और नए उद्यमों को प्रोत्साहन की पहल।
45. स्टैंड-अप इंडियाः महिला, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को संस्थागत बैंक ऋण दिलाने की पहल।
46. मुद्रा योजना का विस्तार किया।
47. जन-धन, आधार और मोबाइल के माध्यम से सरकारी लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाने की व्यवस्था।
48. सर्जिकल स्ट्राइक 2016ः उरी आतंकी हमले के बाद नियंत्रण रेखा के पार आतंकवादी ठिकानों पर सेना की कार्रवाई।
49. 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के बालाकोट क्षेत्र में आतंकी प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया।
50. अनुच्छेद 370 समाप्तः 5 अगस्त 2019ः जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संवैधानिक प्रावधानों में बड़ा बदलाव।
51. जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो अलग-अलग केंद्रशासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया।
52. 2019ः तीन तलाक की प्रथा को गैर-कानूनी और दंडनीय अपराध बनाकर मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण दिया गया।
53. पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए कुछ धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए भारतीय नागरिकता की प्रक्रिया में बदलाव।
54. आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति और सीमा सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान दिया गया।
55. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2016ः गरीब परिवारों की महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने की योजना।
56. सौभाग्य योजना 2017ः देश के हर घर तक बिजली पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना शुरू की गई।
57. आयुष्मान भारतः गरीब परिवारों को प्रति परिवार पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य उपचार का सुरक्षा कवच।
58. पोषण अभियानः बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण कम करने के लिए राष्ट्रीय मिशन।
59. ग्रामीण परिवारों तक नल से पेयजल पहुंचाने के लिए हर घर जल-जल जीवन मिशन शुरू किया।
60. हर घर जल का विस्तारः जुलाई 2026 तक ग्रामीण नल कनेक्शन 3.24 करोड़ से बढ़कर 15.89 करोड़ यानी 82.09 प्रतिशत तक पहुंचा।
61. प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनाः 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।
62. 16 जनवरी 2021ः दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियानों में से एक; अगस्त 2022 तक 200.72 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए।
63. कोविन डिजिटल मंचः कोविड टीकाकरण के पंजीकरण, प्रमाणपत्र और निगरानी के लिए डिजिटल मंच का इस्तेमाल।
64. प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का विस्तारः मार्च 2026 तक 4.15 करोड़ घर आवंटित किए गए, जिनमें 2.99 करोड़ घर पूरे हो चुके थे।
65. प्रधानमंत्री गति शक्ति 2021ः विभिन्न मंत्रालयों की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बीच समन्वय के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान शुरू किया।
66. राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति 2022ः देश में माल परिवहन की लागत घटाने और व्यापार को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नीति लागू की गई।
67. अटल सुरंग — 2020ः मनाली-लेह मार्ग पर 9.02 किलोमीटर लंबी सुरंग; 10,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंगों में शामिल।
68. वंदे भारत एक्सप्रेस 2019ः भारत की पहली स्वदेशी सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन की शुरुआत दिल्ली-वाराणसी मार्ग से हुई।
69. उड़ान योजनाः छोटे शहरों और कस्बों तक हवाई संपर्क पहुंचाने के लिए क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना शुरू की गई।
70. सीमावर्ती बुनियादी ढांचे का विस्तारः रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़कों, पुलों, सुरंगों और रेलवे लाइनों के निर्माण में तेजी लाई गई।
71. फ्रांस के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की पहल की गई और जलवायु कूटनीति में भारत की भूमिका मजबूत हुई।
72. आपदा के समय मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए वैश्विक मंच की स्थापना की पहल की।
73. जी-20 की भारत की अध्यक्षता — 2023ः भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली घोषणापत्र पारित हुआ।
74. भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया।
75. 23 अगस्त 2023 को भारत ने चंद्रमा पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। लैंडिंग स्थल को 'शिव शक्ति' नाम दिया गया।
76. 9 जून 2024ः नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। जून 2026 में उन्होंने लगातार प्रधानमंत्री पद रहते हुए महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मील का पत्थर पार किया।

*प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन जनसेवा, दूरगामी दृष्टिकोण और उस अनुरूप निर्णयों का बिरला संगम है। यही कारण है कि पूरा देश 17 सितंबर को उनका जन्म दिवस 'सेवा दिवस' के रूप में मना रहा है। यह दिवस केवल मोदी जी के एक राजनेता के रूप में की गई जीवन यात्रा को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि यह उस संकल्प के प्रति निष्ठा और समर्पण जताने का दिन है जो भारत को एक वैश्विक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर करता है। पीएम मोदी जी ने लक्ष्य रखा है कि वर्ष 2047 तक भारत को एक पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र बनाना है। उनके नेतृत्व में केवल सरकारें ही नहीं, बल्कि पूरे देश के सभी नागरिक इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। जहां तक नीतियों की बात है, हमने एक दौर ऐसा भी देखा है जिसे पॉलिसी पैरालिसिस के नाम से जाना जाता है और आज एक दौर ऐसा भी है जहां पूरी दुनिया के नेता 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी के वैश्विक विजन और कूटनीतिक कौशल का लोहा मान कर गए हैं। 17 सितंबर को देश में घर-घर प्रकाशित होने वाला हर दीप उनके नेतृत्व के प्रति आस्था, निष्ठा और गौरव का प्रतीक होगा।*

# सेवा, संकल्प और वैश्विक नेतृत्व के गौरव

*हाल ही में सम्पन्न हुए 18 वें ब्रिक्स शिखर इस सम्मेलन में पीएम मोदी जी ने दुनिया को 'फोर-पिलर विजन' (लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास) और वैश्विक संस्थाओं में सुधार का 10-सूत्रीय रोडमैप दिया है। वैश्विक पटल पर भारत की इस नेतृत्वकारी भूमिका के पीछे पीएम मोदी जी के घरेलू मोर्चे पर लिए गए साहसिक फैसले और जनकल्याणकारी नीतियां हैं। उनके कार्यकाल में हमने देश की दिशा और दशा को तय करने वाले ऐतिहासक कार्य देख हैं। अगस्त 2019 में लिया गया अनुच्छेद 370 की समाप्ति और जम्मू-कश्मीर का पूर्ण एकीकरण का फैसला स्वतंत्र भारत के इतिहास के सबसे साहसिक और ऐतिहासिक कदमों में से एक है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए को निरस्त कर उसे मुख्यधारा से जोड़ा गया। इसके परिणामस्वरूप वहां दशकों से चला आ रहा अलगाववाद और आतंकवाद कमजोर हुआ है। आज कश्मीर में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। पत्थरबाजी का दौर खत्म हो चुका है। वहां का युवा शिक्षा, खेल, और स्टार्टअप्स के माध्यम से देश की प्रगति में अपना योगदान दे रहा है। पीएम मोदी ने इस तरह भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सबसे बड़ा स्वप्न और संकल्प को पूरा किया। डॉ. मुखर्जी ने ही आज से सात दशक पहले कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए देशव्यापी आंदोलन शुरू किया था।*

*ऐसी एक ऐतिहासिक उपलब्धि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण है। सदियों पुराने सांस्कृतिक और कानूनी विवाद का शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण समाधान मोदी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह न केवल करोड़ों भारतीयों की आस्था की बहाली का प्रतीक बना, बल्कि इसने देश में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और 'विरासत भी, विकास भी' के संकल्प को एक नई ऊर्जा दी। आज अयोध्या वैश्विक स्तर पर पर्यटन और बुनियादी ढांचे के बड़े केंद्र के रूप में उभर रही है।*

नरेंद्र सिंह तोमर
अध्यक्ष, मध्यप्रदेश विधानसभा

*आर्थिक सुधार प्रधानमंत्री मोदी का कोर एजेंडा है। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए पीएम मोदी के डिजिटल विजन ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम बना दिया है। जन धन खातों, आधार और मोबाइल के जरिए शुरू हुई इस क्रांति ने भ्रष्टाचार पर सीधी चोट की है। आज 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' के माध्यम से सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत पैसा सीधे गरीबों के खातों में पहुंच रहा है। भारत के यूपीआई मॉडल का लोहा आज पूरी दुनिया मान रही है।*

*पिछले कुछ वर्षों में देश के इंफ्रास्ट्रक्चर में क्रांतिकारी बदलाव आया है। पीएम गतिशक्ति योजना के तहत राजमार्गों के निर्माण की रफ्तार दोगुनी से ज्यादा हो चुकी है। रेलवे के क्षेत्र में पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से बनी सेमी-हाई स्पीड 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ट्रेनें और रेलवे स्टेशनों का आधुनिक पुनर्विकास (अमृत भारत स्टेशन योजना) नए भारत की नई पहचान बन चुके हैं। इसके साथ ही देश के सुदूर इलाकों तक हवाई कनेक्टिविटी देने वाली 'उड़ान' योजना ने आम आदमी के हवाई सफर के सपने को सच किया है।*

*गरीबों और वंचितों के जीवन स्तर को उठाने के लिए मोदी सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े कल्याणकारी कार्यक्रम संचालित किए हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना के तहत 50 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज, और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गए हैं। 'हर घर जल' मिशन के जरिए ग्रामीण परिवारों तक नल से साफ पानी पहुंचाकर बुनियादी जीवन स्तर में अभूतपूर्व सुधार किया गया है।*

*देश के भीतर बुनियादी सुधारों से लेकर ब्रिक्स 2026 की ऐतिहासिक कूटनीतिक सफलता तक पीएम मोदी का विजन केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भारत को वैश्विक मंच पर 'विश्वगुरु' और संकटमोचक के रूप में स्थापित कर चुके हैं। चाहे 'मेक इन इंडिया' के तहत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बनना हो या सामाजिक न्याय की स्थापना-उनकी नीतियां 'राष्ट्र प्रथम' ध्येय से प्रेरित हैं। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ते भारत के लिए उनका यह दूरदर्शी रोडमैप देश के 140 करोड़ नागरिकों को एक सूत्र में पिरोकर 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने का अटूट विश्वास देता है।*

# मोदी युग में बड़ा बदलाव, पूर्वोत्तर को मिली नई जीवन 'धारा'

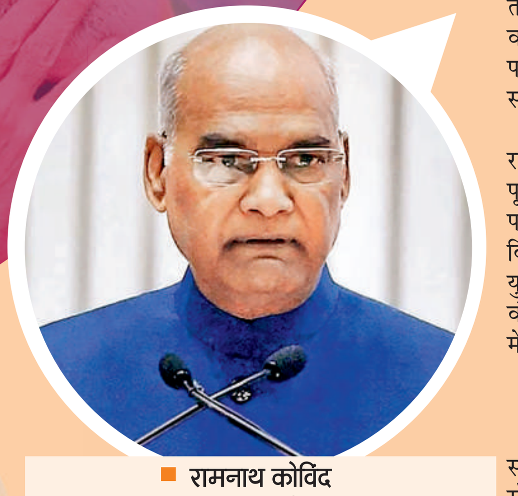

रामनाथ कोविंद
पूर्व राष्ट्रपति

मोदी युग की सबसे स्थायी उपलब्धि शायद किसी एक सड़क, योजना, सुधार या बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं है। यह इससे कहीं अधिक गहरे बदलाव में निहित है-खुद भारतीय समाज की मुख्यधारा का विस्तार। राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वर्ष 2017 से 2022 तक पांच वर्षों तक मैंने उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में निकटता से देखा। इसी अनुभव और सार्वजनिक जीवन में उनके साथ अपने जुड़ाव के आधार पर, मैं उनके जन्मदिन के अवसर पर कुछ विचार साझा करना चाहता हूं। अक्टूबर 2001 में गुजरात में निर्वाचित सरकार की बागडोर संभालने से लेकर वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री कार्यालय की जिम्मेदारी संभालने तक, निर्वाचित सरकार के प्रमुख के रूप में 25 से अधिक वर्षोंमें प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार एक सरल, किंतु परिवर्तनकारी विचार को आगे बढ़ाया है- "सबका साथ, सबका विकास।"

इसके केंद्र में एक और विचार है, जो उनकी समावेशी राजनीति की पहचान बन गया हैः "जिसको किसी ने नहीं पूछा, उसको मोदी ने पूजा।" जो लोग अनसुने, अनदेखे या पर्याप्त सुविधाओं से वंचित रह गए थे, वे अब भारत की विकास यात्रा के हाशिये पर नहीं रह गए थे। शायद यही मोदी युग का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है- सिर्फ विकास को वंचित वर्गों तक पहुंचाना ही नहीं, बल्कि उनको मुख्यधारा में लाना।

### मुख्यधारा के केंद्र में कौन है इसकी नई परिकल्पना

स्वतंत्रता के बाद कई दशकों तक भारत की विकास संबंधी सोच में एक निहित केंद्र और परिधि दिखाई देती थी। कुछ क्षेत्रों को दूरस्थ माना जाता था। कुछ गांव इतने दुर्गम थे कि वहां तक सरकारी तंत्र की सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं पहुंच पाता था। लोगों की कई आकांक्षाओं को राष्ट्रीय विमर्श में स्थान नहीं मिल पाता था। मोदी सरकार ने इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया है। शासन की सोच अब धीरे-धीरे चयनात्मकता के बजाय सर्वव्यापी पहुंच, बहिष्करण के बजाय समावेशन और केवल अधिकार देने के बजाय सशक्तिकरण पर केंद्रित होती गई है। अब प्रश्न यह नहीं है कि सरकार ने कोई योजना शुरू की है या नहीं, बल्कि यह है कि जिस व्यक्ति तक उस योजना का लाभ पहुंचने की सबसे कम संभावना थी, क्या वास्तव में वह व्यक्ति भी उससे लाभान्वित हुआ है।

इस बदलाव को पूर्वोत्तर से बेहतर शायद ही कोई उदाहरण स्पष्ट कर सकता है। कई दशकों तक पूर्वोत्तर को अक्सर भारत के दूरस्थ सीमांत क्षेत्र के रूप में देखा गया और उसकी सिर्फ चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब इसे तेजी सेभारत के अग्रणी क्षेत्र और दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रवेश द्वारके रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। नवंबर 2014 से प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र का 83 से अधिक बार दौरा किया है। इन दौरों के साथ संपर्क-सुविधाओं, बुनियादी ढांचे, निवेश और शांति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। इस क्षेत्र में 12 प्रमुख शांति समझौते हुए हैं। वहीं, वर्ष 2014-15 से 2025-26 के बीच पूर्वोत्तर के विकास के लिए 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं, जबकि इससे पिछले दशक में लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। पूर्वोत्तर के बुनियादी ढांचे का मानचित्र भी बदल रहा है। बोगीबील पुल और सेला सुरंगने दुर्गम भौगोलिक बाधाओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मिजोरम कोबैराबी-सैरांग रेल लाइनके उद्घाटन के साथ शेष भारत से पहली बार सीधी रेल कनेक्टिविटी मिली। नागालैंड को स्वतंत्रता के बाद अपना पहला रेलवे स्टेशन मिला। एम्स गुवाहाटी पूर्वोत्तर का पहला एम्स बना।

असम का सेमीकंडक्टर संयंत्र इससे भी अधिक महत्वाकांक्षी सोच को दर्शाता है—यह उस विचार को सामने लाता है कि भारत के सबसे उन्नत प्रौद्योगिकी-आधारित उद्योगों में से एक का विकास ऐसे क्षेत्र में भी हो सकता है, जिसे कभी मुख्यतः भौगोलिक रूप से दूरस्थ माना जाता था।

### जब जनजातीय समुदाय विकास की प्राथमिकता बना

जनजातीय समुदायों के प्रति दृष्टिकोण में भी यही दर्शन दिखाई देता है। दृष्टिकोण अब छिटपुट कल्याणकारी उपायों से आगे बढ़कर निरंतर, लक्षित और समग्र सरकारी तंत्र के समन्वित प्रयास की ओर बढ़ा है। पिछले एक दशक में जनजातीय कार्य मंत्रालय के बजट में 243 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पीएम-जनमन के अंतर्गत सभी 75 विशेष रूप से निर्बल जनजातीय समूहों को शामिल किया गया है। आवास, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं तथा अन्य बुनियादी आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान ने इस दृष्टिकोण को और आगे बढ़ाया है। इसके तहत जनजातीय बहुल गांवों और विशेष रूप से निर्बल जनजातीय समूहों की बस्तियों में लंबे समय से विद्यमान विकास संबंधी कमियों को दूर करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य केवल हाशिये पर रह रहे समुदायों को कल्याणकारी सहायता प्रदान करना नहीं है। इसका उद्देश्य उन्हें देश के भविष्य में पूर्ण और सार्थक भागीदारी के लिए आवश्यक क्षमताओं से सशक्त बनाना है।

### 'अंतिम गांवों' से 'प्रथम गांवों' तक

*भारत की सीमाओं पर भी दृष्टिकोण में इसी तरह का बदलाव दिखाई देता है। वर्षों तक दूरदराज की बस्तियों को आमतौर पर देश के "अंतिम गांवों" के रूप में वर्णित किया जाता रहा। मोदी सरकार ने समझ-बूझकर इस शब्दावली को बदलने का प्रयास किया और इससे भी महत्वपूर्ण रूप से, इसके पीछे की नीतिगत प्राथमिकता को भी बदला। अब इन्हें भारत के "प्रथम गांवों" के रूप में देखा जाता है। वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रम सड़कों, संपर्क-सुविधाओं, पर्यटन, आजीविका और आवश्यक सेवाओं के माध्यम से दूरदराज के सीमावर्ती क्षेत्रों में इस विचार को संस्थागत रूप देता है। यही सिद्धांत देश के आंतरिक क्षेत्रों में आकांक्षी जिला कार्यक्रम के माध्यम से आगे बढ़ाया गया है। ऐतिहासिक रूप से अल्प विकसित 112 जिलों को स्थायी रूप से पिछड़े क्षेत्रों के रूप में स्वीकार करने के बजाय, इस कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना और आजीविका के क्षेत्र में तेजी लाने के लिए मापनीय परिणाम, संयोजन और प्रतिस्पर्धात्मक विकासको बढ़ावा दिया गया। वर्ष 2023 में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के माध्यम से इस दृष्टिकोण को प्रशासनिक व्यवस्था के निचले स्तर तक ले जाया गया। इसके तहत 329 जिलों के 500 ब्लॉकों को शामिल किया गया। संदेश स्पष्ट हैः भौगोलिक स्थिति किसी क्षेत्र के लिए स्थायी नुकसान का कारण नहीं बन सकती।*

## ऊर्जा सुरक्षा से जनकल्याण तक, बदलाव की नई कहानी

किसी देश के विकास की रफ्तार उसकी ऊर्जा की उपलब्धता और विश्वसनीयता से गहराई से जुड़ी होती है। कारखानों का संचालन हो, खेतों तक सिंचाई की सुविधा पहुंचाना हो या घरों को रोशन करना, हर जगह ऊर्जा की जरूरत है। भारत जैसे विशाल और तेजी से आगे बढ़ते देश के लिए यह जरूरत और भी महत्वपूर्ण है। आज भी देश के करीब 73 प्रतिशत बिजली उत्पादन का आधार कोयला है। इसलिए कोयला क्षेत्र में होने वाला हर सकारात्मक बदलाव देश की ऊर्जा सुरक्षा और आम लोगों के जीवन पर असर डालता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद कोयला क्षेत्र में व्यापक नीतिगत और संरचनात्मक सुधार हुए हैं। पारदर्शिता बढ़ाने, निर्णय प्रक्रिया तेज करने, आधुनिक तकनीक अपनाने और बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के प्रयासों ने इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। खदानों की योजना से लेकर कोयले की ढुलाई तक, कामकाज के अनेक स्तरों पर इसका असर दिखाई देता है। वित्त वर्ष 2025-26 में देश का घरेलू कोयला उत्पादन लगातार दूसरे वर्ष एक अरब टन के पार पहुंचा। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान 1.04 अरब टन कोयले का उत्पादन हुआ।

हरीश दुहन
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

इस राष्ट्रीय उपलब्धि में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड यानी एसईसीएल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कार्यरत कोल इंडिया की इस मिनीरत्न कंपनी ने अपनी स्थापना के वर्ष 1985-86 में 3.42 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 17.628 करोड़ टन हो गया। आज कोल इंडिया के उत्पादन में एसईसीएल की हिस्सेदारी करीब 23 प्रतिशत और देश के कुल कोयला उत्पादन में लगभग 17 प्रतिशत है। इस सफर के पीछे 36 हजार से अधिक नियमित कर्मचारियों, 24 हजार संविदा कामगारों और बड़ी संख्या में जुड़े परिवहनकर्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं तथा सेवा प्रदाताओं का योगदान है।

वर्ष 2014 के बाद एसईसीएल में आया बदलाव उत्पादन बढ़ने के साथ कार्यक्षमता, तकनीक और जिम्मेदारी के विस्तार की कहानी भी है। वर्ष 2013-14 में कंपनी का कोयला उत्पादन 12.426 करोड़ टन था, जो 2025-26 में बढ़कर 17.628 करोड़ टन हो गया। इसी अवधि में उपभोक्ताओं को कोयले की आपूर्ति 12.203 करोड़ टन से बढ़कर 17.863 करोड़ टन पहुंच गई। यह 46 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। कंपनी आज 13 राज्यों को कोयले की आपूर्ति कर रही है। इससे भी उल्लेखनीय बदलाव उत्पादकता में आया है। प्रति श्रमिक, प्रति पाली उत्पादन 7.23 टन से बढ़कर 16.47 टन हो गया है।

# बहुआयामी मोदी का विराट स्वरूप अभी आना बाकी है

## मेहनत से हर पल देश को और जीवंत करते मोदी

*पिछले 25 सालों से अनवरत लगातार मेहनत करते रहने के पीछे की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस बच्ची से पाते हैं जो अपने छोटे भाई को पीठ पर रखकर लगातार ऊंचे पहाड़ पर चढ़ती जा रही है, जब लड़की से एक आदमी पूछता है कि तुम्हें यह बोझ नहीं लग रहा है तो वह धीरे से मुस्कराते हुए कहती है कि यह मेरा अपना छोटा भाई है। इसलिए यह मुझे बोझ नहीं लगता बल्कि उसके पीठ पर रहने से मुझे और ताकत मिलती है। मैं अभी और ऊंचा पहाड़ चढ़ना चाहती हूं। इस बच्ची से प्रेरणा पाने वाले हमारे यशस्वी और कर्मठ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश के विकास पर हर पल सतत सक्रिय हैं।*

*उनकी राजनीतिक कला कौशल का यह सबसे बेहतर नायाब उदाहरण है कि पिछले 25 सालों से लगातार देश के जन-जन में प्रधानमंत्री मोदी अपनी चिर परिचित कार्य प्रणाली से बेहद प्रतिष्ठित आयाम के साथ लगातार स्थापित होते जा रहे हैं। मुझे लगता है कि निकट भविष्य में देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का और विराट प्रखर स्वरूप देखने को मिलेगा। क्योंकि 76 साल की उम्र में भी 35 के नवयुवक की भाँति अभी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18-18 घंटे लगातार अथक परिश्रम कर रहे हैं। उनका अब तक का सेवा काल अतुलनीय और अनुकरणीय है। लोक हितैषी कार्यों को जनता के बीच निरंतर ले जाए जाने की उनकी योग्यता समूचे देश को पता है। तभी तो देश के सभी लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्य स्वभाव को पूरी तरह आत्मसात करते जा रहे हैं। लेकिन इसी बीच कांग्रेस और विपक्षी दल लगातार जनता को उनके लिए भ्रमित करने की कोशिश भी कर रहे हैं, जिसका मुंहतोड़ जवाब भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर देगा।*

*प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर एक माह तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' के दौरान भाजपा केंद्र की मोदी सरकार, छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार और पूर्ववर्ती डॉ. रमन सिंह सरकार द्वारा किए गए ऐतिहासिक विकास कार्यों और जन-कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल उपलब्धियां बताना ही नहीं, बल्कि जमीन पर उतरकर जनसेवा करना भी है। अभियान के तहत समाज का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों,पद्मश्री से अलंकृत हस्तियों और उत्कृष्ट सांस्कृतिक कलाकारों का सम्मान भी किया जाएगा। मैं तो भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान करता हूं कि जनसेवा के इस महाअभियान के जरिए भाजपा के जनाधार को और अधिक मजबूत करना है। जनता तक सरकार की हर एक उपलब्धि पहुंचाना है और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को शासन की योजनाओं का पूरा लाभ दिलाना है। मेरी नजर में यही इस सेवा पखवाड़े का मुख्य संकल्प है।*

बृजमोहन अग्रवाल
रायपुर सांसद और पूर्व कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़

*देश में विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए 'पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है। जिसमें 30,000 करोड़ रुपए से अधिक के इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों को पूरा किया जाएगा। ये सभी कार्य आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी और औद्योगिक प्रगति को गति देंगे। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान' और साइबर क्राइम व 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़ी शिकायतें भी दूर की जाएंगी।*

*प्रधानमंत्री मोदी सड़क, बिजली, औद्योगिक कॉरीडोर और मेट्रो रेल क्षेत्रों के विकास पर लगातार जोर दे रहे हैं। उनका मानना है कि बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं में देरी न केवल लागत बढ़ाती है, बल्कि लोगों और उद्योगों को समय पर मिलने वाले लाभों से भी वंचित कर देती है। लिहाजा वे ऐसी कमियों को सिलसिलेवार दूर करने को प्रतिबद्ध हैं। पीएम मोदी साइबर अपराध और डिजिटल गिरफ्तारी से संबंधित शिकायतों पर भी संवेदनशील हैं। उन्होंने नागरिकों को ठगने के लिए डिजिटल मंचों के बढ़ते दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की है। और ऐसे मामलों का सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा समन्वित, संवेदनशील और समयबद्ध तरीके से निपटारा किए जाने के आदेश भी दिए हैं। समूची दुनिया में युद्ध और कलह के इस दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जीडीपी ग्रोथ रेट उच्चतम रखने को कृत संकल्पबद्ध हैं और इसे देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक ताकत का नतीजा क़रार देते हैं। साथ ही वैश्विक आर्थिक संकट के बीच लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील भी करते हैं। देश के सामाजिक आर्थिक विकास पर ध्यान रखने के साथ-साथ विश्व के नेताओं के बीच भी अपनी धाक कायम रखने में भी पीएम नरेंद्र मोदी का कोई सानी नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अब तक कुल 36 अंतरराष्ट्रीय और वैश्विक सम्मान मिल चुके हैं।*

# संकल्प से सिद्धि तकः मोदी की 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा यात्रा

नये भारत के शिल्पकार नरेंद्र मोदी अपनी अनवरत जनसेवा व राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। यह यात्रा 7 अक्टूबर, 2001 को शुरू हुई थी, जब उन्होंने 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के सफल मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में प्रथम बार शपथ ली। तब से लेकर आज तक उन्होंने जनसेवा से राष्ट्रसेवा के मंत्र को जी कर दिखाया है और उनकी इस यात्रा की गति न धीमी हुई और न रूकी, बल्कि कीर्तिमान स्थापित करते हुये सतत जारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितम्बर, 2026 को अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी उनके जन्म दिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' प्रारंभ करने जा रही है, जब उनके सुशासन के 25 वर्ष पूरे होंगे। 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के मुख्यमंत्री और कमोबेश इतनी ही अवधि के उनके प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल पर दृष्टिपात करें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि उन्होंने जनसेवा का कीर्तिमान और प्रतिमान रच दिया।

गुजरात के मेहसाणा जिले के एक छोटे से गांव वडनगर से शुरू हुई उनकी जीवन यात्रा में आए तमाम उतार-चढ़ाव के बीच लगन, निष्ठा, परिश्रम, त्याग, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रप्रेम के चलते वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष बन चुके हैं। वे आज सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं जाने-पहचाने जाते, वरन आज वे विश्व के अग्रणी शीर्ष नेताओं में शुमार हो चुके हैं। नरेंद्र मोदी को 36 देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया है। वे ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रबोध एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इसी उदात्त भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने किशोरावस्था में अपना घर-द्वार छोड़कर जनसेवा की ओर जो कदम बढ़ाए, वे आज तक नहीं रुके।

उन्होंने दशकों से लंबित फैसलों को पूरा किया - चाहे धारा 370 की समाप्ति हो, भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हो या सीमाओं की अभेद्य सुरक्षा हो। विज्ञान के क्षेत्र में चंद्रयान-3 की सफलता से लेकर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक, उनके हर कदम ने भारत को सशक्त बनाया है। स्वच्छ भारत से जल जीवन मिशन तक, उज्ज्वला योजना से आयुष्मान भारत तक, किसान सम्मान निधि से लखपति दीदियों की आत्मनिर्भरता तक - हर योजना का एक ही ध्येय रहा है कि सबका जीवन बेहतर हो, भारत समर्थ बने। ये 25 वर्ष सिर्फ सत्ता के नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के विश्वास और एक दूरदर्शी नेता के तप, त्याग और नेतृत्व की गाथा है।

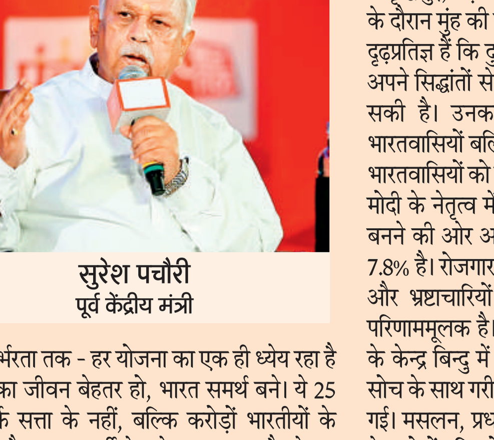

सुरेश पचौरी
पूर्व केंद्रीय मंत्री

प्रधानमंत्री के रूप में विगत लगभग साढ़े बारह वर्षों के दौरान मोदी जी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में प्रगति की रफ्तार दिन-ब-दिन बढ़ती नज़र आ रही है। आम आदमी के जीवन में खुशहाली आई, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार आया, दुनिया में भारत के मान-सम्मान में वृद्धि हुई, पड़ोसी देश पाकिस्तान को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान मुंह की खानी पड़ी। श्री मोदी देश हित में इतने दृढ़प्रतिज्ञ हैं कि दुनिया की कोई ताकत आज तक उन्हें अपने सिद्धांतों से न तो डिगा सकी है और न ही झुका सकी है। उनका यह आत्मबल न सिर्फ करोड़ों भारतवासियों बल्कि विश्व के दीगर मुल्कों में रहने वाले भारतवासियों को संबल प्रदान करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारी जीडीपी वृद्धि दर भी 7.8% है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश विरोधियों और भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिणाममूलक है। प्रधानमंत्री ने सरकार की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में हमेशा 'आम आदमी' को रखा। इस सोच के साथ गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मसलन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा की गई। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के मद्देनजर आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जिससे लगभग 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। आधारभूत संरचना की बात की जाये तो प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्र की रीढ़ मानते हुए इसमें भारी निवेश किया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं।

यूपीआई व्यवस्था निर्बाध रूप से चलती रहे, इसके लिए स्थायी राजस्व मॉडल जरूरी

# यूपीआई पेमेंट पर शुल्क लगने से व्यापारी नाराज, बोले लागत बढ़ी तो ग्राहक फिर पकड़ सकते हैं कैश का रास्ता

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

जब यूपीआई भुगतान की शुरुआत हुई थी, व्यापारियों ने देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की सरकार की पहल का समर्थन किया था। लेकिन अब यूपीआई भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लगने से कारोबारियों की लागत बढ़ेगी। व्यापारी पहले से ही लेनदेन शुल्क और 18 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान कर रहे हैं। ऐसे में यूपीआई पर अतिरिक्त एमडीआर लगाए जाने से व्यापारी नकद भुगतान को बढ़ावा देने पर मजबूर हो सकते हैं। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि अतिरिक्त शुल्क का सबसे ज्यादा असर कम मुनाफे पर कारोबार करने वाले व्यापारियों पर पड़ सकता है। उन्हें डिजिटल भुगतान व्यवस्था से कोई समस्या नहीं है। उनकी आपत्ति अतिरिक्त लागत को लेकर है। कारोबारियों का तर्क है कि कम मार्जिन वाले व्यापार में प्रत्येक अतिरिक्त शुल्क सीधे मुनाफे को प्रभावित करता है। व्यापारियों का कहना है कि यदि यूपीआई भुगतान पर शुल्क लागू रहता है तो ग्राहकों को नकद भुगतान के विकल्प के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। इससे डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्य और व्यापारियों की लागत संबंधी चिंताओं के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है। डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लगने से ग्राहक दोबारा नकद लेनदेन की ओर रुख कर सकते हैं।

हरिभूमि चर्चा

**डिजिटल भुगतान सस्ता होगा तो ग्राहकों का भरोसा और डिजिटल अर्थव्यवस्था मजबूत रहेंगे**

**कम मार्जिन वाले व्यापार में प्रत्येक अतिरिक्त शुल्क सीधे मुनाफे को प्रभावित करता है**

### अतिरिक्त शुल्क को लेकर व्यापारियों की चिंताएं

चाय, राशन और छोटे घरेलू सामानों की खरीद में लोग यूपीआई या कार्ड के इस्तेमाल से बच सकते हैं। सरकार और बैंकों ने वर्षों तक कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया, ऐसे में शुल्क से उन पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। नकद लेनदेन बढ़ने से बाजार में छुट्टे पैसों की समस्या और नकदी प्रबंधन का खर्च बढ़ सकता है। व्यापारियों के अनुसार, नकद आधारित कारोबार बढ़ने से बिना बिल के लेनदेन और कर अनुपालन से बचने की संभावना बढ़ सकती है। डिजिटल ट्रांजैक्शन में भारत ने पिछले वर्षों

में तेज वृद्धि दर्ज की है; अतिरिक्त शुल्क से इस रफ्तार पर असर पड़ने की आशंका है। छोटे और मध्यम डिजिटल भुगतानों को शुल्क-मुक्त रखने की मांग की जा रही है। व्यापारिक संगठनों का कहना है कि डिजिटल भुगतान सस्ता और सुविधाजनक रहेगा तो ग्राहकों का भरोसा और डिजिटल अर्थव्यवस्था दोनों मजबूत रहेंगे।

## यूपीआई पर शुल्क का स्वागत, लेकिन जीएसटी संग्रह पर 1 फीसदी सेवा शुल्क कम करें

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री नवनीत अग्रवाल ने यूपीआई भुगतान पर लगाए गए शुल्क का स्वागत करते हुए सरकार से व्यापारियों के लिए अतिरिक्त सेवा शुल्क की अनुमति देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि व्यापारी सरकार के लिए जीएसटी उपभोक्ताओं से वसूलकर सरकारी खाते में जमा करता है। इसके साथ ही जीएसटी के हिसाब-किताब और लेखांकन में होने वाला अतिरिक्त खर्च भी अभी तक व्यापारी ही वहन करता है। अग्रवाल ने सरकार से मांग की कि जीएसटी संग्रह की सेवा के बदले व्यापारियों को 1 प्रतिशत सेवा शुल्क लेने की अनुमति दी जाए। उनका कहना है कि इससे व्यापारी राष्ट्रहित में सरकार के साथ और बेहतर तरीके से योगदान दे सकेंगे। नई व्यवस्था से व्यापारियों की एकाउंटिंग और हिसाब-किताब की जिम्मेदारी भी बढ़ेगी, जिससे अतिरिक्त प्रशासनिक खर्च आएगा। ऐसे में सरकार को व्यापारियों की लागत और उनके द्वारा किए जा रहे जीएसटी संग्रह कार्य को ध्यान में रखते हुए उचित सेवा शुल्क की व्यवस्था करनी चाहिए।

नवनीत अग्रवाल

## यूपीआई भुगतान पर कमीशन के विरोध में कैट ने प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को लिखा पत्र

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) मध्यप्रदेश ने यूपीआई भुगतान पर व्यापारियों से कमीशन लिए जाने की संभावित व्यवस्था का विरोध किया है। कैट मध्यप्रदेश के अध्यक्ष भूपेंद्र जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र भेजकर इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है। भूपेन्द्र जैन ने कहा कि छोटे और मध्यम व्यापारियों का कारोबार पहले ही बेहद कम मार्जिन पर चल रहा है। ऐसे में यूपीआई भुगतान पर कमीशन लगने से उनकी लागत बढ़ेगी और इसका सीधा असर उनके मुनाफे पर पड़ेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि थोक किराना कारोबार में कई व्यापारी बेहद कम मार्जिन पर काम करते हैं, जबकि अनाज कारोबार में भी छोटे दुकानदारों का लाभ सीमित रहता है। ऐसे कारोबारियों के लिए अतिरिक्त भुगतान शुल्क आर्थिक दबाव बढ़ा सकता है। कैट के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन ने चेतावनी दी है कि यदि व्यापारियों पर यूपीआई भुगतान का अतिरिक्त कमीशन लागू किया गया तो प्रदेश में व्यापारी संगठन आंदोलन का रास्ता अपना सकते हैं।

भूपेंद्र जैन

### अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने की स्थिति में खड़ी होंगी चुनौती

कैट मध्यप्रदेश मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र शर्मा का कहना है कि छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के बीच यूपीआई भुगतान तेजी से बढ़ा है और ग्राहक भी डिजिटल भुगतान को प्राथमिकता देने लगे हैं। ऐसे में यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने की स्थिति में व्यापारियों के सामने चुनौती बढ़ सकती है। उनके अनुसार छोटे व्यापारी एक ओर बड़े कॉरपोरेट और संगठित कारोबारियों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अतिरिक्त भुगतान शुल्क का बोझ भी उठाना पड़ेगा।

धर्मेंद्र शर्मा

### नकद भुगतान की ओर लौटने का डर

अतिरिक्त लागत बढ़ने पर कुछ कारोबारी बड़े यूपीआई भुगतान की जगह नकद भुगतान लेने या राशि को छोटे हिस्सों में लेने के विकल्प पर विचार कर सकते हैं। इससे डिजिटल भुगतान की सहजता प्रभावित हो सकती है और व्यापारी-ग्राहक दोनों के लिए परेशानी बढ़ सकती है।

**शैलेंद्र गुप्ता,** उपाध्यक्ष, लोहा व्यापारी एवं निर्माता संघ भोपाल

### समस्या नहीं, समाधान पर जोर

यूपीआई, आरटीजीएस, एनईएफटी, कार्ड और बैंकिंग माध्यमों के विस्तार के साथ व्यापार में पारदर्शिता बढ़ी है। वहीं जीएसटी के माध्यम से कर व्यवस्था के दायरे में भी लगातार विस्तार हुआ है। ऐसे में अब नीति-निर्माण के अगले चरण में केवल राजस्व बढ़ाने के बजाय व्यापारियों के लिए अनुपालन को सरल और कम लागत वाला बनाने पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। व्यापारी करदाता होने के साथ-साथ रोजगारदाता और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण जमीनी हिस्सा भी है। ऐसे में सरकार और व्यापारिक संगठनों के बीच नियमित संवाद को मजबूत करने की आवश्यकता है। व्यापारिक संगठनों से भी अपेक्षा है कि वे केवल विरोध तक सीमित न रहें, बल्कि आंकड़ों, वास्तविक उदाहरणों और ठोस नीतिगत सुझावों के साथ सरकार के सामने अपनी बात रखें।

**सजीव गर्ग (गांधी)**
अध्यक्ष, होलसेल भोपाल सराफा व्यापारी एसो.

### तो असर छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा

यूपीआई भुगतान भारत की एक वैश्विक उपलब्धि है। सरकार ने जिस उत्साह के साथ इसे बढ़ावा दिया और जनता ने इसे जिस सहजता से अपनाया, वह इसकी सफलता को दर्शाता है। ऐसे में यूपीआई व्यवस्था को मजबूत और निर्बाध बनाए रखने के लिए एक स्थायी राजस्व मॉडल विकसित करना जरूरी है। यदि यूपीआई लेनदेन पर शुल्क का भार व्यापारियों पर डाला जाता है, तो इसका सीधा असर पहले से ही कम मार्जिन पर काम कर रहे छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा। सरकार को यूपीआई व्यवस्था के लिए ऐसा वैकल्पिक राजस्व मॉडल तलाशना चाहिए, जिससे आम जनता और छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त भार न पड़े।

**राजेश जैन**
संचालक, विजय वल्लभ किसान सेवा केंद्र

### पंपों पर पड़ेगी दोहरी मार, नुकसानदायक साबित

प्रस्तावित चार्ज कम मार्जिन पर कारोबार करने वाले व्यवसायियों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। पेट्रोल पंपों पर दोहरी मार पड़ेगी। यदि 2,000 रुपए से अधिक के औसतन 100 लेनदेन प्रतिदिन होते हैं और प्रत्येक पर करीब 5 रुपए का चार्ज लगता है, तो 18 प्रतिशत जीएसटी सहित यह राशि लगभग 590रुपए प्रतिदिन बैठती है। इस हिसाब से महीने में करीब 17,700 रुपए का अतिरिक्त खर्च बढ़ सकता है। इतने कम मार्जिन वाले कारोबार में यह अतिरिक्त लागत सीधे मुनाफे को प्रभावित करेगी। कोई वैकल्पिक राजस्व मॉडल तैयार किया जाना चाहिए।

**अजय सिंह**
अध्यक्ष, मध्यप्रदेश पेट्रोल पंप ऑनर्स एसोसिएशन

## खबर संक्षेप

### ऋण चुकाने वाले ग्राहकों को मिलेगा 'गोल्ड रिवार्ड'

**नई दिल्ली।** आरबीआई में पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई डीजेटी माइक्रोफाइनेंस ने अपने संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) ग्राहकों के लिए 'गोल्ड रिवार्ड' पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य नियमित और समय पर ऋण का पुनर्भुगतान करने वाले ग्राहकों को प्रोत्साहित करना तथा जिम्मेदार वित्तीय व्यवहार को बढ़ावा देना है।इस पहल के तहत, बिना किसी देरी के निर्धारित समय पर माइक्रोफाइनेंस ऋण का पुनर्भुगतान करने वाले पात्र ग्राहकों को उनके द्वारा भुगतान किए गए ब्याज की राशि के 2 प्रतिशत के बराबर गोल्ड रिवार्ड दिया जाएगा। यह योजना डीजेटी माइक्रोफाइनेंस के उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, असम और पश्चिम बंगाल स्थित नेटवर्क में लागू की जा रही है।

### 'लेज खोलो, रणबीर से मिलो' कैंपेन लांच

**नई दिल्ली।** पोटैटो चिप्स ब्रांड लेज ने ग्राहकों के लिए नया कैंपेन 'लेज खोलो, रणबीर से मिलो' शुरू किया है। इस पहल के जरिए ब्रांड अपने फैंस को पसंदीदा अभिनेता और ब्रांड एंबेसडर रणबीर कपूर से मिलने सहित कई खास अनुभव हासिल करने का मौका दे रहा है। यह कैंपेन हाल ही में चलाए गए 'लेज के लिए कुछ भी' कॉन्टेस्ट के बाद शुरू किया गया है। पोटैटो चिप्स कैटेगरी की मार्केटिंग डायरेक्टर आस्था भसीन ने कहा कि लेज के हर अभियान के केंद्र में उसके उपभोक्ता रहे हैं। 20 रुपए के पैक के जरिए भी उपभोक्ताओं को इस अभियान में खास इनाम और अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा।

### टाइटन की 'सेलेस्टर स्विफ्ट' स्मार्टवॉच लांच

**बेंगलुरु।** टाइटन स्मार्ट ने भारतीय बैडमिंटन और रनिंग प्रेमियों को ध्यान में रखते हुए अपनी नई अल्ट्रा-लाइट परफॉर्मेंस स्मार्टवॉच 'सेलेस्टर स्विफ्ट' लांच की है। कंपनी ने इसे ब्रांड एंबेसडर और भारतीय बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की मौजूदगी में पेश किया। कंपनी के अनुसार, स्मार्टवॉच को एडवांस्ड बैडमिंटन और रनिंग एल्गोरिदम से लैस किया गया है। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को उनकी ट्रेनिंग और प्रदर्शन से जुड़ी विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने खेल में सुधार कर सकें।

एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच एशिया के अरबपतियों की रैंकिंग में बड़ा बदलाव

# टिकटॉक के फाउंडर झांग यिमिंग बने एशिया के सबसे अमीर, गौतम अडाणी को छोड़ा पीछे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच एशिया के अरबपतियों की रैंकिंग में बड़ा बदलाव हुआ है। टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइटडांस के संस्थापक झांग यिमिंग एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, झांग यिमिंग की संपत्ति 105 अरब डॉलर से अधिक हो गई है और उन्होंने भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी को पीछे छोड़ दिया है। 43 वर्षीय झांग यिमिंग की संपत्ति में इस महीने ही 12 अरब डॉलर से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, बाइटडांस के वैल्यूएशन में हुए बदलाव और एआई कारोबार में कंपनी की बढ़ती संभावनाओं ने उनकी संपत्ति में तेज इजाफा किया है। ब्लैकरॉक, फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स और टी. रो प्राइस जैसी निवेश कंपनियों की ओर से बाइटडांस के मूल्यांकन में किए गए संशोधनों का भी इसमें योगदान रहा।

**झांग की संपत्ति 105 अरब डॉलर से अधिक हो गई**

**मूल्यांकन में किए गए संशोधनों का भी योगदान**

### 2019 से आठ गुना बढ़ी संपत्ति

ब्लूमबर्ग ने मार्च 2019 में झांग यिमिंग की संपत्ति को करीब 13 अरब डॉलर पर ट्रैक करना शुरू किया था। अब उनकी संपत्ति 105 अरब डॉलर से ऊपर पहुंच चुकी है। यानी इस अवधि में उनकी नेटवर्थ करीब आठ गुना बढ़ी है। झांग की संपत्ति बढ़ने में बाइटडांस के वैश्विक कारोबार के साथ कंपनी का एआई क्षेत्र में विस्तार भी अहम माना जा रहा है। बाइटडांस चीन में डुबाओ जैसे एआई उत्पादों और वीडियो जनरेशन तकनीक पर भी काम कर रही है। दूसरी ओर, भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी की संपत्ति में हाल के महीनों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रिपोर्टों के मुताबिक, जून में उनकी संपत्ति करीब 120 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंची थी। इसके बाद बाजार में गिरावट और अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में उतार-चढ़ाव का असर उनकी कुल संपत्ति पर पड़ा। इस बदलाव के साथ अडानी अब एशिया की संपत्ति रैंकिंग में झांग यिमिंग से पीछे हैं।

### टाटा मोटर्स ने प्रदर्शित की अगली पीढ़ी के एग्रीगेट्स

**मुंबई।** टाटा मोटर्स ने बाउमा कॉनएक्सपो इंडिया 2026 में अपने अगली पीढ़ी के एग्रीगेट्स पोर्टफोलियो का प्रदर्शन किया। कंपनी ने निर्माण, लॉजिस्टिक्स, औद्योगिक और मटेरियल हैंडलिंग क्षेत्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जेनसेट्स, औद्योगिक इंजन और लाइव एक्सल की विस्तृत रेंज पेश की।
प्रदर्शनी में सीपीसीबीIV+ मानकों का अनुपालन करने वाले 10 केवीए से 125 केवीए तक के जेनसेट, 0.7 लीटर से 3.3 लीटर क्षमता वाले उच्च प्रदर्शन वाले औद्योगिक इंजन और एचआर 210 लाइव एक्सल प्रदर्शित किए गए। कंपनी के अनुसार एचआर 210 भारत का पहला हब रिडक्शन एक्सल है, जिसका बड़े पैमाने पर घरेलू स्तर पर निर्माण किया जाता है।

एनबीडब्ल्यूओ/एनओबीडब्ल्यू की महत्वपूर्ण पहल

## पीएनबी में केंद्रीयकृत संरचित आईआरएम बैठक, 32 सूत्रीय एजेंडे पर प्रबंधन से चर्चा

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

ऑल इंडिया पीएनबी ऑफिसर्स वर्कर्स ऑर्गनाइजेशन के लिए महत्वपूर्ण पहल के तहत बैंक मुख्यालय में पहली केंद्रीयकृत संरचित आईआरएम बैठक आयोजित की गई। बैठक फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील सिंह और महासचिव मनमोहन गुप्ता के नेतृत्व में हुई। बैठक में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर 32 सूत्रीय एजेंडे पर बैंक प्रबंधन के साथ विस्तृत चर्चा की गई। फेडरेशन की ओर से कर्मचारियों की समस्याओं, सेवा संबंधी विषयों और नीतिगत मामलों को प्रबंधन के समक्ष रखा गया। चर्चा के दौरान कई मुद्दों पर बैंक प्रबंधन ने फेडरेशन की ओर से उठाई गई चिंताओं पर नीतियों की समीक्षा करने और उचित विचार करने का आश्वासन दिया। संगठन ने इसे कर्मचारियों और बैंक प्रबंधन के बीच संवाद को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। फेडरेशन के अनुसार, संरचित आईआरएम बैठकों की शुरुआत से कर्मचारियों से जुड़े विषयों पर नियमित और व्यवस्थित संवाद का रास्ता मजबूत होगा। संगठन ने इस पहल को फेडरेशन के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए पूरी एआईपी एनबीडब्ल्यूओ/एनओबीडब्ल्यू टीम को बधाई दी।

## बिजनेस न्यूज

### भोपाल के आकाश दुबे ने डिजिटल मीडिया और हेल्थकेयर पर शोध कर हासिल की पीएचडी की उपाधि

**भोपाल।** एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल के स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के शोधार्थी आकाश दुबे ने प्रबंधन विषय में पीएच.डी. की उपाधि हासिल की है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। आकाश दुबे ने अपना शोध कार्य शोध निर्देशक डॉ. विराट जायसवाल के मार्गदर्शन में पूरा किया। उनके शोध का विषय "हेल्थकेयर इंडस्ट्री में रिश्ते बनाने के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया नेटवर्क की संभावनाओं पर विश्लेषणात्मक अध्ययन" रहा। शोध में हेल्थकेयर क्षेत्र में डिजिटल और सोशल मीडिया नेटवर्क की भूमिका का विश्लेषण किया गया। अध्ययन में मरीजों और अस्पतालों के बीच बेहतर संवाद, भरोसा कायम करने, सूचनाओं के पारदर्शी आदान-प्रदान तथा डिजिटल माध्यमों के जरिए संबंधों को मजबूत करने की संभावनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। पीएचडी की उपाधि मिलने पर आकाश दुबे ने कहा कि डिजिटल युग में सही दिशा और निरंतर मेहनत से लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हेल्थकेयर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में तकनीक का प्रभावी उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में मददगार हो सकता है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों, परिजनों और शुभचिंतकों ने आकाश दुबे को बधाई दी।

### इंडियन बैंक को लगातार तीसरे वर्ष मिला राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

**मुंबई।** बैंक इंडियन बैंक को वर्ष 2025-26 के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार के तहत द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुंबई के सिडको एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित छठें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान यह सम्मान प्रदान किया गया। इंडियन बैंक की ओर से कार्यपालक निदेशक शिव बजरंग सिंह ने गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार एवं नित्यानंद राय के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया। इस अवसर पर राजभाषा विभाग की सचिव अंशुली आर्या भी उपस्थित रहीं। बैंक को यह सम्मान राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में श्रेष्ठ निष्पादन के लिए लगातार तीसरे वर्ष मिला है। सम्मेलन के दौरान चेन्नै नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक इंडियन बैंक, कॉर्पोरेट कार्यालय चेन्नै को 'नराकास राजभाषा सम्मान' की सर्वश्रेष्ठ श्रेणी से सम्मानित किया गया।

संभावनाएं तलाशने के लिए सहयोग की घोषणा

## भारत फोर्ज और प्रैट एंड व्हिटनी स्वदेशी हेल यूएवी के लिए इंजन विकल्प तलाशेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत फोर्ज लिमिटेड और आरटीएक्स की कंपनी प्रैट एंड व्हिटनी कनाडा ने भारत के स्वदेशी हाई-एल्टीट्यूड, लॉन्ग-एंड्यूरेंस मानव रहित विमान कार्यक्रम के लिए उन्नत टर्बोप्रॉप इंजन की संभावनाएं तलाशने के लिए सहयोग की घोषणा की है। यह यूएवी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा डिजाइन और विकसित किया जा रहा है। वहीं भारत फोर्ज विमान के ढांचे में इंजन के एकीकरण का नेतृत्व करेगी।

भारत फोर्ज लिमिटेड के वाइस चेयरमैन और ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर अमित कल्याणी ने कहाकि भारत फोर्ज का एयरोस्पेस कारोबार प्रैट एंड व्हिटनी कनाडा के साथ मिलकर भारत की स्वदेशी एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को आगे बढ़ाने को लेकर गौरवान्वित है। प्रैट एंड व्हिटनी की विश्व स्तर पर प्रमाणित प्रोपल्शन तकनीक और भारत फोर्ज की इंजीनियरिंग व सिस्टम इंटीग्रेशन विशेषज्ञता को एक साथ लाकर हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय हेल प्लेटफॉर्म के विकास में सहयोग करना है।

प्रैट एंड व्हिटनी के वाइस प्रेसिडेंट और भारत प्रमुख आशीष सराफ ने कहा कि भारत फोर्ज के साथ यह सहयोग भारत की एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र से जुड़ी महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

### सैनी ने 13 नए उत्पाद किए लांच

**नोएडा।** सैनी इंडिया नेबाउमा कॉनएक्सपो इंडिया 2026 में 13 नए उत्पाद लांच करते हुए कुल 31 मशीनों का प्रदर्शन किया। 'भविष्य का निर्माण मिलकर करें थीम के तहत कंपनी ने उत्खनन, डीप फाउंडेशन, सड़क निर्माण, खनन, पोर्ट मशीनरी, एरियल वर्क प्लेटफॉर्म और मटेरियल हैंडलिंग से जुड़े उपकरण पेश किए। प्रदर्शनी में इलेक्ट्रिक मशीनों पर विशेष जोर रहा। इनमें इलेक्ट्रिक एक्सकेवेटर, व्हील लोडर, माइनिंग ट्रक, माइनिंग टिपर, रीच स्टैकर और एरियल प्लेटफॉर्म शामिल हैं। सैनी इंडिया का कहना है कि भारी मशीनरी उद्योग को अधिक कुशल और भविष्य के लिए तैयार बनाया जा सकता है। कंपनी की ओर से 31 मशीनों का प्रदर्शन इसी दिशा में उसके उत्पाद पोर्टफोलियो को विस्तार देने की रणनीति को दर्शाता है।

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण
7वीं -8वीं मंजिल, हिंदुस्तान टाइम्स हाउस,
18-20 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण दिनांक 03 सितम्बर 2026 के रिक्ति परिपत्र के माध्यम से अपनी वेबसाइट www.nfra.gov.in पर दिए गए विवरण के अनुसार, प्रतिनियुक्ति/अल्पकालिक अनुबंध, जो भी लागू हो, के आधार पर निम्नलिखित पदों पर नियुक्ति के लिए अखिल भारतीय या केंद्रीय सिविल सेवाओं के अधिकारियों/ राज्य सरकार और संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के अधिकारियों / भारतीय रिजर्व बैंक / सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों / सरकारी वित्तीय संस्थानों / नियामक निकायों/ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/ स्वायत्त और सांविधिक निकायों/ अन्य सरकारी संस्थानों के अधिकारियों से आवेदन आमंत्रित करता है:

| | | | |
|---|---|---|---|
| (i) | कार्यकारी निदेशक | - | 02 पद |
| (ii) | मुख्य महाप्रबंधक | - | 01 पद |
| (iii) | महाप्रबंधक | - | 03 पद |
| (iv) | उप महाप्रबंधक | - | 01 पद |
| (v) | सहायक महाप्रबंधक | - | 01 पद |
| (vi) | सहायक प्रबंधक | - | 02 पद |
| (vii) | पीए/जीए (ग्रेड III) | - | 04 पद |
| (viii) | पीए/जीए (ग्रेड II) | - | 03 पद |
| (ix) | पीए/जीए (ग्रेड I) | - | 03 पद |
| (x) | वरिष्ठ निजी सचिव | - | 03 पद |
| (xi) | निजी सचिव | - | 01 पद |

तदनुसार, इच्छुक और योग्य अधिकारी रोजगार समाचार में विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंदर उचित चैनल के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते हैं।

CBC 07122/11/0003/2627

### आईईएस यूनिवर्सिटी में अभियंता दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम

**भोपाल।** आईईएस यूनिवर्सिटी एवं आईईएस कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में अभियंता दिवस के अवसर पर आईईएस कैंपस में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. एस.सी. चौबे, डायरेक्टर, यूआईटी आरजीपीवी शिवपुरी, इंजीनियर बी.एस. यादव, चांसलर आईईएस यूनिवर्सिटी, डॉ. राकेश के. आर्य, डायरेक्टर आईआईसीए तथा राम कुमार, सीएसआईआर-एम्री, के आतिथ्य में हुआ। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को भारतरत्न एवं महान अभियंता मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जीवन और उपलब्धियों से परिचित कराया तथा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग के साथ व्यावहारिक शिक्षा, नवाचार और तकनीकी कौशल पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने समाज और राष्ट्र के विकास में इंजीनियरों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्रो. आरसी माहेश्वरी, डीन आईईएस यूनिवर्सिटी ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी संभाग क्रमांक-2,
लोक निर्माण विभाग, ई-5, अरेरा कालोनी,
भोपाल दूरभाष -0755 2465467

क्रमांक 06/व.ले.लि./सी.2/2026-27 भोपाल, दिनांक 15.09.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न लिखित कार्यों हेतु मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पंजीयन के तहत पंजीकृत निविदाकारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

| क्र. | एन.आई.टी. क्र. | सिस्टम टेन्डर नं. | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाखों में) | अमानत राशि | निविदा प्रपत्र का मूल्य | भौतिक रूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 28/SAC dt 11.09.2026 | 2026_CPA_536129_1 | वल्लभ भवन भोपाल में मंत्रालय वल्लभ भवन 2, 3 एम.एल.सी.पी., पुलिस बैरक, रिकार्ड रूम, का फायर फाईटिंग सिस्टम का ऑपरेशन एवं मेन्टेनन्स संबंधी कॉम्प्रहेन्सीव कॉन्ट्राक्ट का कार्य. (द्वितीय आमत्रण) | रू. 230.75 लाख (रू. दो करोड़ तीस लाख पिचहत्तर हजार) | रु. 2,30,750/- | रू.. 15,000/- | केवल ऑनलाईन प्रस्तुत करना है |

उपरोक्त वेबसाईट से ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेन्डर डोक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड एवं ऑनलाईन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 29/09/2026 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री,
राजधानी संभाग क्रमांक-2 लोक निर्माण विभाग,
ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल दूरभाष 0755 2465467

जी - 18681/26 स्वच्छता ही सेवा

## पेज एक का शेष...

### पीएम की कार्यशैली...

परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। दुनिया की राजनीति में कहां मौन रहना है, कहां अपनी बात स्पष्ट रूप से रखनी है और कहां दृढ़ता के साथ भारत के हितों की रक्षा करनी है। इसका संतुलन प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी विदेश नीति में लगातार प्रदर्शित किया है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत किया है। आज भारत विश्व राजनीति में एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। अमेरिका और रूस जैसे देशों के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखना हो, पश्चिम एशिया में भारत के हितों की रक्षा करनी हो या रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे जटिल अंतरराष्ट्रीय विषयों पर शांति और संवाद का पक्ष रखना हो, प्रधानमंत्री ने भारतीय दृष्टिकोण को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी रही है कि संकट के समय भारत ने केवल अपने नागरिकों की ही चिंता नहीं की, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व को भी निभाया। कोरोना महामारी के कठिन दौर में भारत ने जिस प्रकार अपने नागरिकों की सुरक्षा और जरूरतों का ध्यान रखा, वह अभूतपूर्व था। श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर तुर्किए तक, जब भी आवश्यकता पड़ी, भारत ने सहायता का हाथ बढ़ाया।

### वैश्विक दक्षिण की...

पश्चिम-विरोधी गुट के रूप में नहीं, बल्कि एक समावेशी और सुधारात्मक बहुपक्षीय मंच के रूप में कार्य करता है।

### भारत की सबसे ....

आरक्षण कानून ने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम रखा है।'लखपति दीदी' अभियान के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मोदी जी के प्रयासों से अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ने करोड़ों भारतीयों की आस्था और सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा दी। इसी प्रकार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने का निर्णय राष्ट्रीय एकता और अखंडता की दृष्टि से ऐतिहासिक माना गया।'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री ने देश के सामान्य नागरिकों से सीधे संवाद की एक अनूठी परंपरा विकसित की।

### प्रदेशभर में आज ...

बजे प्रदेशभर में बूथ, मंडल, वार्ड स्तर तक कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। इसके साथ सरकारी योजनाओं के लाभार्थी परिवारों और संस्थाओं को भी आयोजन से जोड़ा जाएगा। दीप प्रज्ज्वलन के लिए पीएम आवास योजना की कॉलोनियां और मोहल्ले, अमृत सरोवर, जल संरचनाएं, नवनिर्मित पुल-बांध, जन-औषधि केंद्र, आयुष्मान सूचीबद्ध अस्पताल, एक्स-रे केंद्र, स्कूल, कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थान भी चिन्हित किए गए हैं।

### उज्जैन में 22,500 ...

सेक्टरों और 250 सब सेक्टरों में बांटा गया है। घाटों पर 11000 ब्लॉक बनाए जा रहे हैं। प्रत्येक ब्लॉक में 225 दीप सजाए जाएंगे। हर ब्लॉक पर 2 वॉलिंटियर्स रहेंगे। बारिश की संभावना को देखते हुए प्लान-बी भी तैयार है। आपात स्थिति के लिए हर सेक्टर में मेडिकल टीमें, एंबुलेंस और बड़ी स्क्रीनें लगाई जा रही हैं।

### नवीन के ऐतिहासिक ....

नवीन राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार मध्यप्रदेश आ रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं और ऐतिहासिक स्वागत की तैयारी में जुटे हैं। इंदौर और उज्जैन में आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता कर 'सेवा संकल्प अभियान' में शामिल होंगे।

### मप्र में आज...

किए गए हैं। अब तक 41,568 ग्रामों में कुल 68.47 लाख अधिकार अभिलेखों का निर्माण किया गया है। योजना के तहत लगभग 50 लाख निजी संपत्तियों के अधिकार अभिलेखों का निःशुल्क पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के लिए नागरिकों से स्टांप ड्यूटी अथवा पंजीयन शुल्क नहीं लिया जाएगा।

### ऋण उपलब्ध कराने ....

आयोजित होंगे। प्रथम चरण 17 से 19 सितंबर, द्वितीय चरण 24 से 26 सितंबर और तृतीय चरण 1 से 3 अक्टूबर तक होगा। शिविर की सूचना संबंधित जिलों की ओर से हितग्राहियों को दी जाएगी।

### मोदी सरकार ने दिया ...

व्यवस्था को पूरी तरह से ऑनलाइन और कागजरहित (पेपरलेस) बनाया गया है। सुविधा का लाभ उठाने के लिए पात्र लाभार्थियों को भारतीय रेलवे रियायत कार्ड पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। ऑनलाइन सत्यापन पूरा होने के बाद ई-पास जारी किए जाएंगे, जिसके आधार पर आईआरसीटीसी वेबसाइट से फर्स्ट क्लास, सेकेंड एसी (2एसी) और एसी चेयर कार के टिकट बुक हो सकेंगे। जवान के साथ एक सहयोगी (कंपैनियन) भी मुफ्त यात्रा कर सकेगा।

### झीरम घाटी हमला ...

काफिले पर झीरम घाटी में नक्सलियों ने भीषण हमला किया था। इस नरसंहार में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, बस्तर टाइगर महेंद्र कर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल और उदय मुदलियार समेत 27 नेताओं, कार्यकर्ताओं व सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 101 गवाहों के बयान दर्ज कराए। ट्रायल के दौरान एक आरोपी की मौत हो गई थी, जिसके बाद 10 आरोपियों पर फैसला आया। सजा पाने वाले दोषियों के पास अब (हाईकोर्ट) में अपील करने के लिए 30 दिन का कानूनी समय उपलब्ध है।

### मप्र में स्कूल शिक्षा ...

विभिन्न योजनाएं भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। साइकिल, स्कूटी, लैपटॉप, गणवेश और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को आर्थिक संबल प्रदान कर शिक्षा के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इन योजनाओं ने विद्यार्थियों की स्कूल तक पहुंच बढ़ाने के साथ ही उन्हें पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया है। इन योजनाओं से विद्यार्थियों का शासकीय स्कूलों के प्रति रुझान बढ़ा है।

### साइकिल योजना से ..

से अधिक की राशि व्यय की गई हैं। पिछले वर्षों में हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी के परीक्षा परिणामों में सुधार दर्ज किया गया है। हाई स्कूल स्तर पर वर्ष 2025-26 में परीक्षा परिणाम 73.42 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार हायर सेकंडरी में वर्ष 2025-26 में परीक्षा परिणाम 76.01 प्रतिशत रहा।

## पेज तीन का शेष...

### रमन बोले. ...

प्रभार में भी थे, उस समय भी मिलने का अवसर मिला।

- जब नरेंद्र मोदी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया गया, तब आपकी पहली प्रतिक्रिया आपके आसपास की क्या थी?
- मैं उस समय तक संगठन के राष्ट्रीय दायित्व में नहीं था, मगर वह घटना पूरे देश में चर्चा का विषय रही कि पहली बार इस प्रकार का दायित्व सौंपा गया। कोई महामंत्री संगठन राजनीतिक दृष्टि से मुख्यमंत्री बन जाए, क्योंकि गुजरात की चुनौती बड़ी थी, और बड़ी चुनौती को संभालने के लिए एक मजबूत, दृढ़ निश्चयी व्यक्ति की जरूरत थी। उस समय संगठन ने सही व्यक्ति का चुनाव किया, जो उस झंझावातों से उस गुजरात को आगे निकालने और विकास की दिशा में ले जाए तो मुझे लगता है कि वह निर्णय उस समय के नेतृत्व ने जो किया, वह बड़ा निर्णय था और उसका नतीजा भी देखने को मिला देश को।
- पर जब आप मुख्यमंत्री बने तो नरेंद्र मोदी के साथ आपका मिलना-जुलना शुरू हुआ होगा, क्या देखते थे आप उस समय?
- उस समय से ही हमारी मुलाकात, बातचीत होती थी और कई बार उनसे लंबी चर्चा भी होती थी, और मुझे लगता है कि हमारे भाजपा के शासित राज्य कम थे। कांग्रेस सरकार और कांग्रेस की जो नीतियां थीं, उसका विरोध प्रधानमंत्री की बैठक में किस प्रकार किया जाना है, नीतियों में जो भाजपा के साथ उपेक्षा का भाव हो रहा है, उसमें मोदीजी का नेतृत्व सामने झलकता था, और वे उस जवाबदारी को संभालते थे कि आज किस बिंदु पर मनमोहन सरकार पर हमको अटैक करना है, बैठक के दौरान हमको किस-किस बात पर चर्चा करनी है। इसमें सबसे तेजी के साथ वसुंधरा राजे थीं, नरेंद्र मोदी थे और हमारे वरिष्ठ मुख्यमंत्री थे, मगर मोदीजी की भूमिका निर्णायक होती थी।
- नरेंद्र मोदी से नेता के तौर पर प्रभावित होने का अवसर कब आया? आपको लगा कि नेता हो तो नरेंद्र मोदी जैसा?
- नहीं, देखिए, नरेंद्र मोदीजी के व्यक्तित्व का विकास उनकी संघर्षशीलता में ही दिखता था, और जब एक बड़ी चुनौती को स्वीकार किया, उस समय से डॉ. रमन को यह महसूस होने लगा कि आने वाले समय में वे पीएम होंगे। उसके बाद तो हम लोग मिलते रहे, कई बार उनको छत्तीसगढ़ हमने बुलाया, कई कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ आए, कई विषयों को लेकर हम गुजरात भी गए।
- बड़ी त्रासदी थी भुज का भूकंप तो भुज में जिस तरीके से उन्होंने उस मामले को डील किया, उससे आप बड़े प्रभावित हुए? उस समय मोदीजी से कोई बातचीत होती थी आपकी?
- बिल्कुल होती थी और बात करते थे। बड़ी घटनाएं होती थीं, उस समय वे हिम्मत दिलाते थे और बोलते थे कि यह लड़ाई का एक हिस्सा है, एक फेज है। इसमें पीछे नहीं हटना है, घबराने की जरूरत नहीं है, और वो तो ये भी बोलते थे कि देश की सबसे बड़ी लड़ाई आप लड़ रहे हो, हम सब आपके साथ हैं। नक्सलवाद उस समय देश की सबसे बड़ी समस्या थी, देश-दुनिया में एक समस्या के रूप में थी। उस समस्या से जूझने के लिए जब भी हम लोग बैठते थे और प्रधानमंत्री की बैठक में बैठते थे, हमारे मुख्यमंत्रियों की बैठक हमारे संगठन के लोग करते थे और विषय जब आता था तो नक्सल पर मुझे ही बोलना रहता था, पर वे उस विषय को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे और छत्तीसगढ़ के योजनाओं का अध्ययन उनको था। जैसे ही हमने चावल की योजना शुरू की, मैंने फोन लगाया मोदीजी को, कि एक हम नई योजना शुरू कर रहे हैं, गरीबों के लिए चावल की योजना। तुरंत वे बोले कि बहुत अच्छी योजना है और उसका क्रियान्वयन कैसे होता है, यह देखना है और उनकी निगाह हमेशा रहती थी कि योजना तो आप बनाओ, मगर 100% उस योजना को फुलप्रूफ बनाओ।
- आप 2003 में मुख्यमंत्री बने, 2004 में पार्टी हार गई लोकसभा का चुनाव। फिर 2009 आया, लालकृष्ण आडवाणीजी को चेहरा बनाया, बड़ी उम्मीद आप लोगों ने बांधी, फिर हार गए तो उसके बाद मोदीजी पर दांव लगाएं, यह पार्टी ने तय किया?
- उस घटना का मैं गवाह हूं। जब राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक हो रही थी और उस बैठक में यह निर्णय किया जा रहा था कि चेहरा कौन होगा प्रधानमंत्री का या चुनाव का प्रभारी, संचालन कौन करेगा? अभियान समिति का प्रमुख कौन होगा, इस बात के लिए चर्चा हो रही थी, मगर एक चीज, मैं उस अभियान समिति में, कार्यसमिति में, बैठक में देखता था, सबसे मिलता रहता था, तो उस समय भी कोई वोटिंग हमारे यहां होती नहीं, मतदान होता नहीं कि किसी से वह किया है, राय ली जाती है, मगर जब मैं 80-90 प्रतिशत वरिष्ठ लोगों से और नए लोगों से, हमारे साथियों से पूछता था, एकमतेन सबके मुंह में, जुबान में यह बात रहती थी कि नेतृत्व चुनाव अभियान समिति में, मोदीजी को देने से बहुत अच्छा रिजल्ट आएगा और इनको दिया जाना चाहिए। विरले लोग ही थे, जो इनके विरोध में थे और एक प्रकार से वातावरण का निर्माण, राजनाथ सिंह शायद राष्ट्रीय अध्यक्ष थे।
- जब रायशुमारी हो रही थी तो आपने कहा, मैं भी बात कर रहा था, पर आपसे भी तो राय ली गई होगी तो रमन सिंह की राय क्या थी?
- मुझसे भी राय ली गई और स्पष्ट रूप से राय ली गई, तो मैंने कहा, यह बेहतर चेहरा है, इससे बेहतर चेहरा कोई हो नहीं सकता। और मैं ही नहीं सहमत था, बहुत लोग हमारे साथ, अधिकांश लोग इससे सहमत थे। इसके बाद फैसला लिया गया, प्रधानमंत्री के संदर्भ में चेहरा नरेंद्र मोदी होंगे, क्योंकि चुनाव अभियान समिति की कमान पार्टी ने उन्हें दे दी।
- आपका सबसे कठिन चुनाव था 2013 विधानसभा का। झीरम जैसा हादसा हो गया था। उस चुनौती के बीच में आपने चुनाव लड़ा?
- छत्तीसगढ़ के 2013 के चुनाव में जो भूमिका, जैसे हम चुनाव को अलग-अलग देखे, तीन का चुनाव हुए, आठ का चुनाव हुआ, 13 का चुनाव हुआ। इन चुनावों में अलग-अलग भूमिकाओं में, वो चाहे लोकसभा और विधानसभा, एक साथ आगे-पीछे ही चलते हैं। 6 महीने 7 महीने का फर्क आता है। उस समय से हम लगातार हर चुनाव में देख रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में लोगों को प्रभावित करने की दृष्टि से और किसे आमंत्रित किया जाए तो उस समय से हमको यह लगता था कि आम कार्यकर्ता और लोगों का निगाह में यदि कोई एक चेहरा सबसे प्रमुखता से आता है तो वो नरेंद्र मोदी का नाम आता था।
- तो कितनी मशक्कत करनी पड़ती थी आपको नरेंद्र मोदी को बुलाने में? वे तो प्रधानमंत्री का चेहरा हो गए थे।
- बहुत आसान।
- आपके मुख्यमंत्री रहते, नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री हुए। जब वे मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री हो गए, क्या बदलाव देखा आपने नरेंद्र मोदी में?
- देखिए, मुख्यमंत्री थे तो बहुत समय रहता था, बातें बहुत होती थीं, चर्चा भी हम लोग काफी कर लेते थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी व्यस्तता को हम लोग देखते रहे कि किस प्रकार वे व्यस्त हैं, किस प्रकार पूरे देश में घूम रहे हैं, तो उनके स्वभाव में कोई फर्क तो नहीं आया, मगर उनकी व्यस्तता इतनी बढ़ गई कि वे इतनी जल्दी उपलब्ध नहीं हो पाते हैं। यह बात समझ में आती है कि एक आदमी जब बड़े दायित्व में जाता है तो वैसा समय नहीं मिल पाता।

### सेवा और संकल्प...

प्रधानमंत्री आवास योजना ने करोड़ों परिवारों को पक्की छत प्रदान की और आयुष्मान भारत ने देश के हर नागरिक को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज का सुरक्षा कवच दिया। छत्तीसगढ़ एक जनजातीय बहुल राज्य है और एक जनजातीय समाज के प्रतिनिधि के रूप में मैं व्यक्तिगत रूप से इस बात का साक्षी हूं कि प्रधानमंत्री जी ने जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए जो कार्य किए हैं, वे अभूतपूर्व हैं। इनका असर सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों में दिख रहा है। आजादी के सात दशकों बाद देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आदरणीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी विराजमान हैं। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का ऐतिहासिक निर्णय हो या देश के विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों के लिए पीएम-जनमन योजना की शुरुआत। पीएम मोदी ने जनजातीय समाज की संस्कृति, कला और अधिकारों को संरक्षित करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से देश के जनजातीय बहुल गांवों में बुनियादी सुविधाओं का समग्र विकास किया जा रहा है।

### ईपीएफओ वेतन सीमा...

अनुसार भविष्य निधि बचत, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत पेंशन सुरक्षा और कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा योजना (ईडीएलआई) के तहत बीमा सुरक्षा तक पहुंच का विस्तार होगा। यह वैधानिक योगदान और पेंशनयोग्य-वेतन संरचना को मौजूदा वेतन स्तरों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने में भी सक्षम करेगा। नवीनतम ईपीएफओ डेटा लगभग 7.68 लाख योगदान देने वाले प्रतिष्ठानों में लगभग 7.98 करोड़ योगदान देने वाले सदस्यों को दर्शाता है, जबकि ईपीएस लगभग 82 लाख पेंशनभोगियों को पेंशन लाभ प्रदान करता है।

### चार महिला मजदूरों ...

भरभराकर गिर गई। दीवार के मलबे में मजदूर दब गए। जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर रेस्क्यू शुरू किया गया। भवन मालिक पर केस दर्ज किया गया है।

### इंदौर से एसडीआरएफ....

पर मौजूद था। दिनेश जैन 'जैन बस' नाम से ट्रांसपोर्ट का कारोबार करता है। मकान काफी पुराना और जर्जर था तथा उसमें कोई नहीं रहता था। बचाव अभियान के दौरान मलबे से तीन शव निकाले गए। बाद में पुलिस ने चार महिलाओं की मौत की पुष्टि की।

### 17 से 19 ...

का उद्घाटन सत्र 18 सितंबर को होगा, जिसमें आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत शामिल होंगे। वहीं 19 सितंबर को समापन समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। आयोजन में धर्म, शिक्षा, संस्कृति, आस्था, कृषि और तकनीक सहित विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे।

### मिसाइलें चलती थी...

ने कहा कि मिसाइल चलती थी, मिसाइल चलती रहेगी। जहां-जहां आतंकवाद के कैंप रहेंगे, जहां-जहां भारत विरोधी कैंप रहेंगे, वहां भारत की मिसाइल तैयार है। मैं कल भी अपने बयान पर कायम था, आज भी हूं। शर्मा ने कहा कि भारत में कुछ लोग जिन्ना की विचारधारा वाले हैं और उन्हें भारत की ताकत तथा मिसाइलों का डर है। भाजपा विधायक ने ओवैसी को मप्र की सभी 230 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि इससे पता चल जाएगा कि प्रदेश में कौन उनके साथ है और कौन उनका सहयोग करता है।

### महिला की मौत...

संगठन के नेता और सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर के मुताबिक केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवार नदी में 'जिंदा चिता' बनाकर धरना दे रहे हैं। विकास परियोजनाओं का विरोध नहीं बल्कि ग्रामसभा की भूमिका, पारदर्शी प्रक्रिया और उचित पुनर्वास की मांग की है।

### लाठी-गोली खाएंगे, ...

इनमें साधु-संतों के साथ महिलाएं और बच्चे भी मौजूद रहे। मंच से 'लाठी-गोली खाएंगे, मंदिर यहीं बनाएंगे' जैसे नारे भी लगाए गए।

### जवाब मिला-एक ...

विद्वानों शिवराज के बीच बात भी हुई। शिवराज ने कहा- एक मुख्यमंत्री की घोषणा दूसरे मुख्यमंत्री को पूरी करनी चाहिए।

### 'पठान' के गाने ...

उनके सहज अभिनय, अद्भुत प्रतिभा और शानदार काम ने भारतीय सिनेमा खासकर कन्नड़ सिनेमा पर गहरी छाप छोड़ी है। केजीएफ एक्टर अनंत नाग ने 'पठान' के गाने 'बेशरम रंग' पर मचे बवाल पर अनंत नाग ने कहा है कि भारतीय सिनेमा को महिलाओं को इस तरह दिखाना बंद करना चाहिए क्योंकि यह हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं है।

### पद्म भूषण से...

निभाए हैं। गंभीर भूमिकाओं से लेकर सहज और पारिवारिक किरदारों तक, उन्होंने हर भूमिका में अपनी अभिनय क्षमता साबित की। अनंत ने अपने करियर में 300 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है, जिनमें 250 से ज्यादा कन्नड़ फिल्में शामिल हैं। वे आरके नारायण की कहानियों पर बने दूरदर्शन सीरियल 'मालगुडी डेज' में भी नजर आए थे।

**CHANGE OF NAME**

I, hitherto Known as GAURAV RATHOR S/O RAJESH RATHOR R/O SIKARPUR, VTC : MORENA, PO : MORENA, DIST : MORENA , MADHYA PRADESH -476001, have changed my name and shall hereafter be known as GOURAV RATHORE.

**CHANGE OF NAME**

I, hitherto Known Rishikesh S/O: Lokendra, R/O anibhadur ka pura, Dhanela, Morena, Madhya Pradesh - 476444 , have changed my name and shall hereafter be known as RISHIRAJ.

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड
उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना
आम/कोर्ट नोटिस

**आवश्यक सूचना**

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

- व्यावस्थापक

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

**बेचना है**

बेचना है- बिलासपुर (सकरी मेन रोड से वाकिंग डिस्टेंस) इन्वेस्टर्स हेतु मकान बनाकर बेचने का अवसर सभी साइजों में डायवर्टेड आवासीय प्लॉट सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित सम्पर्क करें- 7898855268 (RO-41750)
02/09/26 to 05/10/26

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@ Rs.1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू
बुकिंग के लिए संपर्क करें।
मो. 9977912473

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी
44 वर्षो का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M. 9425006131, 8871714432
सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

फाईनेंस सुविधा उपलब्ध है
प्लॉट मात्र 16 लाख में
T&C
साईड 220 फीट न्यू जेल रोड, संमीप
मो. 8962979924, 9755905247


### शब्द पहेली - 6350

**बाएँ से दाएँ**

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

**ऊपर से नीचे**

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

**शब्द पहेली- 6349 का हल**

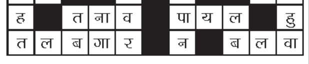

### सूडोकु नवताल- 6360

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 6 | | 3 | | 8 | 9 | | 7 |
| | 1 | | 9 | | 6 | | 5 | 4 |
| | | | | | | 8 | | |
| | 4 | | 5 | | | | 8 | |
| 2 | | 5 | | 4 | | 6 | | 1 |
| | 3 | | | | 1 | | 7 | |
| | | 3 | | | | | | |
| 5 | 9 | | 7 | | 2 | | 6 | |
| 7 | | 6 | 4 | | 3 | | 9 | 2 |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल- 6359 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 7 | 2 | 3 | 8 | 4 | 1 | 9 | 6 |
| 8 | 6 | 1 | 9 | 2 | 5 | 7 | 3 | 4 |
| 3 | 9 | 4 | 1 | 6 | 7 | 5 | 8 | 2 |
| 2 | 5 | 7 | 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 9 |
| 4 | 8 | 6 | 5 | 9 | 2 | 3 | 7 | 1 |
| 1 | 3 | 9 | 6 | 7 | 8 | 4 | 2 | 5 |
| 6 | 2 | 3 | 7 | 4 | 1 | 9 | 5 | 8 |
| 9 | 4 | 5 | 8 | 3 | 6 | 2 | 1 | 7 |
| 7 | 1 | 8 | 2 | 5 | 9 | 6 | 4 | 3 |

## राशिफल

**मेष** आज आपकी राशि में सूर्य, बुध, मंगल आदि ग्रहों का प्रभाव है। नई योजनाओं पर अमल करें, लेकिन जल्दबाजी से बचें। खरीदारी से खुशी मिलेगी।

**वृष** संपति या खरीदारी संबंधी फैसले फायदेमंद साबित होंगे। परिवार के साथ समय बिताएं, रोमांस में मिठास आएगी।

**मिथुन** संचार और विचारों में तेजी आएगी। नए संपर्क बनेंगे, लेकिन निर्णय लेते समय सावधानी बरतें। यात्रा या छोटे कामों में सफलता मिल सकती है।

**कर्क** आज आंतरिक शांति और भावनात्मक संतुलन पर जोर रहेगा। परिवार से संबंध मजबूत होंगे। करियर में थोड़ी चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन धैर्य रखें।

**सिंह** ऊर्जा और आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नेतृत्व के अवसर मिलेंगे। करियर में प्रगति संभव, लेकिन टीम वर्क पर ध्यान दें। प्रेम में रोमांस फलेगा।

**कन्या** व्यवस्थित दिन रहेगा। काम की बारीकियों पर फोकस करें, सफलता मिलेगी। वित्तीय मामलों में सावधानी बरतें। प्रेम में समझदारी दिखाएं।

**तुला** धन संबंधी फैसले सकारात्मक रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें। सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

**वृश्चिक** गहन विचार और रहस्यों में रुचि बढ़ेगी। वित्तीय मामलों में सतर्क रहें, लेकिन निवेश के अवसर मिल सकते हैं। प्रेम में गहराई आएगी।

**धनु** करियर में प्रगति, लेकिन योजना बनाकर आगे बढ़ें। धन लाभ संभव। प्रेम जीवन आनंदमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा, लेकिन अति सक्रियता से बचें।

**मकर** व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं। धन का प्रबंधन अच्छा करें। स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन ठंड या थकान से सावधान रहें। दीर्घकालिक योजनाएं बनाएं।

**कुंभ** करियर में अप्रत्याशित अवसर आ सकते हैं। प्रेम में रोमांच रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य, लेकिन मानसिक शांति बनाए रखें। दोस्तों से मदद मिलेगी।

**मीन** भावनात्मक गहराई आज बढ़ेगी। आध्यात्मिक रुचि बढ़ सकती है। करियर में सावधानी बरतें, छोटी चुनौतियां आ सकती हैं। धन पर नियंत्रण रखें।

## चिंतन

# एमडीआर का बोझ तो ग्राहक पर ही पड़ेगा

यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त लागत का सवाल केवल व्यापारियों की चिंता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर बाजार, कीमतों और अंततः आम ग्राहक की जेब पर ही पड़ने वाला है। यही वजह है कि मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर को लेकर उठी आशंकाओं को गंभीरता से समझने की जरूरत है। नियम चाहे कुछ भी कहें कि एमडीआर सीधे ग्राहक से नहीं वसूला जाएगा, लेकिन बाजार की हकीकत इससे अलग होती है। कारोबारी की लागत बढ़ती है तो वह उसे लंबे समय तक अपनी जेब से नहीं भरता। उसका असर किसी न किसी रूप में वस्तु की कीमत, छूट, मार्जिन या सेवा शुल्क में दिखाई देता है। व्यापारी या तो अपना मार्जिन घटाता है या ग्राहक को मिलने वाली छूट कम करता है। अंततः अतिरिक्त बोझ ग्राहक को भुगतना होता है। त्योहारी मौसम में इसका असर और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। इस समय बाजार में खरीदारी बढ़ती है और दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान वाले लेनदेन भी सामान्य होते हैं। यदि ऐसे भुगतान व्यापारियों के लिए महंगे होते हैं तो वे लागत कम करने के लिए दूसरे विकल्प तलाशेंगे। दिल्ली के विभिन्न बाजार संगठनों से सामने आई प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि कुछ व्यापारी नकद भुगतान को बढ़ावा देने पर विचार कर रहे हैं। यह स्थिति डिजिटल इंडिया की उस दिशा के विपरीत होगी, जिसमें कम नकद और अधिक डिजिटल भुगतान की संस्कृति विकसित करने पर लगातार जोर दिया गया है। वहीं, सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि यह फैसला वापस नहीं लिया जाएगा। त्योहारी सीजन में यदि बड़ी संख्या में ग्राहक डिजिटल भुगतान के बजाय नकद का इस्तेमाल करने लगे तो बैंकों और एटीएम पर दबाव बढ़ेगा। पर्याप्त नकदी उपलब्ध नहीं हुई तो ग्राहकों को परेशानी होगी। बाजार में भुगतान का प्रवाह भी प्रभावित हो सकता है। सबसे बड़ी चिंता यह होगी कि कहीं ऐसी स्थिति डिजिटल भुगतान की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े न कर दे। जिस यूपीआई को सुविधा और भरोसे का पर्याय बनाया गया है, उसके इस्तेमाल में लागत का सवाल लोगों को फिर से नकद की ओर धकेल सकता है। व्यापारियों की परेशानी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कम मार्जिन पर काम करने वाले छोटे और मध्यम दुकानदारों के लिए हर लेनदेन पर लगने वाली छोटी लागत भी महीने और साल के हिसाब से बड़ा खर्च बन सकती है। व्यापारी पहले से कार्ड भुगतान और अन्य लेनदेन शुल्क की शिकायत करते रहे हैं। ऐसे में नई लागत को लेकर उनकी चिंता स्वाभाविक है। सरकार और भुगतान व्यवस्था से जुड़े संस्थानों के सामने चुनौती यही है कि डिजिटल भुगतान की रफ्तार भी बनी रहे और व्यापारियों पर अनावश्यक लागत का दबाव भी न पड़े। इसका समाधान ऐसा होना चाहिए, जिसमें ग्राहक, व्यापारी और डिजिटल भुगतान व्यवस्था तीनों के हितों का संतुलन हो। यदि भुगतान की लागत बढ़ती है और व्यापारी नकद की ओर लौटने लगते हैं तो इसका असर केवल दुकानदार तक सीमित नहीं रहेगा। कीमतों पर दबाव बढ़ेगा, ग्राहक की जेब प्रभावित होगी और डिजिटल अर्थव्यवस्था की गति भी धीमी पड़ सकती है। इसलिए एमडीआर को लेकर फैसला करते समय केवल शुल्क की वसूली नहीं, उसके पूरे बाजार प्रभाव को देखना होगा। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की नीति तभी सफल होगी, जब वह व्यापारी और ग्राहक दोनों के लिए सुविधाजनक और आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनी रहे।

पड़ोस
प्रो. डॉ. मनोज दयाल

# भारत-चीन साझेदारी का नया अध्याय

> एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंदिता नहीं, कोलैबोरेशन है| पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर 'प्रतिद्वंदिता' के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। यदि यह साझेदारी ईमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है।

जब वाशिंगटन टैरिफ की दीवारें खड़ी कर रहा हो, तब नई दिल्ली और बीजिंग के बीच पुल बनना केवल दो देशों की घटना नहीं, बल्कि विश्व व्यवस्था के बदलने का संकेत है। भारत और चीन के बीच हाल ही में बनी सार्थक सहमति इसी बदलाव का नाम है। यह सहमति महज एक कूटनीतिक दस्तावेज नहीं, बल्कि एशियाई शताब्दी का घोषणापत्र है।

एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंदिता नहीं, कोलैबोरेशन है। पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर 'प्रतिद्वंदिता' के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ - इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। पर सच क्या है? टकराव से किसका भला हुआ? सैनिक तैनाती बढ़ी, खर्च बढ़ा, पर विकास की रफ्तार थमी। अब दोनों देशों को यह समझ आ गया है कि 21वीं सदी की चुनौतियां-जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन एनर्जी, रोजगार का संकट - ऐसी हैं जिनका सामना अकेले नहीं किया जा सकता। यदि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब है, तो चीन सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब। यदि भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है, तो चीन में हार्डवेयर की ताकत है। कोलैबोरेशन होगा तो भारत की बनी दवाएं और सॉफ्टवेयर चीन के बाजार में जाएंगी, चीन की सोलर तकनीक भारत में सस्ती बिजली लाएगी। कोऑपरेशन होगा तो एशिया की सप्लाई चेन मजबूत होगी। परंतु प्रतिद्वंद्विता में दोनों थकेंगे और फायदा वाशिंगटन और यूरोप ले जाएंगे। सहयोग में दोनों जीतेंगे और एशिया जीतेगा। यही वक्त की पुकार है और इस नई सहमति ने उसी पुकार को सुना है। अब भारत अपनी धरती से चीन विरोधी साजिश नहीं होने देगा।

इस समझौते का सबसे परिपक्व और सबसे शक्तिशाली संदेश भारत की ओर से आया है - भारत अपनी जमीन से किसी भी तीसरे देश को चीन विरोधी गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं देगा। यह एक लाइन नहीं, भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का घोषणापत्र है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन में दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे निचले स्तर से ऊपर उठे हैं और 'रीस्टार्ट' (फिर से शुरुआत) से 'नई ऊंचाई' की ओर बढ़े हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्र लगातार बढ़ रहे हैं, व्यापार की मात्रा रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान अधिक गतिशील हो रहा है। दुनिया जानती है कि कई पश्चिमी शक्तियां चाहती हैं कि भारत को चीन के खिलाफ एक फ्रंटलाइन स्टेट बना दिया जाए, एक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जाए। भारत ने स्पष्ट कर दिया - हम किसी के मोहरे नहीं हैं। हम किसी के कहने पर न दोस्ती करते हैं, न दुश्मनी। भारत ने चीन को भरोसा दिया है कि दलाई लामा से लेकर किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर भारत की धरती का दुरुपयोग नहीं होगा। बदले में भारत को उम्मीद है कि चीन भी पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों में भारत के

कोर इंटरेस्ट का ख्याल रखेगा। यह बराबरी की बात है, झुकाव की नहीं। यह भारत के विश्वगुरु बनने की दिशा में एक आत्मविश्वासी कदम है। भारत की ओर शांति शांति है, पर सतर्कता में रत्ती भर ढील नहीं है।

कुछ लोग इस समझौते को 1962 से पहले वाली भावुकता समझ रहे हैं। उन्हें समझना चाहिए - यह 2026 का भारत है। हां, यह सच है कि सीमा पर सैनिकों की संख्या कम हुई है, गश्त के नियम तय हुए हैं, बफर जोन पर सहमति बनी है और एलएसी पर तनाव घटा है। यह स्वागत योग्य है, क्योंकि इससे हर साल हजारों करोड़ रुपये का सैनिक खर्च बचेगा और जवानों को राहत मिलेगी। पर इसका अर्थ यह कतई नहीं कि भारत ने आंखें मूंद ली हैं। पिछले चार सालों में भारत ने सीमा पर जो किया है, वह 70 सालों में नहीं हुआ - ऑल वेदर रोड, सुरंगें, नए एयरफील्ड, सैटेलाइट निगरानी और सेना का आधुनिकीकरण। वह सब जारी रहेगा, और तेज होगा। हमारी नीति साफ है - बातचीत भी, तैयारी भी। विश्वास भी, सत्यापन भी। हम हाथ बढ़ा रहे हैं, पर हाथ में लाठी रखना नहीं भूल रहे। हम गले भी मिल रहे हैं, पर आंखें खोलकर। यह चाणक्य नीति है, और यही असली कूटनीति है। शांति की पहल हो, पर सुरक्षा से कोई समझौता नहीं। अब यह भारत, चीन, रूस विरोधी अमेरिकी तानाशाही में और भी अधिक प्रासंगिक है। इस समझौते की टाइमिंग को समझिए। यह तब आया है जब अमेरिका अपनी टैरिफ नीति से पूरी दुनिया को परेशान कर रहा है। अमेरिका ने भारत के स्टील, एल्युमिनियम और फार्मा उत्पादों पर भारी टैरिफ लगा दिया है। चीन पर तो 100 प्रतिशत से अधिक ड्यूटी थोप दी गई है। रूस पर प्रतिबंध हैं। अमेरिका डॉलर और अपनी तकनीक को हथियार बनाकर पूरी दुनिया को अपनी शर्तों पर व्यापार करने को मजबूर करना चाहता है।

ऐसे में भारत और चीन के पास दो ही रास्ते हैं - या तो अलग-अलग रहकर अमेरिका की मनमानी सहते रहें, या एक साथ आकर अपना खुद का रास्ता बनाएं और समझदार देश दूसरा रास्ता चुनते हैं। यदि भारत और चीन आपस में व्यापार बढ़ाते हैं, अपनी मुद्रा में कारोबार करते हैं, ब्रिक्स और एससीओ को मजबूत करते हैं, तो अमेरिका की टैरिफ की दीवार अपने आप बेमानी हो जाएगी। जब वाशिंगटन बाजार बंद करेगा, तो नई दिल्ली और बीजिंग एक-दूसरे के लिए बाजार खोल देंगे। इसलिए यह समझौता केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि वैश्विक दक्षिण की एकजुटता का प्रतीक है। यह अमेरिका को सीधा संदेश है - एशिया अब तुम्हारी टैरिफ धमकियों से नहीं डरेगा। एशिया अपना भविष्य खुद लिखेगा। अब यह प्रश्न बार-बार उठ रहा है कि क्या फिर से 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' का युग लौटेगा? 1954 में नारा लगा था - हिंदी-चीनी भाई-भाई। वह नारा भावुकता में लगा था और इसलिए 1962 में टूट गया। क्या वह युग फिर लौटेगा? जवाब है - हां, पर नए रूप में।

अब वह भोला भाई-भाई नहीं होगा। अब वह प्रैक्टिकल भाई-भाई होगा। अब आंखें बंद करके गले नहीं मिलेंगे, आंखें खोलकर हाथ मिलाएंगे। अब नारे नहीं, समझौते होंगे। अब भावुकता नहीं, बराबरी होगी। नया नारा होगा - 'हिंदी-चीनी, सहयोगी-सहकारी ।' यदि यह साझेदारी ईमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है। और तब यह सार्थक सहमति इतिहास में एक मील के पत्थर के तौर पर याद की जाएगी।

(लेखक कुशभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

## जयंती पर विशेष

रमेश सर्राफ

# सृष्टि के पहले इंजीनियर माने जाते हैं भगवान विश्वकर्मा

विश्वकर्मा पूजा भारत में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। इस दिन देशभर में स्थित कारखानों, कार्यशालाओं और विभिन्न कार्यस्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना की जाती है ताकि श्रम और कौशल का सम्मान किया जा सके और आने वाले वर्ष के लिए आशीर्वाद प्राप्त हो सके। हर साल विश्वकर्मा पूजा कन्या संक्रांति के दिन मनाई जाती है। इस दिन भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ था। इसलिए इसे विश्वकर्मा जयंती भी कहते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेष्ठ ज्ञाता माने जाते हैं, जिन्होंने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होंने ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है, जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे, जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किए बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यों में प्रयुक्त होने वाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। औद्योगिक श्रमिकों द्धारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। इसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

# आनंदमय कोष की प्राप्ति

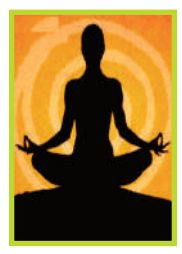

संकलित
दर्शन

अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष के पश्चात प्रवेश होता है आनंदमय कोष में। अन्न से उत्पन्न यह शरीर त्वचा, मांस, चर्म और रुधिर युक्त है। यह आत्मा नहीं है। प्राणमय कोष भी आत्मा नहीं, क्योंकि प्राण वायु के रूप में शरीर में आता-जाता है। मनोमय कोष व्यक्ति को विषयों में आसक्त करता है और आत्मभाव में स्थित नहीं होने देता है, इसलिए यह भी आत्मा नहीं है। जागृति, स्वप्न, सुषुप्ति, सुख-दुख, जन्म-मरण, लाभ-हानि विज्ञानमय कोष में रहते हैं, इसलिए यह भी आत्मारूप आनंदमय कोष नहीं हो सकता है। श्रीरामचरितमानस में मात्र श्रीभरत इन कोषों का उपादान रूप में उपयोग करते हुए भी आनंदमय कोष हैं, जिनका राम से सर्वथा ऐक्य है। सारा संसार भरत की इस महत्व भूमिका के कारण ही दीपावली का प्रकाश पर्व मनाता है। दीपावली सनातन संस्कृति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरा कार्तिक माह घरों तथा व्यापारिक संस्थानों की स्वच्छता व सजावट में लग जाता है। दीपावली के इस दृष्ट बाह्य और लौकिक रूप में कौन-सा आंतरिक तत्व छिपा है, जिसे जानने के पश्चात दीपावली हमें हमारे मूल वैदिक परंपराओं की नींव से जोड़ देती है। श्रीरामचरितमानस में भक्ति के सोपानों का वर्णन अरण्यकांड में है, जिसका विश्लेषण भगवान श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण की जिज्ञासा-समाधान में करते हैं। उसी तरह ज्ञान प्राप्ति के सोपानों का वर्णन मानस के अंतिम उत्तरकांड में काकभुशुंडि जी गरुड़ जी के समक्ष करते हैं।

# मंजिल तक कैसे पहुंचा जाए

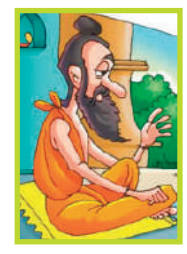

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक संत ने अपने दो भक्तों को बुलाया और कहा आप को यहां से पचास कोस जाना है। एक भक्त को एक बोरी खाने के समान से भर कर दी और कहा जो लायक मिले उसे देते जाना। और एक को खाली बोरी दी उससे कहा रास्ते मे जो उसे अच्छा मिले उसे बोरी में भर कर ले जाए। दोनों निकल पड़े जिसके कंधे पर समान था वो धीरे चल पा रहा था। खाली बोरी वाला भक्त आराम से जा रहा था। थोड़ी दूर उसको एक सोने की ईंट मिली उसने उसे बोरी में डाल लिया। थोड़ी दूर चला फिर ईंट मिली उसे भी उठा लिया। जैसे-जैसे चलता गया उसे सोना मिलता गया और वो बोरी में भरता हुआ चल रहा था। और बोरी का वजन बढ़ता गया उसका चलना मुश्किल होता गया और सांस भी चढ़ने लग गई। एक एक कदम आगे चलना कठिन होता गया। दूसरा भक्त जैसे-जैसे चलता गया रास्ते में जो भी मिलता उसको बोरी में से खाने का कुछ समान देता गया धीरे-धीरे बोरी का वजन कम होता गया। और उसका चलना आसान होता गया। जो बांटता गया उसका गंतव्य स्थान तक पहुंचना आसान होता गया। और जो लालच में आकर इकट्ठा करता रहा वो रास्ते में ही दम तोड़ गया। हम सभी को अब ये सोचना चाहिए कि हमने जीवन में क्या बांटा और क्या इकट्ठा किया हम मंजिल तक कैसे पहुंच पाएंगे। आखिर लालच ही बुरी बला है।

## सटाका

## आज की पाती

### मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं। मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका बढ़ने वाली है। - *विकास यशकीर्ति, भिवानी*

## ट्रेंड

### फाल्के पुरस्कार

जाने-माने अभिनेता अनंत नाग को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई। उन्होंने अपने हर किरदार में बेजोड़ अभिनय और जान डाल दी है। एक महान कलाकार के लिए यह सचमुच बहुत ही योग्य सम्मान है। - **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

### वेतन सीमा

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा आज कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत अनिवार्य कवरेज के लिए वेतन सीमा को 15,000 से बढ़ाकर 25,000 प्रति माह करने की ऐतिहासिक मंजूरी अत्यंत सराहनीय है।
- **योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उत्तर प्रदेश

### डिजिटल पेमेंट टैक्स

मोदी सरकार की लूट अब यूपीआई तक पहुंच गई है। यूपीआई पर कोई फीस नहीं" वाली बात को बदलकर "2,000 तक के ट्रांजेक्शन पर कोई फीस नहीं" कर दिया गया है। बीजेपी सरकार जनता पर "डिजिटल पेमेंट टैक्स" लगाने की योजना बना रही है।
- **मल्लिकार्जुन खरगे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

### सच

झारखंड के छात्र हमारे राज्य का वर्तमान और भविष्य दोनों हैं। उनके भविष्य के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ अस्वीकार्य है। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय और इसके अंतर्गत आने वाले कॉलेजों के छात्र परीक्षा प्रणाली जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। -**अर्जुन मुंडा,** पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री

## करंट अफेयर

# एआई में चीन और अमेरिका के बीच तकनीकी अंतर हुआ कम

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से विकास के संभावित जोखिमों पर दुनिया में बहस तेज होने के बीच अमेरिका और चीन अधिक शक्तिशाली एआई मॉडल विकसित करने की दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिका कई वर्षों तक एआई मॉडल की क्षमता, शोध और अन्य क्षेत्रों में चीन सहित अन्य देशों से आगे रहा है। हालांकि, चीन अब तेजी से इस अंतर को कम कर रहा है। अमेरिकी नेतृत्व वाले प्रतिबंधों के कारण चीन को अत्याधुनिक चिप और उन्हें बनाने वाली मशीनों सहित कुछ उन्नत प्रौद्योगिकियों तक पहुंच नहीं है। स्टैनफोर्ड इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन-सेंटर्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एक जानकार सहित विशेषज्ञों और हालिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन एआई के क्षेत्र में अमेरिका के लिए मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरा है और इस साल उसने अमेरिकी बढ़त को काफी हद तक कम कर दिया है। जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज के सैम सैक्स ने कहा, 'अमेरिकी और चीनी मॉडलों के बीच अंतर कम और अस्थिर है।' एआई को लेकर यह बहस ऐसे समय हो रही है जब चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के इस महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए वाशिंगटन आने की उम्मीद है।

## ऑफ बीट

# ग्रीनलैंड -अंटार्कटिका से 12,000 अरब टन से ज्यादा बर्फ पिघली

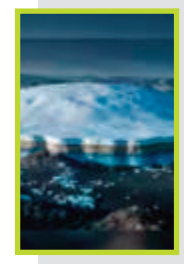

एक प्रमुख वैज्ञानिक रिपोर्ट के अनुसार, 1979 से ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के हिमनदों से लगभग 12500 अरब टन बर्फ पिघल चुकी है। यह इतनी ज्यादा बर्फ है कि इससे पूरे अमेरिकी महाद्वीप में बर्फ की पांच फुट की परत बिछाई जा सकती है। बुधवार को 'साइंटिफिक डेटा' पत्रिका में छपे एक अध्ययन के मुताबिक, धरती के गर्म होने से ग्रह की दो बड़ी बर्फ की चादरों (आइस शीट्स) के पिघलने की रफ्तार बढ़ रही है। पिघलने वाली बर्फ का छह में से पांचवां हिस्सा गर्म हवा की वजह से नहीं, बल्कि गर्म पानी की वजह से पिघल रहा है जो नीचे और किनारों से बर्फ की चादरों को काट रहा है, और हिमनद समुद्र में बह रहे हैं। अध्ययन करने वालों का कहना है कि भविष्य में समुद्र का जलस्तर बढ़ने के लिहाज से यह बुरी खबर है। अध्ययन के सह-लेखक और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन के हिम वैज्ञानिक एरिक रिग्नोट ने कहा, "बर्फ की चादरें तेजी से पिघल रही हैं। हम ध्रुवीय क्षेत्रों की बर्फ खो रहे हैं, समुद्र का जलस्तर दुनियाभर में बढ़ रहा है और इससे तटीय क्षेत्रों की असुरक्षा और बढ़ेगी। पिघलने की प्रक्रिया से जुड़े आंकड़े हैरान कर देने वाले हैं।

## अपने विचार

**हरिभूमि कार्यालय**

पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
**aapkepatra.haribhoomi@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

# हरिद्वार से भारतीय शिक्षा बोर्ड की राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का आगाज, स्वामी रामदेव ने कबड्डी में डाली रेड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हरिद्वार

भारतीय शिक्षा बोर्ड की द्वितीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का आगाज हरिद्वार के आचार्यकुलम स्थित भव्य इंडोर स्टेडियम से हुआ। 14 और 15 सितंबर को प्रतियोगिता के प्रथम चरण में देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे खिलाड़ियों ने कबड्डी, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, फुटबॉल और रेसलिंग में दमखम दिखाया। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन का खास आकर्षण उस समय देखने को मिला, जब स्वामी रामदेव ने कबड्डी में रेड डालकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने और आचार्य बालकृष्ण ने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने का संदेश दिया।

### 100 करोड़ की लागत से बने इंडोर स्टेडियम में मुकाबले

प्रतियोगिता के प्रथम चरण का आयोजन आचार्यकुलम के करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इंडोर स्टेडियम में किया गया। विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें पूरे जोश और अनुशासन के साथ खेल में प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर स्वामी पुण्यदेव ने बताया कि प्रतियोगिता का अगला चरण विभिन्न शहरों में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का समापन 25 अक्टूबर को होगा।

### बैडमिंटन में आचार्यकुलम का दबदबा

बैडमिंटन के विभिन्न वर्गों में आचार्यकुलम के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 बालक वर्ग में आचार्यकुलम ने पहला स्थान हासिल किया। ओवरऑल अंकों में भी आचार्यकुलम पहले, गुरुकुल किशनगढ़ घासेड़ा दूसरे और स्वामी दर्शानानंद हायर सेकेंडरी स्कूल तीसरे स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में भी आचार्यकुलम ने कई वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-14 और अंडर-19 सिंगल्स में आचार्यकुलम पहले स्थान पर रहा, जबकि अंडर-17 में द एरूडाइट वर्ल्ड स्कूल ने पहला स्थान हासिल किया। बालिका डबल्स के अंडर-14 और अंडर-19 वर्ग में आचार्यकुलम शीर्ष पर रहा। ओवरऑल बालिका बैडमिंटन में आचार्यकुलम प्रथम, द एरूडाइट वर्ल्ड स्कूल द्वितीय और बीडीएम स्कूल तृतीय रहा। कबड्डी के बालिका वर्ग में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-17 और अंडर-19 दोनों वर्गों में आचार्यकुलम ने पहला स्थान हासिल किया। अंडर-17 में पतंजलि गुरुकुलम दूसरे और जीएसएस इंटरनेशनल स्कूल तीसरे स्थान पर रहा। वहीं अंडर-19 में मां उमिया ज्ञानपीठ हायर सेकेंडरी स्कूल दूसरे और पतंजलि गुरुकुलम तीसरे स्थान पर रहा। बास्केटबॉल बालक वर्ग के अंडर-14 और अंडर-17 में पतंजलि गुरुकुलम ने पहला स्थान हासिल किया। अंडर-19 में आचार्यकुलम शीर्ष पर रहा। बालिका अंडर-17 वर्ग में आचार्यकुलम ने पहला स्थान प्राप्त किया। अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 में आचार्यकुलम ने पहला स्थान हासिल किया। वहीं रेसलिंग में पतंजलि गुरुकुलम प्रथम, गुरुकुल किशनगढ़ घासेड़ा द्वितीय और जीएसएस इंटरनेशनल स्कूल तृतीय स्थान पर रहा।

### 'जीत-हार नहीं, खेल भावना जरूरी'

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने खिलाड़ियों से कहा कि खेल को केवल जीत या हार की भावना से नहीं, बल्कि खेल भावना और अनुशासन के साथ खेलना चाहिए। आयोजकों के मुताबिक राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने के साथ अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना है।

### इन शहरों में होंगे अगले चरण के मुकाबले

19-20 सितंबरः वाराणसी
26-27 सितंबरः प्रयागराज
3-4 अक्टूबरः बुलंदशहर
10-11 अक्टूबरः दिल्ली
24-25 अक्टूबरः हापुड़

---

आज शाम 7.30 बजे से भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का अंतिम मैच

# 'क्लीन स्वीप' पर भारत की नजर वैभव को मिल सकता है मौका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पहले दोनों मैच जीत कर श्रंखला में अजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ गुरुवार को होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरेगी, जिसमें वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को मौका मिल सकता है। भारतीय टीम ने पहले दो मैच में दमदार प्रदर्शन किया और अफगानिस्तान को खेल के हर विभाग में पस्त किया।

### टीम संयोजन में हो सकता बदलाव

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि फिरोजशाह कोटला में होने वाले तीसरे और अंतिम मैच में टीम संयोजन में बदलाव हो सकता है ताकि सभी खिलाड़ियों को 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों के लिए जापान रवाना होने से पहले जरूरी मैच अभ्यास का मौका मिल सके। अब तक के चयन से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत सूर्यवंशी को जगह देने के लिए कोई विशेष प्रयास करने को तैयार नहीं है। सूर्यवंशी ने जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर पदार्पण किया था क्योंकि तब संजू सैमसन सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे। अब सैमसन और अभिषेक शर्मा दोनों ही अच्छी फॉर्म में हैं। यह दोनों खिलाड़ी एक ही प्रारूप में नियमित रूप से खेलते हैं और इसलिए वह भी विश्राम नहीं लेना चाहेंगे। ऐसे में टीम प्रबंधन को बदलाव का फैसला करना होगा।

### रेड्डी और दुबे नहीं मिला बल्लेबाजी का मौका

इसके साथ ही टीम प्रबंधन चाहेगा कि अय्यर और तिलक वर्मा को क्रीज पर कुछ समय बिताने का मौका मिले, क्योंकि शुरुआती दो मैचों में शीर्ष तीन बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से बाकी बल्लेबाजों को खेलने का खास मौका नहीं मिला। आलम यह है कि नीतीश कुमार रेड्डी और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ियों को अभी तक बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला है।

### अफगानी बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक

अफगानिस्तान को पावरप्ले में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाजों का सामना करने का तरीका ढूंढना होगा। बल्लेबाजी में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और यही वजह है कि वह भारत के सामने कड़ी चुनौती पेश नहीं कर पाया है। अगर अफगानिस्तान को फिर से पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है तो उसे भारत को चुनौती देने के लिए कम से कम 200 रन बनाने होंगे।

### परिस्थितियों से परिचित हो जाएं खिलाड़ी

अय्यर ने कहा, 'हम चाहते हैं कि सभी खिलाड़ी विकेट और परिस्थितियों से परिचित हो जाएं और अभ्यास भी कर लें। इसलिए यह उन खिलाड़ियों को मौका देने का अच्छा अवसर होगा, जो लंबे समय से बाहर हैं।' ईशान किशन को विश्राम देकर सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में शामिल करने का विकल्प भी मौजूद है। किशन ने राष्ट्रीय टीम में शामिल होने से पहले दलीप ट्रॉफी में पूर्वी क्षेत्र की कप्तानी की थी। सैमसन मौजूदा सीरीज में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

---

# मेस्सी का ग्रैंड फेयरवेल

## अर्जेंटीना की जर्सी में विदाई मैच

एजेंसी ▶▶| ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेस्सी भले ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले चुके हैं लेकिन यह स्टार स्ट्राइकर 6 अक्टूबर को अर्जेंटीना की तरफ से विदाई मैच खेल सकता है। क्लब स्तर पर इंटर मियामी की तरफ से खेल रहे 39 वर्षीय मेस्सी को घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों के लिए अर्जेंटीना की 28 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मेस्सी ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है कि वह टीम में शामिल होंगे या नहीं, लेकिन अर्जेंटीना फुटबॉल के प्रमुख ने कहा कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने 6 अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ होने वाले मैच के लिए निमंत्रण स्वीकार कर लिया है, जिससे वह शानदार तरीके से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह सकें। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने कहा, 'सीनियर राष्ट्रीय टीम के कोच लियोनेल स्कालोनी के साथ बातचीत के बाद हमने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, हमारे आदर्श, हमारे कप्तान लियोनेल मेस्सी को आमंत्रित करने का फैसला किया, ताकि उन्हें छह अक्टूबर को वह विदाई मिल सके जिसके वे हकदार हैं।'

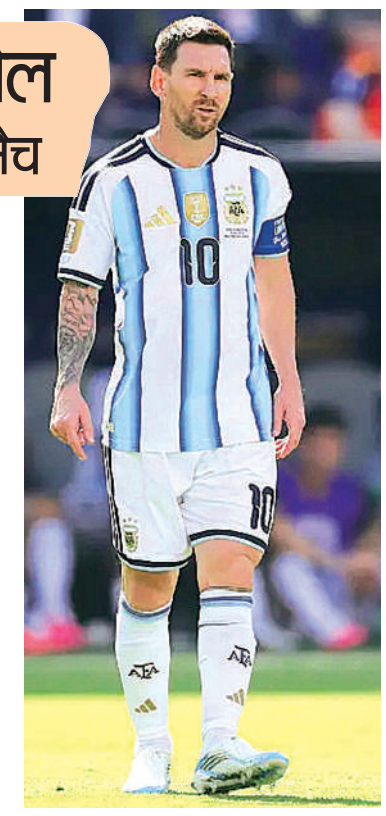

# एशियाई खेलों में खेलेंगे विपराज, वरुण बाहर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनुभवी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती बाजू में खिंचाव के कारण एशियाई खेलों से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह लेग स्पिन ऑलराउंडर विपराज निगम को भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

एशियाई खेल 19 सितंबर को जापान के आइची-नागोया में शुरू होंगे। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, 'वरुण अनिश्चितकाल के लिए टीम से बाहर हो गए हैं।

विपराज निगम और कुलदीप यादव के रूप में हमारे पास दो विकल्प थे। कुलदीप इस महीने के आखिर में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला खेलेंगे।' आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करने वाले 22 वर्षीय निगम ने अब तक लीग में 19 मैच खेले हैं और 13 विकेट लिए हैं। इस 21 वर्षीय इस खिलाड़ी ने लंबे शॉट लगाने की अपनी काबिलियत का भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

---

# एशिया कप के बाद अब एशियन गेम्स पर फोकस

एजेंसी ▶▶| टोकियो

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि उनकी खिलाड़ी एशियाई खेलों के अनूठे माहौल का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम हाल की अपनी सफलताओं को जारी रखने की प्रतिबद्धता के साथ जापान पहुंची है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने हाल ही में दुबई में टी20 एशिया कप का खिताब जीता था। अब उसका पूरा ध्यान एशियाई खेलों पर केंद्रित है, जहां वह फिर से स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय टीम ने 2023 में हांगझोऊ में सोने का तमगा हासिल किया था। मजूमदार ने अपने सहयोगी स्टाफ और टीम की कुछ सदस्यों के साथ पहुंचने के बाद कहा, ' टीम एशियाई खेलों में भाग लेने को लेकर उत्साहित है। वह इस बहु खेल प्रतियोगिता का पूरा आनंद लेना चाहती है।' टीम के जो सदस्य कोचिंग स्टाफ के साथ यहां पहुंचे हैं उनमें तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ और स्पिनर श्रीचरणी भी शामिल हैं।

### प्रतिस्पर्धा करने का आनंद लें खिलाड़ी

मजूमदार ने कहा कि वह चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के साथ रहने, खेल गांव के माहौल और कई खेलों वाली प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करने का पूरा आनंद लें।

**कार्यालय सम्पदा अधिकारी**
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल
**आम सूचना**
हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, करोंद, बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित भूखण्ड क्रमांक 690/बी मण्डल द्वारा (1) श्रीमती सीमा जैन पत्नी श्री राजेश जैन (2) श्री नीरज जैन आत्मज श्री गजेन्द्र कुमार जैन के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख मण्डल द्वारा पंजीयन कार्यालय से दिनांक 30/03/2009 को एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 30/09/2024 को पंजीकृत है। (1) श्रीमती सीमा जैन पत्नी श्री राजेश जैन (2) श्री नीरज जैन आत्मज श्री गजेन्द्र कुमार जैन द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री शब्बीर अहमद आत्मज श्री अब्दुल सत्तार को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 20/12/2024 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री शब्बीर अहमद आत्मज श्री अब्दुल सत्तार के नाम से हस्तांतरित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति का हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा ।
**सम्पदा अधिकारी**
**म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल**

**न्यायालय तहसीलदार, वृत्त-1, तहसील- हुजूर, जिला भोपाल**
प्रकरण क्रमांक- 0988/अ-6/2026-27
मौजा- अरवलिया
तहसील हुजूर, भोपाल
:: उद्घोषण पत्र ::
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। आवदेक श्री निशांत अग्रवाल पुत्र स्व. श्री नारायण प्रसाद निवासी - प्रताप वार्ड बीनापुर जिला सागर (म.प्र.) म.प्र.भू.राजस्व. संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम अरवलिया प०ह०न० 16 स्थित भूमि खसरा क्रमांक-257/3/1/2, 257/2/2/1 कुल रकबा 1174.34 वर्गफिट भूमि जो राजस्व अभिलेखों में आवेदक के पति/पिता/माता स्व. श्री नारायण प्रसाद के नाम पर दर्ज है खातेदार की मृत्यु दिनांक 19.08.2025 को होने के परिणामस्वरूप आवेदक के नाम से वसीयत के आधार पर वसीयत नामांतरण स्वीकृत किये जाने का अनुरोध किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।
2- उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात् आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा । प्रकरण में आगामी कार्यवाही हेतु दिनांक 29.09.2026 नियत है ।
उक्त उद्घोषणा मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 09.09.2026 को जारी किया गया।
**अतिरिक्त तहसीलदार**
**तहसील हुजूर भोपाल**

**जाहिर सूचना**
(भूखण्ड नं.- 33, निशातपुरा, हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी, भोपाल)
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री जैनुद्दीन मलिक आत्मज श्री नूर अली ने मोहम्मद अफरोज आत्मज श्री कुतुबे आलम द्वारा अनुबंधकर्ता मोहम्मद अनवार आत्मज श्री अब्दुल अजीज निवासी- ए-800, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, करोंद, भोपाल म.प्र. के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का भूखण्ड नं.- 33, निशातपुरा, हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी, भोपाल म.प्र. जिसका क्षेत्रफल 30 X 50 = 1500 वर्गफिट को क्रय करने का निश्चय करते हुए सहमति दी है, उक्त संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो या किसी प्रकार का कोई हित-समाहित हो तो वह इस प्रकाशन के 3 दिवस के अंदर मय मूल दस्तावेज के साथ मेरे कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगे। तथा मेरे पक्षकार उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन अपने पक्ष में कराने हेतु स्वतंत्र होंगे।
**भवदीय (विजय आसनानी)**
**सर्विस प्रोवाईडर**
कार्यालय - दुकान नं. 29, ईनर कोर्ट, जी.टी.वी. काम्पलेक्स, न्यू मार्केट, भोपाल मो.नं.- 9926311441

**जाहिर सूचना**
(भूखण्ड नं.- 33, निशातपुरा, हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी, भोपाल)
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री जैनुद्दीन मलिक आत्मज श्री नूर अली ने मोहम्मद अफरोज आत्मज श्री कुतुबे आलम द्वारा अनुबंधकर्ता मोहम्मद अनवार आत्मज श्री अब्दुल अजीज निवासी- ए-800, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, करोंद, भोपाल म.प्र. के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का भूखण्ड नं.- 33, निशातपुरा, हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी, भोपाल म.प्र. जिसका क्षेत्रफल 30 X 50 = 1500 वर्गफिट को क्रय करने का निश्चय करते हुए सहमति दी है, उक्त संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो या किसी प्रकार का कोई हित-समाहित हो तो वह इस प्रकाशन के 3 दिवस के अंदर मय मूल दस्तावेज के साथ मेरे कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगे। तथा मेरे पक्षकार उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन अपने पक्ष में कराने हेतु स्वतंत्र होंगे।
**भवदीय (विजय आसनानी)**
**सर्विस प्रोवाईडर**
कार्यालय - दुकान नं. 29, ईनर कोर्ट, जी.टी.वी. काम्पलेक्स, न्यू मार्केट, भोपाल मो.नं.- 9926311441

**SECTION 1**
**Notice Inviting e-Tenders**
**OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL(M.P.)**
**CIVIL DEPT. ZONE NO.13, SWAMI VIVEKANAND AMRAI**

N.I.T. NO. 02: /ES/BMC/2026 dated 15-09-2026

Online percentage / item rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

| S.N | Tender ID | Name of Work | Probable Amount of Contract (Rs.in lakh) | Earnest Money Deposit (EMD)(In Rs) | Cost of Bid Document (In Rs) | Period of Completion (in Months) | SOR |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 2026_UAD_532051_1 | CONSTRUCTION OF CC ROAD NEAR RAMSINGH PARMAR RAM MANDIR AT BAGHSEWANIYA PURANI BASTI W-55 Z-13 | 8,57,513 | 8,575 | 2000.00 | 03 months | MPUADD ISSR 2021 |
| 2. | 2026_UAD_531012_1 | P/F OF PAVER BLOCK NEAR DEEPALI JI HOUSE AT AAKRITI RETREAT COLONY ROHIT NAGAR W-52 Z-13 | 3,04,247 | 3,042 | 2000.00 | 03 months | MPUADD ISSR 2021 |

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in/only, and not in newspaper.

T.N. 729/026/027
**ASSISTANT ENGINEER**
**MUNICIPAL CORPORATION BHOPAL**

भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक भारतीय युद्धपोत नियमित निगरानी मिशन पर था। इसी दौरान पाकिस्तानी जहाज तेज रफ्तार में आया और गलत दिशा में मुड़ गया, जिससे दोनों जहाज टकरा गए

## अरब सागर में भारतीय युद्धपोत से टकराया पाकिस्तानी जहाज

# भारत ने पाक राजनयिक को किया तलब कहा- घटना अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज अरब सागर के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में भारतीय नौसेना के जहाज से टकरा गया। घटना कब की है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय युद्धपोत नियमित निगरानी मिशन पर था। इसी दौरान पाकिस्तानी जहाज तेज रफ्तार में आया और गलत दिशा में मुड़ गया, जिससे दोनों जहाज टकरा गए। पाकिस्तानी जहाज का नाम पीएनएस हुनैन है। इसे समुद्री निगरानी और गश्त के लिए इस्तेमाल किया जाता है। टक्कर में इसको नुकसान पहुंचा है। हालांकि, भारतीय नौसेना के जिस जहाज से इसकी टक्कर हुई, इसका पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के चार्ज डी'अफेयर्स (सीडीए) को तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने घटना को अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर बताया।

### पाकिस्तानी जहाज का आचरण समझौते के विपरीत

### दोनों देशों की सैन्य इकाइयों से सावधानी बरतने की अपील

एआई इमेज

### 2011 में टकराए थे भारतीय-पाकिस्तानी जहाज

भारत और पाकिस्तान की नौसेनाओं के बीच समुद्र में इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है। 2011 में भारतीय नौसेना के आईएनएस गोदावरी और पाकिस्तानी नौसेना के पीएनएस बाबर के बीच भी टक्कर हुई थी। टक्कर को लेकर पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि भारतीय जहाज ने उसके काम में रुकावट डाली और खतरनाक तरीके से जहाज चलाया। भारत ने इस आरोप को गलत बताया। भारत के मुताबिक, पीएनएस बाबर ने आईएनएस गोदावरी को दाईं तरफ से पार करने की कोशिश की और इसी दौरान उसके हेलिकॉप्टर डेक वाले हिस्से से टकरा गया। इस दौरान हेलिकॉप्टर का जाल क्षतिग्रस्त हुआ था। भारत ने तब भी 1991 के समझौते के आर्टिकल 10 का हवाला देते हुए पाकिस्तान के सामने विरोध दर्ज कराया था। पीएनएस बाबर, सोमालियाई समुद्री लुटेरों से छुड़ाए गए एमवी सुएज जहाज को सुरक्षित ले जा रहा था। यह मिस्र के मालिकाना हक वाला जहाज था। इसे सोमालियाई समुद्री लुटेरों ने बंधक बना लिया था।

### भारत की चेतावनी, घटना दोबारा न हो

*विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तानी प्रभारी राजनयिक को बुधवार को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। उन्हें पाकिस्तानी अधिकारियों तक भारत की कड़ी आपत्ति पहुंचाने को कहा गया। भारत ने इस घटना के माध्यम से सैन्य गतिविधियों के दौरान सावधानी और संबंधित समझौतों के पालन की आवश्यकता पर जोर दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सभी सैन्य इकाइयों को समुद्र में उचित सावधानी बरतने और दोनों देशों के बीच लागू समझौतों के प्रावधानों का सम्मान करने की जरूरत है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।*

### इस्लामाबाद में भी दर्ज कराया जाएगा विरोध

*भारत ने इस मामले को केवल नई दिल्ली तक सीमित नहीं रखा है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस्लामाबाद स्थित भारत के प्रभारी राजनयिक को भी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष इसी तरह का विरोध दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है।*

### अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुआ हादसा

*विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह घटना अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुई। हालांकि, टक्कर से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी नौसैनिक पोत का आचरण अप्रैल 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिकों की आवाजाही के लिए अग्रिम सूचना देने संबंधी समझौते के अनुच्छेद 10 का सीधे तौर पर उल्लंघन था।*

## खबर संक्षेप

### सूडान में सोने की खदान ढहने से 67 की मौत

**खार्तूम।** सूडान के वेस्ट कोर्डोफान प्रांत के नुहुद शहर स्थित अल-जारा सोने की खदान ढहने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में कम से कम 67 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। यह जानकारी एक चिकित्सा समूह और हादसे में बचे लोगों ने बुधवार को दी। खदान मंगलवार देर रात अचानक ढह गई। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मलबे के नीचे दब गए।

### 231 किलोग्राम नशे की गोलियां जब्त, 3 अरेस्ट

**नई दिल्ली।** राजस्व खुफिया निदेशालय ने असम और त्रिपुरा के कई इलाकों में खुफिया सूचना के आधार पर नशीली दवाओं मेथामफेटामाइन की सबसे बड़ी बरामदगी की है। जब्ती का मूल्य सैकड़ों करोड़ रुपए में है। डीआरआई अधिकारियों ने बैन पदार्थ और वाहन को जब्त कर चालक सहित 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

### विमान का हवा में टायर फटा, सभी यात्री सुरक्षित

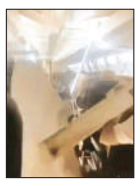

**मशहद।** ईरान के मशहद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान का हवा में ही एक टायर फट गया। सेफरान एयरलाइंस के बोइंग 737 विमान के टायर फटने के बाद इंजन को भी नुकसान पहुंचा। इसके चलते पायलट ने विमान को सुरक्षित वापस मशहद ले जाने का फैसला किया।

### दोहरे भूंकप से सहमा नेपाल, कोई हानि नहीं

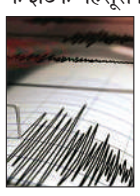

**काठमांडू।** नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में बुधवार तड़के दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोनों भूकंप के बाद तत्काल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। पहला भूकंप स्थानीय समयानुसार करीब रात 1:51 बजे आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र मुगु जिले के कलाई इलाके के पास बताया गया है।

## दो दिवसीय यात्रा पर भूटान पहुंचे जयशंकर

# दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की गई

एस. जयशंकर और ल्योनपो डीएन धुंग्येल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर बुधवार को अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के तहत भूटान पहुंचे हैं। जहां सबसे पहले उनकी अपने समकक्ष और भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डीएन धुंग्येल के साथ एक उच्च-स्तरीय मुलाकात हुई है। वार्ता में दोनों देशों के व्यापक सहयोग की संयुक्त रूप से समीक्षा की गई। जबकि विकास साझेदारी, ऊर्जा, व्यापार, कनेक्टिविटी, संस्कृति और आम जनता के बीच संबंधों को लेकर बनी हुई भागीदारी को और अधिक बढ़ावा देने के मामले पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। जयशंकर ने 'एक्स' पर इस बात की जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और पीएम शेरिंग तोबगे से भी मुलाकात करेंगे। ये यात्रा दोनों देशों के मध्य नियमित रूप से होने वाली उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को प्रदर्शित करती है।

### अस्पताल और पुल का उद्घाटन किया

विदेश मंत्री ने कई परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया, जिनमें मोंगर में 65 बिस्तरों वाला ग्यालत्सुएन जेत्सुन पेमा मातृ एवं शिशु अस्पताल भी शामिल है। उन्होंने समद्रुप जोंगखर में जगन्नाथ पुल का भी उद्घाटन किया, जिसे 'प्रोजेक्ट दंतक' के तहत बनाया गया है। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर कहा कि भूटान-भारत मैत्री परियोजना से पूर्वी भूटान में त्राशिगांग और समद्रुप जोंगखर के बीच संपर्क बेहतर होगा। उन्होंने उत्तरी भूटान के गासा में 500 किलोवाट की लुनाना जलविद्युत परियोजना की आधारशिला भी रखी। विदेश मंत्री जयशंकर की यह यात्रा भारत, भूटान मैत्री-सहयोग संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदम का प्रमाण प्रस्तुत करती है।

### 43 शुद्ध नस्ल की जर्सी गायें सौंपीं

जयशंकर ने मवेशी प्रजनन कार्यक्रम को समर्थन देने के लिए बुमथांग स्थित राष्ट्रीय पशु प्रजनन केंद्र को जर्सी नस्ल की 43 गायें भी सौंपीं, ताकि दूध उत्पादन बढ़ाया जा सके और स्थानीय किसानों की मदद की जा सके। उन्होंने कहा कि यह जानकर खुशी हुई कि केंद्र के प्रजनन कार्यक्रम से 40 हजार किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बुमथांग में ऐतिहासिक वांगदुएछोलिंग महल और संग्रहालय का भी दौरा किया।

## यमन के हूती विद्रोहियों का सऊदी अरब में मक्का के पास ड्रोन से हमला

# भारत ने नागरिकों को खतरे में डालने वाली कार्रवाई की कड़ी निंदा की, जताया विरोध

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत मक्का के पास हुए ड्रोन हमले को लेकर बेहद चिंतित है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर होने वाले हमलों की भारत निंदा करता है। भारत ने साफ किया कि ऐसी कोई भी कार्रवाई स्वीकार्य नहीं है, जिससे आम लोगों की जान और जरूरी बुनियादी ढांचे को खतरा पैदा हो

मक्का के पास कथित ड्रोन हमले को लेकर भारत ने गंभीर चिंता जताई है। सऊदी अरब ने यमन स्थित हूती विद्रोहियों पर पवित्र शहर की ओर ड्रोन भेजने का आरोप लगाया है। भारत ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि मक्का का दुनिया भर के मुसलमानों के लिए विशेष महत्व है। विदेश मंत्रालय ने साथ ही सऊदी अरब की जमीन पर होने वाले हमलों और नागरिकों तथा जरूरी ढांचे को खतरे में डालने वाली किसी भी कार्रवाई का विरोध दोहराया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत मक्का के पास हुए ड्रोन हमले को लेकर बेहद चिंतित है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर होने वाले हमलों की भारत निंदा करता है। भारत ने साफ किया कि ऐसी कोई भी कार्रवाई स्वीकार्य नहीं है, जिससे आम लोगों की जान और जरूरी बुनियादी ढांचे को खतरा पैदा हो। भारत ने इस घटना को मक्का की विशेष धार्मिक और वैश्विक अहमियत के कारण खास तौर पर गंभीर बताया है।

रणधीर जायसवाल

ड्रोन को हवा में रोका गया

### लोगों से खुले इलाकों में जाने से बचने की अपील

मक्का, जेद्दा और ताइफ में जारी अलर्ट में लोगों से कहा गया कि वे भीड़ और खुले इलाकों में जाने से बचें। लोगों से शांत रहने और किसी भी खतरे की स्थिति में तुरंत सुरक्षित जगह जाने की अपील की गई। लोगों को घर के अंदर रहने और खिड़कियों, बालकनी, छत, कांच और खुली जगहों से दूर रहने को कहा गया है। अगर कोई व्यक्ति घर से बाहर हो, तो उसे तुरंत पास की किसी बिल्डिंग में जाने या किसी मजबूत चीज की आड़ में छिपने और खतरा टलने तक वहीं रहने की सलाह दी गई है।

**घटना मक्का की विशेष धार्मिक और वैश्विक अहमियत के कारण गंभीर**

### शांति और स्थिरता कायम करें

भारत ने कहा कि मक्का के पास हुई घटना इसलिए भी बेहद चिंताजनक है, क्योंकि यह शहर दुनिया भर के मुसलमानों के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब की संप्रभुता का सम्मान करने और ऐसी कार्रवाइयों से बचने पर जोर दिया है, जिनसे आम लोगों की जान को खतरा हो सकता है। भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता जल्द बहाल होने की उम्मीद भी जताई है।

### यमन विद्रोहियों ने भेजे ड्रोन

यह बयान ऐसे समय आया है जब सऊदी अरब ने मक्का की ओर ड्रोन भेजे जाने का आरोप यमन स्थित हूती विद्रोहियों पर लगाया है। भारत ने अपने बयान में तीन प्रमुख बातों पर जोर दिया है। पहला, मक्का के पास ड्रोन हमले की रिपोर्ट पर गहरी चिंता। दूसरा, सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर हमलों की स्पष्ट निंदा। तीसरा, नागरिकों और बुनियादी ढांचे को खतरे में डालने वाली किसी भी कार्रवाई का विरोध। इसके साथ भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता जल्द बहाल होने की उम्मीद जताई है।

### मार गिराया ड्रोन

सऊदी अरब के एयर डिफेंस सिस्टम ने मंगलवार को मक्का के दक्षिण में एक हूती ड्रोन को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने बुधवार को बताया कि ड्रोन को मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में दाखिल होने से पहले ही मार गिराया गया।

### यूएनएससी में हूती गतिविधियों पर चर्चा

*वैश्विक व्यापार के सामने एक और बड़े संकट की आशंका के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में यमन के हूती विद्रोहियों के लाल सागर के अहम इलाकों की ओर बढ़ने को लेकर चिंता जताई गई। राजनयिकों ने चेतावनी दी कि हूतियों की गतिविधियां लाल सागर के रास्ते स्वेज नहर तक पहुंचने वाले महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को प्रभावित कर सकती हैं। यूएन के असिसटेंट सेक्रेटरी जनरल खालिद खियारी ने मंगलवार को सुरक्षा परिषद के आपात सत्र में कहा कि यमन के पश्चिमी तट पर लड़ाई तेज हो गई है। हूती बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य की ओर बढ़ रहे हैं और कथित तौर पर दक्षिणी लाल सागर के कई द्वीपों पर कब्जा कर चुके हैं।*

### इस्लामिक देशों के संगठन ने की निंदा

*इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने मक्का और मदीना क्षेत्र में हूती हमलों की निंदा की है। संगठन ने कहा कि पवित्र जगहों, मस्जिदों और आम लोगों के ठिकानों पर हमला करना आतंकवाद है। ऐसी कार्रवाई इस्लाम की सीख और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। मक्का इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है। यहां मुस्लिमों के प्रमुख पवित्र स्थल हैं और हर साल दुनिया भर से लाखों लोग हज के लिए पहुंचते हैं।*

## 'अपराजिता-परांग ला 2026' अभियान पूरा

**एनसीसी महिला कैडेटों ने 30 दिनों में तय किए 250 किमी**

*नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की प्रमुख साहसिक गतिविधि, अखिल भारतीय बालिका अधिक ऊंचाई वाले लंबे ट्रेक 'अपराजिता-परांग ला 2026' के सफलतापूर्वक पूरा होने पर 16 सितंबर 2026 को लद्दाख के करजोक में एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स और रक्षा मंत्रालय की अपर सचिव दीप्ति मोहिल चावला ने दल का स्वागत किया।*

**रक्षा साझेदारी और सैन्य सहयोग को बढ़ावा**

## थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ 3 दिन की रूस यात्रा पर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

चीफ आफ आर्मी स्टॉफ (सीओएएस) जनरल धीरज सेठ 16 से 18 सितंबर 2026 तक रूस की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही रक्षा साझेदारी और सैन्य-से-सैन्य सहयोग को और मजबूत करना है। यात्रा के दौरान सीओएएस को मॉस्को में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा और वह 'टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर' पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। वह रूसी थल सेना के कमांडर-इन-चीफ कर्नल जनरल आंद्रेई निकोलायेविच मोर्दविचेव के साथ पेशेवर सैन्य सहयोग और प्रशिक्षण समेत आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। थल सेनाध्यक्ष मॉस्को स्थित नेशनल डिफेंस कंट्रोल सेंटर का दौरा करेंगे और रूसी रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे।

धीरज सेठ

**मोदी सरकार का बड़ा एक्शन**

## शहजाद भट्टी नेटवर्क यूएपीए के तहत 'आतंकी' संगठन घोषित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) को यूएपीए के तहत आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया गया है। सरकार के मुताबिक, नेटवर्क पर सीमा पार से हथियार, विस्फोटक और नशीले पदार्थों की तस्करी के साथ युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने के आरोप हैं।

शहजाद भट्टी

गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति से जोड़ा है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक सरकार ने यूएपीए की धारा 35 के तहत संगठन को आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल किया है। सरकार ने अधिसूचना में कहा है कि शहजाद भट्टी नेटवर्क सीमा पार से हथियार, विस्फोटक और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए युवाओं और स्थानीय अपराधियों को अपने नेटवर्क में शामिल करता रहा है। सरकार के मुताबिक संगठन की गतिविधियों से देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सांप्रदायिक सौहार्द और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हुआ।

गृह मंत्रालय के अनुसार नेटवर्क पर युवाओं को तरह-तरह के लालच देकर अपने साथ जोड़ने और उन्हें कथित तौर पर देश-विरोधी गतिविधियों के लिए उकसाने के आरोप हैं। सरकार का दावा है कि शहजाद भट्टी नेटवर्क ने दूसरे प्रतिबंधित संगठनों और चिन्हित संस्थाओं के साथ मिलकर अपनी गतिविधियों के लिए संसाधन जुटाने की कोशिश भी की।

## नई दिल्ली और वेलिंगटन के बीच व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

**प्रस्ताव के पक्ष में 93 और विरोध में 29 मत मिले थे**

# न्यूजीलैंड की संसद ने भारत के साथ हुए एफटीए को दी मंजूरी, अधिकतर निर्यात पर जीरो ड्यूटी

एजेंसी ▶▶ वेलिंगटन

न्यूजीलैंड की संसद ने बुधवार को भारत के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 93 और विरोध में 29 मत मिले थे।

भारत के साथ एफटीए को न्यूजीलैंड की संसद से मंजूरी मिलने पर पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने खुशी जताते हुए कहा कि इससे बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा होंगी। साथ ही, इस समझौते से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर न्यूजीलैंड के क्रिस्टोफर लक्सन ने पोस्ट किया कि लोगों ने मुझसे कहा था कि भारत के साथ एफटीए मुमकिन नहीं है, लेकिन आज उस समझौते को संसद से मंजूरी मिल गई है। उन्होंने आगे कहा कि नेशनल पार्टी ने कहा था कि हम अपने पहले कार्यकाल में भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेंगे, और हमने वह करके दिखाया है।

मोदी और लक्सन फाइल फोटो

**न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने खुशी जताई**

### समझौते से बॉर्डर पर तेजी से क्लीयरेंस मिलेगी

न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने कहा कि जब यह समझौता लागू होगा, तो भारत को होने वाले न्यूजीलैंड के 57 प्रतिशत निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। पूरी तरह लागू होने पर, 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क हटा दिए जाएंगे या काफी कम कर दिए जाएंगे।

### न्यूजीलैंड की जीडीपी बढ़ेगी

ऑस्ट्रेलिया के वेस्टपैक इंस्टीट्यूशनल बैंक की एक रिपोर्ट में भारत के बड़े आकार और विकास की संभावनाओं पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस एफटीए से अगले दशक में न्यूजीलैंड की जीडीपी में लगभग 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

### निर्यातकों को होगा लाभ

मैक्ले ने कहा कि इस समझौते और इससे होने वाले संभावित आर्थिक फायदों के लिए संसद का मजबूत समर्थन मिला है। एफटीए से न्यूजीलैंड के निर्यातकों को भारत में ज्यादा पहुंच मिलेगी।

### मार्च 2025 में की थी घोषणा

नमैक्ले ने कहा कि न्यूजीलैंड-भारत के बीच बातचीत की घोषणा मार्च 2025 में की गई थी और सरकार को उम्मीद है कि यह समझौता इस साल के आखिर तक लागू हो जाएगा। एफटीए से न्यूजीलैंड के निर्यातकों को अपने बिजनेस संबंध बढ़ाने में मदद मिलेगी। 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार दोगुना होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930

हरिभूमि
# भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 17 सितंबर 2026

4 पीएम मोदी के जन्मदिन पर होगा संकल्प अभियान...

5 मैंने हनुमान अंश को नहीं चुना, फिल्म ने मुझे चुना...

# नाम बड़े और दर्शन छोटे: सयाजी, रेडिसन, पलाश पर मेहरबानी, ड्रैगन होर्स का लाइसेंस किया सस्पेंड

बड़े होटलों में सड़ा मशरूम, एक्सपायर फिश, चिकन और मसाले, सड़ी सब्जियां, कॉकरोच के साथ गंदगी भी मिली

वहीद खान ▶▶ भोपाल

- बड़े होटल, रेस्टॉरेंट को दिया नोटिस, छोटे कारोबारियों पर सख्ती
- खाद्य विभाग के अफसरों का तर्क- सैंपल रिपोर्ट का इंतजार
- चार दिन में बीस से अधिक होटल, रेस्टॉरेंट पर छापामार कार्रवाई

हरिभूमि पड़ताल

शहर के लक्जरी और आलीशान होटलों में भारी-भरकम खाने का बिल देकर हाईजीन और स्वच्छता का भरोसा रखने वाले आम लोगों को इन फाइव और थ्री स्टार होटलों में सड़ा और असुरक्षित खाना परोसा जा रहा है। हद तो इस बात की है कि सयाजी, रेडिसन, पलाश, राजहंस समेत बड़ी होटलों में सड़ा मशरूम, एक्सपायरी चिकन, फिश और बासी सब्जियों के बाद भी खाद्य विभाग ने इन होटलों का फूड लाइसेंस सस्पेंड नहीं किया है, जबकि मंगलवार को डैगन होर्स बार और रेस्टॉरेंट में सड़ा मशरूम मिलने पर उसका फूड लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया। इधर खाद्य अफसरों का तर्क है कि इन होटलों से लिए गए सैंपलों की जांच रिपोर्ट आने के बाद एक्शन लिया जाएगा।

शहर के बड़े होटल और रेस्टॉरेंट में क्वालिटी फूड पेश करने के नाम पर नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा चलाए गए दो दिवसीय विशेष औचक निरीक्षण अभियान में राजधानी के नामी होटलों की पोल खुल गई। जांच टीम को होटल रेडिसन में करीब 50 किलो सड़े आलू मिले, तो वहीं होटल सयाजी में एक्सपायरी डेट निकल जाने के बाद भी चिकन और फिश का उपयोग किया जा रहा था। इस दौरान खराब और कीड़े लगी सामग्री को मौके पर ही नष्ट कराया गया और कई होटलों को सुधार के नोटिस थमाए गए।

## अवमानक पर जुर्माना, असुरक्षित मिलने पर सजा-जुर्माना दोनों

बावड़ियाकलां में कलां गुरु कृपा फूड एंड कैटर्स में जांच की गई।

आम लोगों के उपयोग के खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर दो तरह के प्रावधान रखे गए हैं। खाद्य पदार्थ को अवमानक (मिसब्रांडेड) मिलने पर एडीएम कोर्ट में केस पेश किया जाता है, जहां पर अधिकतम पांच लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। हालांकि ज्यादातर मामलों में अधिकतम दो लाख रुपए तक का जुर्माना देखने में आया है। इधर खाद्य पदार्थ में रसायन और हानिकारक केमिकल मिलाने पर केस सिविल कोर्ट में पेश किया जाता है, जहां छह महीने की सजा और जुर्माना दोनों हो सकते हैं।

## आज भी 2 रेस्टॉरेंट पर पहुंची टीम, सड़ी प्याज और भोजन मिला

### द सेलेस्टियल पार्क में सड़ी प्याज से बनाया खाना

भोजपुर रोड स्थित द सेलेस्टियल पार्क में एक्सपायरी डेट के मसाले मिले। यहां पर 20 किलो सड़ी प्याज भी मिली है, जिसे नष्ट करा दिया गया है। यहां से मूंग दाल और काजू के सैंपल लिए गए।

### रंजीत रिजॉर्ट में गंदे बर्तनों में फूड सर्व

होशंगाबाद रोड स्थित रंजीत रिजॉर्ट में टीम जब पहुंची, तो वहां गंदे बर्तनों पर खाद्य पदार्थ सर्व किए जा रहे थे। रेस्टॉरेंट में डस्टबीन भी खुले मिले। किचन में गंदगी को लेकर नोटिस दिया गया है।

### अमानते रेस्टॉरेंट की दाल मखनी में बदबू

बावड़ियाकलां स्थित अमानते रेस्टॉरेंट में टीम ने जांच की। फ्रीजर में रखी दाल मखनी में बदबू आ रही थी। जिसे मौके पर नष्ट कराया गया। टीम ने यहां से मूंग दाल, तुवर दाल और आटे के सैंपल लिए हैं।

### गुरु कृपा फूड एंड कैटर्स के यहां किचन में मिले कॉकरोच

महेंद्र बिजनेस स्क्वायर बावड़ियाकलां कलां गुरु कृपा फूड एंड कैटर्स के यहां जांच की गई। टीम जब किचन में पहुंची तो उसे चार कॉकरोच मिले। धुले हुए बर्तनों को गंदगी में रखा गया था। टीम ने यहां से एवरेस्ट चाट मसाला, श्री मां मक्का आटा, हर्ष मसाले, परमात्मा पास्ता के पैकेट एक्सपायरी डेट के थे। यहां से पनीर का सैंपल लिया गया है।

### सुधार का मौका दिया जाना चाहिए बैठक रखकर करेंगे जागरूक

मप्र होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी का कहना है कि हाल ही में खाद्य सुरक्षा विभाग ने प्रदेश स्तर पर फाइव और थ्री स्टॉर होटल और रेस्टॉरेंट में जांच अभियान शुरू किया है, जिसमें कई होटलों के किचन में कमियां मिलने की बात सामने आई है। इसको देखते हुए हम राजधानी में होटल संचालक और मैनेजमेंट से जुड़े लोगों की बैठक भी रख रहे हैं। प्रयास किया जाएगा कि शहर और बाहर से आने वाले लोगों को स्वच्छ और हाईजीन फूड प्रोवाइड किया जाए। खाद्य विभाग के अफसरों से भी अपील है कि वह सुधार का मौका देकर दोबारा से जांच करें, जिसमें सुधार नहीं मिलने पर संबंधित होटल और रेस्टॉरेंट कारोबारी पर एक्शन लिया जाए।

### इन होटल, रेस्टॉरेंट में मिली कमियां

- होटल रेडिसन में 50 किलो सड़े आलू और बिना मार्का की ब्रेड, फ्रोजन मीट के पैकेट पर खून के धब्बे मिले और कमरों की डस्टबिन बिना ढक्कन के खुले हुए थे।
- होटल सयाजी में फिश और चिकन एक्सपायरी डेट के बाद भी उपयोग किया जा रहा था। मीट प्रोसेसिंग और बिक्री से जुड़े जरूरी लाइसेंस और पीने के पानी की शुद्धता रिपोर्ट भी नहीं दी।
- होटल पलाश में 8 पैकेट सड़े मशरूम, बिना लेबल का चिकन मसाला और एक्सपायरी आटा मिलने पर सामग्री नष्ट कराई।

### दिया गया है नोटिस

- टर्टोकोइस हास्पिटैलिटी के यहां मूंग दाल व राजमा में कीड़े मिले, बेहद काली व गंदी कड़ाही, नानवेज फ्रीजर में गंदगी मिली। इधर होटल आदित्य ग्रैंड में एक्सपायरी ब्रेड मिली।
- एमपी नगर स्थित राजहंस होटल के किचन में एक मशरूम का सड़ा पैकेट भी मिला।

### मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक से सीधी बात

- **सवाल-** कई बड़ी होटलों में सड़े आलू, मशरूम मिले हैं, जबकि कई में एक्सपायर डेट के मसाले। फिश और चिकन भी एक्सपायर मिला है, बावजूद इसके इन होटलों का फूड लाइसेंस सस्पेंड क्यों नहीं किया?
- **जवाब-** सड़े सामान को नष्ट करा दिया है। एक्सपायर मसालों के सैंपल लिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।
- **सवाल-** ड्रैगन होर्स बार में सड़े मशरूम के पैकेट मिलने पर फूड लाइसेंस सस्पेंड किया है, जबकि बड़ी होटलों को सिर्फ नोटिस, ऐसा क्यों?
- **जवाब-** ड्रैगन होर्स बार के किचन में चूहों की लेंडियां भी मिली थीं। गंदगी से लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा हो सकता था, इसलिए लाइसेंस सस्पेंड किया गया है।
- **सवाल-** चुनिंदा होटल और रेस्टॉरेंट पर ही जांच हो रही है, इंस्पेक्टर जानकारी दे देते हैं?
- **जवाब-** अभियान की शुरुआत में बड़ी होटल और रेस्टॉरेंट पर जांच की जा रही है। आप बता दें कहां करना है।

## आज से राजधानी के 31 अस्पतालों और ब्लड सेंटरों में लगेंगे रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भोपाल जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक व्यापक स्तर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को जिला चिकित्सालय भोपाल सहित जिले के 31 चिन्हित अस्पतालों एवं ब्लड सेंटरों में इन-हाउस तथा विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से आउटडोर रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। रक्तदान शिविरों के लिए जिला चिकित्सालय भोपाल के साथ बंसल हॉस्पिटल शाहपुरा, न्यू भोपाल ब्लड सेंटर अरेरा कॉलोनी, अर्पण ब्लड सेंटर एमपी नगर, वेद हाईटेक चैरिटेबल ब्लड सेंटर अरेरा कॉलोनी, करोंद ब्लड सेंटर एंड कम्पोनेंट सेंटर, महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, पीपुल्स हॉस्पिटल ब्लड सेंटर भानपुर, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल, एमपी थैलेसीमिया किड केयर सोसायटी, इंदिरा गांधी महिला एवं बाल चिकित्सालय और तत्पर ब्लड एवं कम्पोनेंट सेंटर को चिन्हित किया गया है। इसी प्रकार सिटी ब्लड सेंटर ऑफ भोपाल चैरिटेबल ट्रस्ट, जवाहर नेहरू कैंसर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर, चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, चिरायु हेल्थ एंड मेडिकल, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं हमीदिया चिकित्सालय, सेवा ब्लड सेंटर, मानस ब्लड सेंटर एंड कम्पोनेंट सेंटर, जे.के. हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर, अपोलो सेज हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, सागर मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, विजन ब्लड सेंटर, नोबल हॉस्पिटल, कस्तूरबा चिकित्सालय, लाइफ सेवर ब्लड सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), लाइफ लाइन ब्लड एंड कम्पोनेंट सेंटर, आरकेडीएफ जाटखेड़ी तथा नवोदय ब्लड सेंटर में भी रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे।

### उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने की रक्तदान की अपील

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज से आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत प्रदेशवासियों से स्वैच्छिक रक्तदान में सक्रिय सहभागिता की अपील की है। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद का जीवन बचाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। गर्भवती महिलाओं, सिकल सेल, थैलेसीमिया, एनीमिया, डायलिसिस एवं कैंसर से पीड़ित मरीजों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता होती है। शुक्ल ने कहा कि अभियान के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में रक्तदान शिविर, ब्लड ग्रुपिंग एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों में सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं, युवा संगठनों, क्लबों तथा औद्योगिक एवं व्यावसायिक संस्थानों की सहभागिता होगी।

भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
पी एम विश्वकर्मा

"पी एम विश्वकर्मा न केवल देशभर के कारीगरों और शिल्पकारों के कौशल को बढ़ाएगा, बल्कि उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों को विश्व स्तर पर नई पहचान भी दिलाएगा।"
- प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी

पी एम विश्वकर्मा
सम्मान | सामर्थ्य | समृद्धि
प्रगति के तीन वर्ष

मुख्य अतिथि
श्री शुभेंदु अधिकारी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल
श्री जीतन राम मांझी
केंद्रीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति
सुश्री शोभा करांदलाजे
राज्य मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के सशक्तिकरण की दिशा में एक नई सोच
- पी एम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र एवं पहचान-पत्र
- कौशल प्रशिक्षण एवं ₹500 प्रतिदिन स्टाइपेंड
- 5% रियायती ब्याज दर पर ₹3 लाख तक बिना गारंटी ऋण
- ई-वाउचर के द्वारा ₹15,000 तक की आधुनिक टूलकिट
- गुणवत्ता प्रमाणन, ब्रांडिंग एवं देशभर के जिलों में विपणन सहायता
- डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहन

समग्र सरकार के दृष्टिकोण एवं तकनीक व नवाचार के माध्यम से जोड़े गए
2.5 लाख ग्राम पंचायतें | 5 लाख+ सीएससी-वीएलई | 1.7 लाख बैंक शाखाएं | 1.5 लाख डाक कर्मी | 785 जिले

उपलब्धियाँ
- 30 लाख विश्वकर्माओं का सफल पंजीकरण
- 24 लाख से अधिक विश्वकर्माओं को कौशल प्रशिक्षण
- 5% रियायती ब्याज दर पर 6 लाख से अधिक विश्वकर्माओं को ₹5,277 करोड़ का ऋण स्वीकृत
- 18 लाख विश्वकर्माओं को आधुनिक टूलकिट की ओपन-बॉक्स डिलीवरी
- डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा 9 लाख से अधिक विश्वकर्माओं को ₹42.63 करोड़ प्रोत्साहन राशि

CBC: 25113/13/0043/2627

17 सितंबर 2026, दोपहर 2:30 बजे से | धनधान्य सभागार, कोलकाता, पश्चिम

## राजधानी में कदम-कदम पर विराजीं भगवान गणेश प्रतिमाओं की कुछ आकर्षक झलकियां...

भवानी चौक सोमवारा स्थित सुंदर गणेश प्रतिमा।

भवानी चौक सोमवारा स्थित मन्नतों के राजा की आकर्षक प्रतिमा।

पीरगेट भवानी चौक स्थित भगवान गणेश की प्रतिमा।

### राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन और राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन समीक्षा की बैठक

# आंगनबाड़ी, स्कूलों में लगाए स्क्रीनिंग कैम्प रोगों से सजगता के प्रयासों में छात्रों को जोड़ें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल की स्क्रीनिंग में बच्चों की जांच को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालय और आंगनवाड़ी केन्द्रों में कैम्प लगाकर स्क्रीनिंग का कार्य किया जाना चाहिए।

राज्यपाल पटेल बुधवार को लोकभवन में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन 2047 और राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, उच्च शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार भी मौजूद थे। राज्यपाल ने बैठक उपरांत जनजातीय कार्य विभाग के साथ की धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं पीएम जनमन योजना की समीक्षा की।

राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन 2047 और राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक को संबोधित करते राज्यपाल।

### एक करोड़ 34 लाख की सिकल सेल रोग की स्क्रीनिंग

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बताया कि प्रदेश में कुल एक करोड़ 34 लाख की सिकल सेल रोग की स्क्रीनिंग हो चुकी है। इनमें से 92 प्रतिशत को जेनेटिक कार्ड का वितरण किया जा चुका है। सिकल मित्र पहल के तहत 4,825 मित्र बनाएं गए। उनकी संख्या को बढ़ाने के बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश की टीबी रोग मुक्त रोगियों की दर 89 प्रतिशत हो गई है। मृत्यु दर में भी कमी आयी है। आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि विभाग की ओर से 30 हजार से अधिक सिकल सेल रोगियों को डोर-टू-डोर जाकर दवा का वितरण किया जा रहा है। सिकल सेल प्रभावित व्यक्तियों से भी सम्पर्क किया जाता है।

### राज्यपाल ने जनजातीय विकास योजनाओं की समीक्षा की

राज्यपाल पटेल ने जनजातीय कार्य विभाग के साथ की धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं पीएम जनमन योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। बच्चों के विकास और कल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। उनकी गुणवत्ता उत्कृष्ट हो। अधिकारी क्षेत्र भ्रमण कर कार्यों की नियमित निगरानी करें।

### जन प्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त किया

राज्यपाल पटेल ने कहा कि सिकल सेल और क्षय रोग उन्मूलन प्रयासों में जन प्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा की है कि सांसद, विधायक से सम्पर्क कर उनके क्षेत्र में सिकल एवं क्षय रोग उन्मूलन अभियान के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था और स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन में आवश्यक वित्तीय सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करें। राज्यपाल पटेल ने कहा कि सिकल सेल और क्षय रोग उन्मूलन प्रयासों में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण घटक है। जरूरी है कि जागरूकता प्रयासों में युवाओं को सहयोगी बनाया जाए। राज्यपाल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रकाशनों का लोकार्पण किया।

### दुबड़ी सातें या दुबड़ी सप्तमी भी विख्यात

## संतान सप्तमी व्रत आजः संतान की दीर्घायु की कामना के लिए महिलाएं रखेंगीं संतान सप्तमी व्रत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

संतान प्राप्ति और दीर्घायु की कामना के लिए महिलाएं गुरुवार को संतान सप्तमी व्रत रखेंगी। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को महिलाओं द्वारा संतान सातें का व्रत किया जाता है।

संतान सप्तमी व्रत को दुबड़ी सातें या दुबड़ी सप्तमी भी कहते हैं। इस दिन भगवान शिव एवं माता गौरी की पूजा का विधान होता है। इनकी पूजा की जाती है। पूजन अर्चना के बाद महिलाएं अपनी सास के पैर छूकर आशीर्वाद लेती हैं। इस दिन संतान साते की कथा भी सुनी जाती है। ऐसी मान्यता है कि दुबड़ी माता की विधि विधान पूर्वक पूजा करने से उत्तम संतान प्राप्त होती है तथा वह स्वस्थ व दीघार्यु भी होती है। इस व्रत को करने वाली माता को प्रातः काल में स्नान और नित्यक्रम क्रियाओं से निवृत्त होकर, स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए। इसके बाद प्रात काल में भगवान श्री विष्णु और भगवान शिव की पूजा अर्चना करनी चाहिए और सप्तमी व्रत का संकल्प लेना चाहिए। निराहार व्रत कर दोपहर को चौक पूरकर चंदन, अक्षत, धूप, दीप, नैवेध, सुपारी तथा नारियल आदि से फिर से भगवान शिव-पार्वती की पूजा करनी चाहिए।

### 24 घंटे तैनात रहेंगी गोताखोरों की टीमें

## घाटों पर क्रेन से विसर्जित होंगी बड़ी गणेश मूर्तियां

घाटों का निरीक्षण करतीं महापौर।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

डोल ग्यारस और गणेश विसर्जन को लेकर बुधवार को महापौर मालती राय ने प्रेमपुरा, कमलापति और खटलापुरा घाट का निरीक्षण किया।

डोल ग्यारस से ही गणेश मूर्तियों का विसर्जन शुरू हो जाएगा। इसके चलते बड़े घाटों पर क्रेन की मदद से मूर्तियां विसर्जित की जाएगी। वहीं, छोटी मूर्तियों के लिए कुंड बनाए गए हैं।घाटों पर 24 घंटे गोताखोर तैनात रहेंगे। महापौर ने चल समारोह मार्ग, विसर्जन घाटों की मरम्मत, रंगाई-पुताई करने, विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई, घाटों पर गोताखोर तैनात करने, फायर ब्रिगेड, क्रेन, पोकलेन मशीनों की व्यवस्था करने को कहा। इधर, बुधवार को ही महापौर ने निगम मुख्यालय पर गणेश विसर्जन और चल समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक की। इस दौरान अधिकारियों को व्यवस्था करने को निर्देश दिए।

### खबर संक्षेप

#### प्राथमिक शिक्षा में शून्य पर पहुंची ड्रॉप आउट दर

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे निरंतर नवाचारों और सुधारों का सकारात्मक असर भी प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में दिखाई दे रहा है। पिछले 23 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में किए गए बदलावों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की वजह से प्राथमिक शालाओं में विद्यार्थियों की ड्रॉप आउट दर शून्य तक पहुंच गई है। शासकीय स्कूलों के छात्रों के नवाचार के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में प्रदेश सरकार लगातार प्रयास कर रही है। सीएम के निर्देशानुसार विद्यार्थियों को शिक्षा से सतत जोड़े रखने और उनकी पढ़ाई को रूचिकर एवं आसान बनाने में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। साइकिल, स्कूटी, लैपटॉप, गणवेश और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को आर्थिक संबल प्रदान कर शिक्षा के लिये प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इन योजनाओं ने विद्यार्थियों की स्कूल तक पहुंच बढ़ाने के साथ ही उन्हें पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया है।

#### आध्यात्मिक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आज से

**भोपाल।** ब्रह्माकुमारीज़ सुख-शांति भवन मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर, नीलबड़ में आगामी दिनों में आध्यात्मिक जागृति के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में विश्वकर्मा दिवस पर कारीगरों एवं श्रमिकों तक आध्यात्मिक संदेश पहुंचाने की पहल, राजयोगिनी अवधेश दीदी का प्रथम पुण्य स्मृति दिवस, नगर निगम के सफाई कर्मचारियों का सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर प्रमुख हैं। 17 सितंबर को विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के विश्वकर्मा निर्माण विंग द्वारा विशेष सेवा अभियान चलाया जाएगा। 18 सितंबर को सुख-शांति भवन, नीलबड़ में नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। 19 सितंबर को राजयोग भवन, अरेरा कॉलोनी में ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल ज़ोन की पूर्व निदेशिका अवधेश दीदी का प्रथम पुण्य स्मृति दिवस श्रद्धा एवं आध्यात्मिक भाव के साथ मनाया जाएगा। 20 सितंबर को सुख-शांति भवन मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर, नीलबड़ में राजयोगिनी अवधेश दीदी का विशेष प्रथम पुण्य स्मृति कार्यक्रम आयोजित होगा।

#### सरकारी संस्थानों में बीएएमएस छात्रों को मिलेगा इंटर्नशिप स्टाइपेंड

**भोपाल।** सरकारी संस्थानों में बीएएमएस विद्यार्थियों को इंटर्नशिप स्टाइपेंड मिलेगा। इसके लिए भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) ने महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्नातक आयुर्वेद शिक्षा के मानकों का हवाला देते हुए कहा है कि सरकारी संस्थानों में कार्यरत बीएएमएस इंटर्न्स को संबंधित नियमों के अनुसार स्टाइपेंड दिया जाना चाहिए। एनसीआईएसएम ने सभी संबंधित विश्वविद्यालयों एवं आयुर्वेद महाविद्यालयों को नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए निर्धारित स्टाइपेंड का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नीमा छात्र संघ अध्यक्ष डॉ. हरेंद्र सिंह भदौरिया ने कहा कि यह निर्देश आयुर्वेद विद्यार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है।

### 250 से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा

## अखिल भारतीय आयुर्वेद निबंध प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाई उद्धवदास मेहता स्मृति एवं विश्व आयुर्वेद परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वैद्य उद्धवदास मेहता अखिल भारतीय पीजी निबंधन प्रतियोगिता-2026 का परिणाम घोषित किया गया है।

सचिव वैद्य सौरभ मेहता और कोषाध्यक्ष वैद्य गोपालदास मेहता ने बताया कि इसमें देश भर से 250 से ज्यादा आयुर्वेद पीजी छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। प्रथम पुरस्कार उत्तराखण्ड वैद्य पवन त्रिपाठी, द्वितीय पुरस्कार अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली के वैद्य मो. फैसल और तृतीय पुरस्कार पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय की वैद्य पूजा सोलंकी को प्रदान किया जाएगा। इसमें प्रथम पुरस्कार को स्वर्ण पदक एवं 21 हजार, द्वितीय पुरस्कार को रजक पदक एवं 11 हजार और तृतीय पुरस्कार को कास्य पदक एवं सात हजार प्रदान किया जाएगा।

## रानी कमलापति-चारखेड़ा रेलखंड का डीआरएम ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने रानी कमलापति-चारखेड़ा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेलखंड में संरक्षा, परिचालन व्यवस्था और रेलवे परिसंपत्तियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीआरएम ने चारखेड़ा, पगढाल और टिमरनी रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं, साफ-सफाई, प्लेटफॉर्म, यात्री आवागमन और संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।

### बीएमएचआरसी में विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह का समापन

## निराशा और उलझनों के बीच घिर जाने पर सकारात्मक सोच बनाए रखना बेहद जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जीवन में कई बार ऐसे हालात आते हैं, जब व्यक्ति निराशा और उलझन से घिर जाता है और उसे समझ नहीं आता कि समस्या से कैसे बाहर निकला जाए। ऐसे समय में सकारात्मक सोच बनाए रखना बेहद जरूरी है।

यह उद्गार बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह के समापन अवसर पर व्यक्त किए।

### हमेशा नहीं रहता मुश्किलों का दौर

बीएमएचआरसी के मनोचिकित्सा विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि मुश्किल दौर हमेशा नहीं रहता और यह समय भी गुजर जाएगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. स्नेहल गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स भोपाल ने कहा कि संकट के क्षणों में सकारात्मक सोच बनाए रखते हुए मदद और संवाद का रास्ता अपनाना जरूरी है।

## ई-फाइलिंग से होगा आबकारी में काम, दफ्तर पहुंचे कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में अवैध शराब के कारोबार को लेकर इन दिनों आबकारी विभाग सुर्खियों में है। गली मोहल्लों में अवैध शराब का कारोबार किया जा रहा है। हालांकि बुधवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने आबकारी दफ्तर का जायजा लिया। कलेक्टर ने यहां ई फाइलिंग सिस्टम से काम करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने कहा कि सरकारी फाइलों को व्यवस्थित तरीके से रखा जाए। रिकॉर्ड में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होना चाहिए। उन्होंने जिला आबकारी अधिकारी को अवैध शराब निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए।

### कार्यक्रम स्थल में तैयार होंगी 17 पार्किंग

## शाखा संगम को लेकर लाल परेड ग्राउंड में तैयारियां शुरू

आरएसएस के आगामी कार्यक्रम की तैयारियां।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) द्वारा राजधानी भोपाल स्थित लाल परेड ग्राउंड पर 20 सितंबर को शाखा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर लाल परेड ग्राउंड में तैयारियां शुरू हो गई हैं। स्वयं सेवकों की संख्या देखते हुए पार्किंग से लेकर अन्य व्यवस्थाएं की जा रही है। जानकारी के अनुसार, यातायात व्यवस्था को देखते हुए इस कार्यक्रम के लिए लालपरेड ग्राउंड सहित आसपास के क्षेत्र में 17 पार्किंग तैयार की जाएंगी। बता दें कि इस कार्यक्रम में संघ के सह सरकार्यवाह (सह कार्यवाह) दत्तात्रेय होसबोले मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे और स्वयं सेवकों को मार्गदर्शन देंगे। दोपहर करीब 3 बजे यह कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में भोपाल विभाग के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संगठनात्मक जिले (भोपाल, प्रताप, भोजपुर, तात्या टोपे और विद्युत नगर) के करीब 30 हजार पूर्ण गणवेशधारी स्वयं सेवक शामिल होंगे। आयोजन के दौरान हजारों स्वयं सेवक एक साथ समता (परेड), शारीरिक व्यायाम, दंड प्रयोग और योग का प्रदर्शन करेंगे।

### प्रत्येक आइकॉनिक स्थानों में होगा दीप प्रज्ज्वलन

## प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस पर शाम 7 बजे ननि, ग्रापं में जलेंगे दीप

### श्री महाकाल महालोक में आयोजित कार्यक्रम में करेंगे सहभागिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर मप्र सरकार की ओर से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान-2026' की शुरुआत की जा रही है। अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगा, जिसके तहत शाम ठीक 7 बजे प्रदेश के प्रत्येक जिले के आइकॉनिक स्थानों, सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड में एक साथ सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन स्थित 'श्री महाकाल महालोक' में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले में 10 प्रमुख आइकॉनिक स्थानों का चयन किया गया है।

- सुशासन और जनसेवा के 25 वर्षों के प्रति आभार

### 'सेवा संकल्प अभियान' की हो रही शुरुआत

इनमें धार्मिक व आध्यात्मिक केंद्र जैसे उज्जैन का महाकाल महालोक, ओरछा का राम राजा लोक, सलकनपुर देवी लोक, प्रमुख मंदिर और पवित्र नदियों के घाट शामिल हैं। इसके साथ ही विकास और निर्माण की प्रतीक परियोजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना के मोहल्ले व कॉलोनियों, नव-निर्मित पुलों, बांधों, अमृत सरोवरों, स्थानीय जल संरचनाओं और नर्मदा घाटी विकास की परियोजनाओं पर भी दीये जलाए जाएंगे। स्वास्थ्य, ऊर्जा और शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी अवसंरचनाएं भी इस आयोजन का मुख्य केंद्र रहेंगी।

### दीप जलाकर जनसेवा का संकल्प लिया जाएगा

एम्स, आयुष्मान योजना से सूचीबद्ध अस्पतालों, औषधालयों, जन-औषधि केंद्रों, सोलर पार्क व नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं, विद्यालयों, कॉलेजों, पंचायत भवनों तथा सामुदायिक केंद्रों में सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन होगा। इसके अतिरिक्त प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों, किलों और प्रमुख सार्वजनिक व पर्यटन स्थलों पर भी दीप जलाकर जनसेवा का संकल्प लिया जाएगा। इस अवसर पर स्व-सहायता समूहों की बहनें, लाड़ली बहना योजना की हितग्राही, किसान, युवा, विद्यार्थी और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे।

### 69वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

## दत्तोपंत ठेंगड़ी ने श्रमिकों में जागरुकता और संगठनात्मक चेतना का किया विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड के 69वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन बुधवार को बीएचईएल के नर्मदा गेस्ट हाउस स्थित अहिल्या बाई सभागार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रमिक शिक्षा बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक अरविंद एस. धुर्वे, शिक्षा अधिकारी अमरीश गर्ग, श्रमिक शिक्षा बोर्ड सदस्य कमलेश नागपुरे, बीएचईएल भोपाल की प्रतिनिधि यूनियन एचईडब्ल्यू भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष संजय चौधरी सहित यूनियन के अनेक पदाधिकारी एवं श्रमिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

69वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन संपन्न हुआ।

### आधुनिक तकनीकी को अपनाने पर दिया जोर

क्षेत्रीय निदेशक अरविंद एस. धुर्वे ने दत्तोपंत ठेंगड़ी श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड की कार्यप्रणाली एवं उद्देश्यों को बताते हुए कहा कि बोर्ड विभिन्न प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से श्रमिकों को श्रम शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ श्रम कानूनों, श्रमिकों के अधिकारों एवं कर्तव्यों तथा सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जागरूक करता है। मुख्य अतिथि हेमराम पटेल ने अपने संबोधन में बदलते औद्योगिक परिवेश में नई तकनीक एवं आधुनिक तकनीकी प्रणालियों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

## खबर संक्षेप

### भेल कॉलेज में हुई ज्ञान वर्धक गतिविधियां

**भोपाल।** राजधानी स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी पखवाड़े के तहत हिंदी विभाग, स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न साहित्यिक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन प्राचार्य डॉ. संजय जैन के निर्देशन तथा हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा जादौन के संयोजकत्व में किया गया। शुरूआत में प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने कहा कि हिन्दी हमारी अभिव्यक्ति का माध्यम है, इसे सशक्त बनाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. सविता डेहरिया ने भारतीय ज्ञान परंपरा में हिंदी भाषा और साहित्य की भूमिका विषय पर विचार प्रस्तुत किए।

### थ्रिफ्ट सोसाइटी सदस्यों को दिया जाएगा बैग

**भोपाल।** भारत हेवी इलेक्ट्रिक्लस लिमिटेड के कर्मचारियों की भेल थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट कॉपरेटिव सोसाइटी चार हजार तीन सौ सदस्यों को विशेष उपहार में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्रांड का बैग देगी। कार्यक्रम का शुभारंभ 18 सितंबर शाम 4 बजे थ्रिफ्ट सोसाइटी परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम में भेल भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय मुख्य अतिथि रहेंगे। थ्रिफ्ट सोसाइटी के अध्यक्ष बसंत कुमार ने बताया कि सदस्यों के हित एवं कल्याण को प्राथमिकता देते हुए सोसाइटी द्वारा समय-समय पर उपयोगी एवं गुणवत्तापूर्ण उपहार प्रदान किए जाते रहे हैं। उन्होंने बताया कि बैग का उपयोग भारतीय क्रिकेट टीम भी करती है। बैग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 15 हजार से अधिक मूल्य में उपलब्ध है।

### औबेदुल्लागंज तक ई-बस को चलाने की मांग

**औबेदुल्लागंज।** धाकड़ समाज के वरिष्ठ व्यापार महासंघ के उपाध्यक्ष कैलाश डब्बू नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद इलेक्ट्रिक बस औबेदुल्लागंज तक नहीं आई।

कैलाश डब्बू नागर ने बताया कि क्षेत्र के 300 व्यापारी भोपाल आना-जाना करते हैं एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं प्रतिदिन आना-जाना करते हैं। इन सभी को आने-जाने में परेशानी उठाना पड़ रही है। औबेदुल्लागंज में मेमो ट्रेन भी प्रारंभ नहीं हुई। इससे औबेदुल्लागंज क्षेत्र के लोगों में निराशा है। नागर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विधायक सुरेंद्र पटवा से आग्रह किया कि समस्या को तत्काल हल कराया जाए।

### विक्रम और नीरज का जन्मदिन मनाया

**औबेदुल्लागंज।** किराना व्यापार संघ के स्तंभ एवं व्यापार महासंघ के सक्रिय विक्रम धाड़ी और नीरज चावला का जन्मदिन मनाया गया। व्यापार महासंघ के संरक्षक अशोक सेठी ने दोनों को आशीर्वाद दिया। संरक्षक अशोक मित्तल और अशोक कामरा ने भी आशीर्वाद दिया। इन दोनों के जन्मदिन पर प्रदीप अरोड़ा, आशीष दीक्षित, विवेक मित्तल, रवि कमल, राजू भाई पटेल, सिद्धार्थ मित्तल, कैलाश डब्बू नागर, दिनेश सेन, गिरीश चावला, श्याम मालवीय, विजय जैन, मनोज चौरसिया, ऋषभ जैन आदि ने दोनों को जन्मदिन की बधाई दी।

**शुभांक**

| | | | |
|---|---|---|---|
| कल्याणः | 1235 | | |
| दिनः | 159 | 50 | 235 |
| रातः | 390 | 26 | 349 |
| तारा: | | | |
| दिनः | 369 | 85 | 500 |
| रातः | 122 | 59 | 289 |

थाना प्रभारी ने सूचना होने के बाद भी चौक बाजार में जुए की फड़ पर नहीं की थी कार्रवाई

# कोतवाली थाना प्रभारी प्रभात निलंबित, बीट प्रभारी व माइक्रो बीट प्रभारी पर भी गिरी गाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में पुलिस कमिश्नर संजय कुमार अब कानून व्यवस्था को लेकर सख्त हो गए हैं। वह केवल जन संवाद ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि अब थाना प्रभारियों पर कार्रवाई भी कर रहे हैं। बजरिया थाना प्रभारी शिल्पा कौरव के बाद अब कोतवाली थाना प्रभारी प्रभात गौड़ और बीट प्रभारी एएसआई राकेश गुर्जर सहित माइक्रो बीट प्रभारी आरक्षक नरेंद्र रावत के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है। उक्त कार्रवाई चौक बाजार में संचालित हो रही जुए की फड़ के कारण की गई।

**कार्रवाई नहीं होने पर एसीपी कोतवाली संतोष पटेल ने जुए की फड़ पर दबिश दी**

### पटेल ने जुए की फड़ से दर्जनभर जुआरियों को गिरफ्तार किया

सूचना मिल रही थी कि चौक बाजार पर जुए की फड़ बैठती है। सूचना के बाद एसीपी कोतवाली संतोष पटेल की टीम ने दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दर्जनभर से अधिक जुआरियों को पकड़ा था। मौके से करीब सवा दो लाख रुपए भी जब्त किए गए थे।

**अधिकारियों के निर्देश थाना पुलिस ने नहीं माने**

जांच में सामने आया कि जुआ बंद कराने को लेकर आला अधिकारियों ने पहले भी निर्देश दिए थे। इसके बावजूद थाना स्तर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने की बात सामने आई। जांच में थाना प्रभारी प्रभात गौड़ पर जुआरियों को संरक्षण देने के आरोपों की भी पड़ताल की गई। इसी आधार पर डीसीपी जोन-3 आयुष गुप्ता ने थाना प्रभारी के साथ बीट और माइक्रो बीट स्तर के पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की।

टीटी नगर में वारदात, किचन में लगी आग

# युवती पर शादी का दबाव बना रहे युवक ने पेट्रोल बम फेंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित बाणगंगा इलाके में युवती पर शादी का दबाव बना रहे युवक ने घर के बाहर खड़ी स्कूटी में तोड़फोड़ की और घर में पेट्रोल बम फेंककर चला गया। पेट्रोल बम फेंकने से किचन में आग लग गई और सामान जल गया। पुलिस ने युवती की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प

लिस के अनुसार ईशा बेग पिता स्वर्गीय कय्यूम बेग (24) ईलाही मस्जिद के पीछे बाणगंगा टीटी नगर में रहती हैं। ईशा ने शिकायत करते हुए बताया कि सोमवार सुबह उसके घर अरबाज उर्फ भय्यू पहुंचा। वह कहने लगा कि तूने मुझसे शादी नहीं की तो तुझे जान से खत्म कर दूंगा। ईशा ने कहा कि मेरी सगाई हो चुकी है। मैं जहां सगाई हुई है वहीं शादी करूंगी। यह सुनते ही अरबाज गुस्से में आ गया और गालीगलोज करने लगा। उसने धमकी दी कि शादी कहीं और की तो तुझे और तेरे होने वाले पति को जान से खत्म कर दूंगा। ईशा ने तत्काल डायल 112 पर कॉल किया। कुछ ही देर बाद पुलिस घर पहुंच गई। यह देख आरोपी अरबाज घर से भाग निकला। उसने कॉल किया और मोबाइल पर गाली गलौज की थी। शाम करीब पांच बजे वह दोबारा ईशा के घर पहुंचा। और शादी करने का कहने लगा। ईशा ने उसे इस बार भी शादी करने से इंकार किया। इस पर वह भड़क गया और बाहर खडी उसकी गाड़ी का सीट कवर फाड़ दिया। साथ ही मास्क पत्थर से तोड़ दिया। ईशा ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने पेट्रोल बम में आग लगाकर किचन में फेंक दिया था। किचिन में पेट्रोल बम गिरने के बाद आग लग गई। आग के कारण अंदर रखे दो फ्रिज और सामान जल गया।

एक साल बाद दूसरी पार्टी ने अपना बताकर कर लिया कब्जा

# दूसरे की संपत्ति बेचकर फाइनेंस कंपनी ने लगाया 2 करोड़ 25 लाख का चूना

**विज्ञापन के माध्यम से हुआ था संपर्क, नीलाम संपत्ति खरीदने के बाद करा दी नाम**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रिवेयरा टाउनशिप माता मंदिर इलाके में रहने वाले एक कारोबारी को फाइनेंस कंपनी ने दो करोड़, पच्चीस लाख, चालीस हजार रुपए का चूना लगा दिया। फाइनेंस कंपनी ने संपत्ति का विज्ञापन देकर नीलाम करने की बात कही थी।

कारोबारी ने फाइनेंस कंपनी से संपर्क किया और चालीस हजार रुपए अतिरिक्त बोली लगाई। फाइनेंस कंपनी के अधिकारियों ने उनकी बोली (बिड) को फाइनल बताते हुए संपत्ति उनके नाम करने की प्रक्रिया पूरी कर दी। फाइनेंस कंपनी ने उनके नाम संपत्ति भी कर दी, लेकिन एक साल बाद पता चला कि वह संपत्ति किसी और की है। ठगी का शिकार कारोबारी ने आलाधिकारियों को शिकायती आवेदन दिया था। आवेदन जांच के बाद पुलिस ने फाइनेंस कंपनी के अधिकारियों पर धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार मनेंद्र प्रताप सिंह, रिवेरा टाउनशिप माता मंदिर में रहते हैं। कारोबारी मनेंद्र प्रताप ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि विज्ञापन के माध्यम से उन्हें पता चला था कि एमपी नगर में भूतल पर निर्मित बहुमंजिला इमारत आकांशा कॉम्पलेक्स जो प्रेस कॉम्पलेक्स, में है, नीलामी

और विक्रय की जानी है। यह विज्ञापन पिरामल केपिटल और हाउसिंग फाइनेंस कॉपोरेशन लिमिटेड द्वारा दिया गया था। मनेंद्र प्रताप सिंह ने पिरामल केपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस कॉपोरेशन लिमिटेड से संपर्क किया। इस दौरान फाइनेंस कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि संपत्ति वित्तीय संस्था के पास बंधक रखी गई थी और लोन प्राप्तकर्ता के द्वारा लोन न चुकाने के कारण संपत्ति की नीलामी की जा रही है। संपत्ति के दस्तावेज बैंक के पास उपलब्ध है और संपत्ति को वित्तीय संस्थान को विक्रय करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। संपत्ति पहली बार फाइनेंस कंपनी के एजेंट ने दिखाई। एजेंट ने संपत्ति आकांक्षा कॉम्पलेक्स के परिसर में घुसते ही सामने का पहला ऑफिस दिखाया। जिस पर वित्तीस संस्था की नीलामी सूचना लगी हुई थी। इसके बाद वह पिरामल केपिटल एवं हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड में नौकरी करने वाले अभय और सुशील कुमार से मिले। उन्होंने कहा कि बैंक में विक्रयाधीन संपत्ति में कभी धोखा नहीं होता है। संपत्ति पूरी तरह से जांची परखी होती है। अच्छी लोकेशन देखते हुए मनेंद्र प्रताप सिंह ने संस्था के द्वारा उल्लेखित नीलामी राशि 2 करोड़ 25 लाख से के ऊपर 40 हजार रुपए अतिरिक्त लगा दिए। उनकी बिड का चयन हो गया। इसके बाद फाइनेंस कंपनी ने डीडी से भुगतान लेकर संपत्ति उनके नाम करा दी। उन्होंने संपत्ति का 5 मार्च 2025 तक उपयोग किया गया और ताला लगा कर संरक्षित रख दिया। एक साल बाद 6 मार्च को वह संपत्ति देखने पहुंचे तो ऑफिस का बाहर का ताला टूटा हुआ था और अंदर से गेट पर ताला बंद था। फ्लैक्स लगा हुआ था कि उक्त संपत्ति के मालिक मंजू गुप्ता, रेनू गुप्ता और अर्चना गुप्ता है। साथ ही मोबाइल नंबर भी लिखा हुआ था। उन्होंने मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। इस दौरान अनिल गुप्ता नामक व्यक्ति से बात हुई। उसने बताया कि वह रेणु गुप्ता के पति हैं। उनसे पूछा गया कि हमारी संपत्ति पर अनाधिकृत प्रवेश क्यों किया तो वह कहने लगे कि यह संपत्ति मंजू गुप्ता, रेनू गुप्ता और अर्चना गुप्ता की है। उनसे पूछा कि अभी तक आप क्यों नहीं आए तो वह कहने लगे कि हमारे पास कई सम्पत्ति है, उसका हमें ध्यान भी नहीं रहता।

### अयोध्या नगर में बाइक सवार बदमाशों ने स्कूटर सवार युवती का बैग झपटा

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित गणेश गैलेक्सी सिटी के पास बायपास पर बाइक सवार बदमाशों ने स्कूटर सवार युवती के हाथ से बैग झपट लिया। घटना सोमवार रात करीब पौने दस बजे के आसपास की है। तीज का व्रत होने के कारण घटना की शिकायत युवती ने एक दिन बाद मंगलवार को थाने पहुंचकर की। पुलिस ने युवती की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार साक्षी लोधी पति संजीव सिंह लोधी (28) शारदा नगर, शनि मंदिर के पास रहती हैं और निजी कॉलेज में नौकरी करती हैं। साक्षी ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि सोमवार रात करीब पौने दस बजे वह अपने भाई की जुपीटर से अयोध्या नगर चौराहा से रत्नागिरी तिराहा की तरफ तरफ जा रही थी। गणेश गैलेक्सी सिटी के पास पहुंचते ही बाइक सवार दो बदमाश स्कूटर की बाएं तरफ आए और पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर साक्षी के हाथ से बैग झपट लिया। बैग में रेडमी कंपनी का मोबाइल और कुछ नगदी रुपए थे।

### शादी के तीन साल बाद ही नव विवाहिता ने फांसी लगाई

**भोपाल।** ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित इकरा मस्जिद के पास सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात नव विवाहिता ने मायके में फांसी लगा ली। मंगलवार सुबह उसका शव परिजन ने फांसी के फंदे पर लटका देख पुलिस को सूचना दी थी। उसकी शादी तीन साल पहले ही हुई थी। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने एफएसएल की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कराने के बाद शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार अतिसा खान (23) इकरा मस्जिद के पास, ऐशबाग में रहती थीं। उसकी शादी तीन साल पहले ही मोहल्ले में रहने वाले एक युवक से हुई थी। लिस का अनुमान है कि पारीवारिक कलह के चलते उसने यह कदम उठाया है।

### अस्पताल की महिला सफाईकर्मी से दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हनुमानगंज पुलिस ने सरकारी अस्पताल की महिला सफाई कर्मी की शिकायत पर कथित प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म और दैहिक शोषण की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। दोनों की अस्पताल में मुलाकात हुई थी। आरोपी ने करीब दो साल पहले पहली बार नादरा बस स्टैंड के पास एक लॉज में बुलाकर महिला दुष्कर्म किया और फिर झांसा देकर लगातार दैहिक शोषण करता रहा। पिछले दिनों आरोपी हरीश रैकवार ने शादी करने से इनकार कर दिया। पुलिस में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार एमपी नगर क्षेत्र में रहने वाली 30 साल की महिला एक सरकारी अस्पताल में सफाईकर्मी है।

10 सितबर से चल रहा धरना प्रदर्शन, प्रशासन ने मांग मानी

# गिन्नौरगढ़ किला एवं केरी के महादेव में भक्तों को मिली पूजा-पाठ की अनुमति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

नगर में आंबेडकर चौराहे पर आदिवासी गोंडवाना समाज के द्वारा रातापानी अभयारण्य के अंतर्गत गिन्नौरगढ़ किले और केरी के महादेव स्थल में और ग्राम उमरिया का मंदिर रेलवे भूमि में आने के कारण मंदिर के लिए अलग भूमि देने और स्थापना करने के लिए विगत 10 सितंबर से कोयतोड गोंडवाना महासभा का चल रहा है।

बुधवार को धरना प्रदर्शन वालों को वन विभाग ने गिन्नौरगढ़ किला एवं केरी के महादेव में पूजा पाठ करने की अनुमति लिखित प्रदान कर दी है। सात दिवस से चल रहे धरना प्रदर्शन में इनकी मांगों में से दो मांगें मुख्य वन संरक्षक अधिकारी कार्यालय भोपाल का आदेश मिलते ही पूर्ण हो गई है। बुधवार को वन एसडीओ निकुंज पांडे, एसडीएम गौहरगंज चंद्रशेखर श्रीवास्तव, एसडीओपी शीला सुराणा, तहसीलदार निलेश सरबटे, टीआई भारत प्रताप सिंह आंबेडकर चौराहा के धरना प्रदर्शन स्थल पहुंचे व प्रदर्शनकारियों को अनुमति प्रदान करने का आदेश दिया। यह आदेश प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव डॉ. समिता राजोरा का अनुमति पत्र आदिवासी नेताओं को

दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि अन्य मांगे भी पूर्ण हो जाएगी, धरना प्रदर्शन अब समाप्त कर दें। इस पर आदिवासी नेता ब्रज धुर्वे, रवि धुर्वे, कौशल्या उइके, रूपरामपुर से वरुण उइके, नवल शाह मौर्य, बासूबाई मर्सकोले, अनिल कुमरे, समर मसकोले, आकाश उइके ने अनुमति पत्र मिलने पर हर्ष व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से पटवा ने की भेंट

**औबेदुल्लागंज।** बुधवार को विधायक सुरेंद्र पटवा ने आत्मशुद्धि, संयम, अहिंसा और क्षमायाचना के माध्यम से जीवन को सद्भावना एवं सम्यक दृष्टि के पथ पर अग्रसर करने वाले पावन महापर्व 'पर्युषण' पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव से क्षेत्र के विकास कार्यों एवं अन्य समसामयिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल ने पाया प्रथम स्थान

# कक्षा सातवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के सुरों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

भारत विकास परिषद, संत हिरदाराम नगर शाखा, भोपाल द्वारा विद्यार्थियों में देशभक्ति, भारतीय संस्कृति एवं संगीत के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

इस अंतर-विद्यालयी प्रतियोगिता में क्षेत्र के 10 प्रतिष्ठित विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं से बारहवीं तक की छात्राओं ने अपनी मधुर गायन प्रतिभा, सामूहिक प्रस्तुति एवं सुर-ताल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रस्तुति देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। छात्राओं की उत्कृष्ट प्रस्तुति को निर्णायक मंडल द्वारा सराहा गया ।प्रतियोगिता में विद्यालय की ओर से अंशिका शर्मा, आरोही प्रजापति, विधिका गिल, नीलम सावलानी, स्तुति भट्ट, अनन्या शर्मा, ऋषिका सिंह एवं समृद्धि जैन ने समूह गान में सहभागिता की। खंजरी वादन में गरिमा मनवानी ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति दी। विद्यालय की इस उपलब्धि का विशेष महत्व इसलिए है क्योंकि प्रथम स्थान प्राप्त करने के पश्चात नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता के अगले चरण के लिए क्वालीफाई कर गया है। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अमृता मोटवानी ने सभी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रभावना से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर देती हैं।

जांच प्रभावित होने की आशंका

# निलंबित कर्मी के नगर पंचायत कार्यालय में बैठने पर उठे प्रश्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

नगर पंचायत औबेदुल्लागंज कार्यालय में निलंबित कर्मचारी राजकुमार शर्मा के रविवार को दिनभर मौजूद रहने और अध्यक्ष प्रतिनिधि के साथ बैठकर फाइलें देखने की चर्चा नगर में बनी रही।

प्रतिपक्ष नेता एवं 8 पार्षदों ने बताया कि राजकुमार शर्मा पर जांच लंबित है और उन पर बिल्डिंग परमिशन तथा नामांतरण से जुड़े मामलों में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच चल रही है। ऐसे में उनका कार्यालय में बैठकर फाइलों का निरीक्षण करना या उन्हें देखना जांच की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। भाजपा नेता वचन लोधी, पूर्व पार्षद एल्डरमैन आरती यादव, भाजपा नेता पूर्व पार्षद पदम चौहान, भाजपा नेता माखन सेन ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) से मांग की है कि जांच पूरी होने तक निलंबित कर्मचारी को नगर पंचायत कार्यालय और सरकारी अभिलेखों से पूरी तरह दूर रखा जाए। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जांच से संबंधित सभी फाइलें सुरक्षित रहें और उनकी निगरानी की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त हो सके।

स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान का भी होगा शुभारंभ

पार्किंग, सीटिंग, पेयजल यात्री सूचना, बैगेज, सुरक्षा हेल्पडेस्क पर रहेगा फोकस

# एयरपोर्ट पर 'सेवा अभियान' से यात्री सुविधाओं में और ज्यादा होगा विस्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, राजा भोज विमानतल भोपाल द्वारा 17 सितंबर से 10 अक्टूबर तक यात्री सेवा अभियान 2026 आयोजित किया जा रहा है। इसी के साथ स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान का भी शुभारंभ 17 सितंबर से किया जाएगा।

दोनों अभियानों का शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ किया जाएगा। यात्री सेवा अभियान का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित, स्वच्छ एवं सहज यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराना है। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता, स्वच्छ सार्वजनिक स्थानों का सौंदर्यीकरण एवं जनभागीदारी पर विशेष जोर रहेगा।

**बेहतर यात्री अनुभव मिल सकेगा**

यात्रियों के फीडबैक एवं शिकायतों को प्राथमिकता देते हुए उनके त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्थानीय कला-संस्कृति, पर्यटन एवं अतिथि देवो भवः की भावना को बढ़ावा दिया जाएगा। दोनों अभियानों के माध्यम से स्वच्छता, सेवा, सुरक्षा एवं यात्री संतुष्टि को केंद्र में रखते हुए बेहतर यात्री अनुभव प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।

**प्रथम बार यात्रा करने वाले यात्रियों को विशेष सहायता**

यात्रियों की सुविधाओं के अंतर्गत पार्किंग, सीटिंग, पेयजल, साइनेज, यात्री सूचना, बैगेज, सुरक्षा, हेल्पडेस्क एवं यात्री सहायता की विशेष समीक्षा की जाएगी। दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, महिलाओं, बच्चों एवं प्रथम बार यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए विशेष सहायता एवं सुविधाओं को और बेहतर किया जाएगा। डिजी यात्रा, वाई-फाई एवं डिजिटल सेवाओं के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा। चार-तरफा कचरा पृथक्करण, रिड्यूस-रीयूज़-रीसायकल, होम कम्पोस्टिंग एवं सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के विरुद्ध जागरूकता पर जोर रहेगा। सफाईमित्रों के लिए स्वास्थ्य जांच, सुरक्षा उपकरण, कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ाव एवं सम्मान जैसी गतिविधियां की जाएंगी।

ऐलक श्री दयासागर महाराज ने दिया क्रोध नहीं, क्षमा को धारण करने का संदेश

# पर्युषण पर्व के प्रथम दिन उत्तम क्षमा धर्म की पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

पर्युषण पर्व के प्रथम दिन बुधवार को जैन समाज द्वारा उत्तम क्षमा धर्म की आराधना की गई। आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के परम शिष्य ऐलक श्री दयासागर महाराज के सानिध्य में शांति धारा अभिषेक, पूजा-पाठ एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने उत्तम क्षमा धर्म की पूजा-अर्चना कर जीवन में क्षमा भाव धारण करने का संकल्प लिया।

उत्तम क्षमा धर्म पर प्रवचन देते हुए ऐलक श्री दयासागर महाराज ने कहा कि क्रोध नहीं, क्षमा को धारण करो। आज जिस क्षमा धर्म की आराधना की है, उसे अपने जीवन में उतारने का प्रयत्न करना चाहिए। क्षमा केवल पूजा तक सीमित न रहे, बल्कि हमारे व्यवहार और आचरण

में भी दिखाई दे। उन्होंने कहा कि सभी जीवों को क्षमा करता हूं, सभी जीव मुझे क्षमा करें। सभी जीवों के प्रति मेरे मन में मैत्री हो और किसी के प्रति बैर न हो। यह भावना जब हमारे अंतरंग में प्रकट होगी, तभी हम अपने जीवन का उद्धार कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा यथासंभव प्रयास होना चाहिए कि किसी से कलह न हो। यदि कदाचित किसी से विवाद या कलह हो जाए तो तत्काल उसका निवारण कर लेना चाहिए। क्षमा का भाव मनुष्य के जीवन में शांति, सद्भाव और आत्मिक पवित्रता का संचार करता है। पर्युषण पर्व के प्रथम दिन श्रद्धालुओं ने उत्तम क्षमा धर्म की आराधना कर आपसी प्रेम, मैत्री और सद्भावना का संदेश दिया। धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का वातावरण बना रहा। प्राचीन मंदिर मुख्य रोड मे नीति अनुराग जैन, पवन रवि जैन, रितेश ऋतु जैन ने कहा कि विनय मोक्ष का द्वार है। विनय से तप होता है। ज्ञान का कारण ही विनय है। तामोट में दिगंबर जैन मंदिर में अरुण जैन, अजीत जैन, अरविंद जैन, मनोज जैन, राजेंद्र जैन, सुमन जैन, प्रतिभा जैन, पिंकी जैन, रीना जैन, आशा जैन आदि ने शांति धारा की।

## खबर संक्षेप

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की राज्यपाल से भेंट

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार की सुबह लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट की। भेंट के दौरान विभिन्न सम-सामयिक विषयों पर चर्चा हुई। डॉ यादव ने राज्यपाल पटेल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर प्रदेश में 17 सितम्बर से प्रारंभ हो रहे एक माह की अवधि के 'सेवा संकल्प अभियान' एवं 'स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन योजना-2026' के तहत प्रदेश के 50 लाख लोगों को उनके पट्टे की पक्की रजिस्ट्री कराकर संबंधितों को निःशुल्क वितरण करने के लिए राज्य सरकार द्वारा की जा रही व्यापक तैयारियों की जानकारी दी।

### दैनिक वन सुरक्षा श्रमिकों को दिया जाए कुशल कर्मचारी का वेतन

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के वन विभाग में कार्यरत दैनिक वन सुरक्षा श्रमिक कर्मचारीयों को विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने अभी तक कुशल कर्मचारी का वेतन देने के आदेश जारी नहीं किए है। जबकि श्रम विभाग ने नई वेतन बढ़ोतरी के आदेश लागू कर दिए है फिर भी वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी श्रम विभाग के आदेश की अवहेलना कर रहे हैं। वन सुरक्षा श्रमिक कर्मचारी मंच के अध्यक्ष अरुण पांडे ने बताया कि वन विभाग में कार्यरत सभी वन सुरक्षा श्रमिक कर्मचारीयों को कुशल कर्मचारी का वेतन नहीं दिया जा रहा है। वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर वन विभाग में कार्यरत सभी दैनिक वन सुरक्षा श्रमिकों को श्रम विभाग की नई वेतन बढ़ोतरी का लाभ दिया जाए और कुशल कर्मचारी का वेतन भुगतान करने की मांग की है। वन सुरक्षा श्रमिक कर्मचारी मंच ने चेतावनी दी है कि 15 दिन में कर्मचारियों की मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो वन मुख्यालय वन भवन का घेराव किया जाएगा।

### मप्र प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति का गठन

**भोपाल।** मध्यप्रदेश निजी व्यावसायिक शिक्षण संस्था प्रवेश का विनियमन एवं शुल्क का निर्धारण अधिनियम में निहित प्रावधानों के तहत राज्य शासन ने मध्यप्रदेश प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति का गठन किया है। समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक रहेगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में कुलपति जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर डॉ. राजकुमार आचार्य को अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में सचिव, अतिरिक्त सचिव, विधि एवं विधायी कार्य, वित्त विभाग अथवा नामांकित अधिकारी एवं संचालक चिकित्सा शिक्षा सदस्य होंगे। संचालक, अतिरिक्त संचालक, तकनीकी शिक्षा को समिति का सदस्य-सचिव नामित किया गया है।

### बरकतउल्ला विवि का दीक्षांत समारोह कल

**भोपाल।** बरकतउल्ला विवि, भोपाल का दीक्षांत समारोह कल सुबह 10.30 बजे मिंटो हॉल में आयोजित किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता मप्र के राज्यपाल मंगू भाई पटेल करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे, जबकि उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग के मंत्री इंदर सिंह परमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह में भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के कुलपति प्रो. के. रंगराजन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर दीक्षांत भाषण देंगे। वहीं बरकतउल्ला विवि के कुलगुरु अनुपम राजन दीक्षांत उपदेश प्रदान करेंगे। समारोह में विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेरिट विद्यार्थियों सहित शोधार्थियों को उपाधियां एवं स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। इस वर्ष स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के मेरिट विद्यार्थियों के 96 पंजीयन हुए हैं, जबकि पीएचडी के लिए 85 पंजीयन हुए हैं।

# पीएम मोदी के जन्मदिन पर होगा संकल्प अभियान, स्वामित्व योजना का शुभारंभ

◆ राजा दाहिर, संत कंवरराम और शहीद हेमू कालानी की जीवनी अब पाठ्यक्रम में शामिल

## सिंधी समाज की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाने राज्य सरकार प्रतिबद्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंधी समाज का कठिनाईयों से भरा लंबा संघर्ष रहा है। उनकी जीवटता और कर्मठता हर किसी को प्रभावित करती है। उनकी मधुर बोली और स्वभाव सबका दिल जीत लेती है। सिंधी समाज ने विभाजन की विभिषिका झेली है। उन्होंने अपनी जन्म भूमि-घर और व्यापार छोड़ा लेकिन अपने संस्कार के साथ धर्म और हौसला नहीं खोया। प्राचीनतम सिंधु घाटी सभ्यता का इतिहास हम सभी को एक गौरवशाली अतीत से परिचित करवाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास से इंदौर में आयोजित सिंधु कला केंद्र के भूमि पूजन कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वाभिमान से जीवन जीने के प्रतीक बन चुके सिंधी समाज की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। अनेकों बार चुनौतियों को अवसर में बदलकर अपनी पहचान और गौरव को संजोए रखने वाले सिंधी समाज पर प्रदेशवासियों को गर्व है।

सिंधु कला केंद्र के भूमिपूजन को वर्चुअली संबोधित करते सीएम।

### इंदौर में योजनाओं का होगा शुभारंभ

डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर 17 सितम्बर को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन इंदौर पधार रहे हैं। वे लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की नगरी से एक माह तक चलने वाले सेवा से संकल्प अभियान, स्वामित्व योजना का शुभारंभ करेंगे एवं विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इंदौर में भूमि-पूजन कार्यक्रम के अवसर पर स्थानीय सांसद शंकर लालवानी, ईश्वर झामनानी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में सिंधी समाज के प्रतिष्ठित जन उपस्थित थे।

### सिंधु कला केंद्र का भव्य और दिव्य भवन बनकर तैयार होगा

डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर में सिंधु कला केंद्र का भव्य और दिव्य भवन बनकर तैयार होगा, जो सिंधी समाज की कला, संस्कृति और विरासत से भविष्य की पीढ़ियों को परिचित कराएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंधी समाज के महापुरुषों की जीवनी जिनमें वीर राजा दाहिर, समाज सुधारक और संत कंवरराम और शहीद हेमू कालानी शामिल हैं, स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल कर राज्य सरकार ने अपना वादा निभाया है। मुख्यमंत्री ने भगवान झूलेलाल का जयकारा लगाते हुए भूमि-पूजन कार्यक्रम में उपस्थित जन समुदाय को आश्वासन दिलाया कि वे सिंधु कला केंद्र के लोकार्पण कार्यक्रम में जरूर आएंगे।

## आज मुख्यमंत्री इंदौर से गोशालाओं को वितरित करेंगे 66.74 करोड़ रुपए का अनुदान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 17 सितंबर को इंदौर में प्रदेश की पंजीकृत एवं संचालित गोशालाओं में व्यवस्थापित गोवंश के लिए जुलाई 2026 माह के अनुदान का ऑनलाइन डीबीटी के माध्यम से वितरण करेंगे। इस अवसर पर 5 लाख 40 हजार 305 गोवंश के व्यवस्थापन के लिए कुल 66 करोड़ 73 लाख 81 हजार 160 रूपये की अनुदान राशि गौशालाओं के खातों में अंतरित की जाएगी। प्रदेश सरकार की ओर से पंजीकृत एवं संचालित गौशालाओं में व्यवस्थापित गोवंश के लिए 40 प्रति गोवंश प्रतिदिन की दर से अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। इसी क्रम में जुलाई 2026 माह के लिए निर्धारित अनुदान राशि का वितरण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। मप्र गौसंवर्धन बोर्ड, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की ओर से उपलब्ध कराई जा रही यह राशि गौशालाओं में गोवंश के बेहतर व्यवस्थापन और भरण पोषण में उपयोग की जाएगी। ऑनलाइन डीबीटी के माध्यम से होने वाले इस भुगतान से अनुदान राशि सीधे संबंधित गौशालाओं के खातों में पहुंचेगी।

▶▶ 5 लाख 40 हजार 305 गोवंश के व्यवस्थापन के लिए ऑनलाइन डीबीटी से होगा अनुदान वितरण

## इंदौर और उज्जैन के भव्य कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं में न रह जाए कोई कमी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 17 सितंबर को इंदौर और उज्जैन में 2 बड़े आयोजन होने हैं। दोनों ही कार्यक्रमों की सभी तैयारियां बारीकी से माइक्रो प्लानिंग के साथ कर ली जाएं। व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रहे। डॉ. यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन से इंदौर और उज्जैन संभाग के जनप्रतिनिधयों, कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स से वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संवाद में ये निर्देश दिए।

उन्होंने इंदौर में सेवा-संकल्प अभियान के शुभारंभ सहित अन्य कार्यक्रमों तथा इसी दिन शाम को उज्जैन में होने वाले दीपोत्सव एवं अन्य कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। डॉ. यादव ने कार्यक्रमों के सफल और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इंदौर और उज्जैन के कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स ने तैयारियों की जानकारी दी।

- कमिश्नर्स-कलेक्टर्स को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दिए निर्देश
- माइक्रो प्लानिंग के साथ कर ली जाएं कार्यक्रमों की सभी तैयारियां

जनप्रतिनिधयों, कमिश्नर्स एवं कलेक्टर्स को वीसी के जरिए निर्देशित करते मुख्यमंत्री।

### बहनों से आज दीप जलाने का किया आह्वान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक अन्य संदेश में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत प्रदेश की बहनों से 17 सितम्बर को दीप जलाने का आह्वान करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सेवा के भाव से महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव इन्हीं प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। महिलाएं सशक्त हुई हैं, आत्मनिर्भर बनी हैं और हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों विशेष रूप से बहनों से प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपना स्नेह, सम्मान और आभार व्यक्त करते हुए 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया जलाने, 'सेवा से संकल्प' अभियान में सहभागी बनने और आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

## मोदी के कार्यकाल में महिलाओं के जीवन में जबरदस्त बदलाव आया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में महिलाओं के जीवन में जबरदस्त बदलाव आया है। उन्होंने सुशासन के चार स्तंभ-गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण तय किए हैं। प्रधानमंत्री ने अपनी प्राथमिकताओं में सदैव महिलाओं को सर्वोपरि रखा है। लोकसभा और विधान सभाओं में महिलाओं को आरक्षण सुनिश्चित कराने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद में लेकर आए। मध्यप्रदेश सरकार ने भी आधी आबादी को पूरे हक के लिए इस अधिनियम को लागू करने का संकल्प पारित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर के अवसर पर प्रदेश में एक माह के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 10 दिन आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के होंगे। 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के कल्याण एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

### सेवा संकल्प अभियान: नरेला में हर घर जलेगा दीया

सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को नरेला विधानसभा के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अभियान के अंतर्गत नरेला विधानसभा में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को सफल एवं प्रभावी बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक एवं राजनीतिक यात्रा राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण के प्रति समर्पण की प्रेरणादायी यात्रा है। उनके नेतृत्व में देश ने विकास और जनकल्याण को नई गति प्राप्त की है। आज देश का प्रत्येक क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और भारत आत्मविश्वास के साथ

वैश्विक पटल पर अपनी नई पहचान बना रहा है। सारंग ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर नरेला विधानसभा में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नरेला विधानसभा के प्रत्येक घर में दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन को सेवा, संकल्प और जनभागीदारी के उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

### राष्ट्रीय अध्यक्ष का होगा इंदौर एयरपोर्ट पर स्वागत

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 17 सितंबर को दोपहर 1:45 बजे देवी अहिल्याबाई होल्कर विमानतल, इंदौर पहुंचेंगे। इसके बाद दोपहर 2:00 बजे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 2:55 बजे इंदौर के गांधी नगर ग्राउंड में स्वामित्व योजना के अंतर्गत नई राज्यव्यापी पंजीयन प्रक्रिया का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद शाम 5:05 बजे उज्जैन पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शाम 6:45 बजे उज्जैन के रामघाट पर शिप्रा आरती, 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्ज्वलन में सहभागिता करेंगे। रात्रि 8:00 बजे रामघाट पर आयोजित भजन संध्या में भी शामिल होंगे। 18 सितंबर को सुबह 4:05 बजे उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती में शामिल होंगे। सुबह 9:30 बजे उज्जैन से इंदौर के लिए रवाना होंगे तथा 10 बजे इंदौर विमानतल से पंजाब के लिए रवाना होंगे।

#### उज्जैन में सदावल हेलीपैड से रामघाट तक होगा भव्य स्वागत

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का उज्जैन के सदावल हेलीपैड से दत्त अखाड़ा होते हुए रामघाट तक भव्य स्वागत किया जाएगा। हेलीपैड से शंकराचार्य चौराहे ते सड़क किनारे मंच बनाकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया जाएगा। उज्जैन के महाकाल लोक के शिप्रा घाट पर 33 लाख दीप प्रज्जवलित किए जाएंगे।

### पांच लाख दीयों से रोशन होगा भोपाल, घर-घर जलेगा 'आशीर्वाद का दीया'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूरे होने पर 17 सितंबर को प्रदेशभर में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शाम 7 बजे प्रदेशवासी अपने घरों में दीये जलाकर कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रदेशभर में सवा करोड़ आशीर्वाद के दीप प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य रखा गया है। भोपाल में भी इस आयोजन को लेकर तैयारियां की गई हैं। शहर के अलग-अलग बाजारों से मिट्टी के दीये खरीदे गए हैं। करीब पांच लाख दीये भोपाल में जलाए जाने की तैयारी है। इसके लिए मिट्टी के बर्तन और दीये बनाने वाले स्थानीय कुम्हारों की दुकानों से दीयों की खरीद की गई है। इससे आयोजन के साथ स्थानीय कारीगरों और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले परिवारों को भी काम मिला है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री के सेवा-संकल्प के 25 वर्ष पूरे होने के

अवसर पर लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना बताया गया है। इसके लिए लोगों से अपने घरों में दीया जलाने की अपील की गई है। 17 सितंबर को इंदौर में राज्यव्यापी पंजीयन प्रक्रिया का शुभारंभ होगा। इसके बाद उज्जैन के रामघाट पर शिप्रा आरती और 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यहां भजन संध्या भी होगी। भोपाल में शाम 7 बजे घरों, संस्थानों और अन्य स्थानों पर दीये जलाने की तैयारी है। आयोजन के लिए बाजारों से बड़ी संख्या में दीये पहले ही खरीदे जा चुके हैं।

## पीएम मोदी के व्यक्तित्व में कर्मशीलता और निर्णयों में भविष्य की दूरगामी दृष्टि

प्रतिपल संसार में लाखों लोग जन्म लेते हैं, लेकिन इतिहास उनसे बनता है, जो विषमताओं को अपनी शक्ति बनाते हैं और जो भविष्य में आने वाली चुनौतियां का आंकलन पहले से कर लेते हैं। भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे ही व्यक्तित्व के धनी हैं। बालपन से लेकर आज तक उनके सामने हर क्षण चुनौतियां रहीं, लेकिन उन्होंने हर चुनौती का सामना कुछ इस प्रकार किया कि वे चुनौतियां ही उनकी शक्ति बनीं। बचपन में उन्होंने चाय बेची। परिवार का कोई भी सदस्य राजनीति में नहीं था। फिर भी अपनी कर्मशीलता से वे राजनीति के सर्वोच्च स्थान तक पहुंचे। वे जहां रहे, जो दायित्व मिला उसे उन्होंने कुछ इस प्रकार निभाया कि उसका अनुकरण किया। उन्होंने न किसी विरोध की परवाह की और न प्रशंसा से अंहकार आया। सतत आगे बढ़ना उनका स्वभाव रहा है। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए उनका जितना विरोध हुआ किसी मुख्यमंत्री का नहीं। इस विरोध के चलते उन्हें अमेरिका की वीजा तक नहीं मिला था। लेकिन वे कतई विचलित नहीं हुए और जब प्रधानमंत्री बनकर अमेरिका गये जो उनका जैसा सम्मान हुआ वैसा सम्मान किसी अन्य विदेशी राजनेता का नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद भी उनपर राजनैतिक हमले लगातार हो रहे हैं लेकिन वे निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। इन सभी हमलों के बीच उन्होंने भारत में लगातार सबसे लंबी अवधि तक पदारूढ़ रहे का कीर्तिमान बनाया। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री रहने तक लगातार इतनी लंबी अवधि कोई भी राजनेता पदारूढ़ नहीं रहा। अपने व्यक्तित्व की कर्मशीलता से ही उन्होंने राजनीति में यह कीर्तिमान बनाया है। वे अकेले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पद संभालने से पहले पूरे भारत की यात्रा की थी। देश का शायद ही कोई ऐसा जिला केन्द्र हो, जहां वे गए न हों। इससे भारतीय संस्कृति और मनोविज्ञान की विविधता का उन्होंने सहज जानकारी है। इसीलिए उनके निर्णयों जमीनी समस्या के समाधान के सूत्र होते हैं। उनका स्वच्छता अभियान, हर घर को नल जल, अभियान, ग्रामीण बहनों को धुँये से मुक्ति के लिए उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि आदि ऐसी योजनाएँ आरंभ की जिससे न केवल भारत के लोकजीवन की मूलभूत समस्याओं के समाधान का मार्ग निकला अपितु भारतीय जनता पार्टी का स्वरूप भी व्यापक हुआ। प्रधानमंत्री के रूप में उनके अधिकांश निर्णयों में दूरदृष्टि है। इनमें स्पेस टेक्नालॉजी के लिये बजट बढ़ाकर अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जिससे अब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन "इसरो" दुनियां के अन्य देशों के उपग्रह स्थापित कर रहा है। चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर तिरंगा फहराने वाला भारत पहला राष्ट्र बना। करोना और मध्य एशियाई तनाव के बीच अर्थव्यवस्था की स्थिरता भी मोदी के दूरदृष्टि से लिए गए निर्णयों के कारण है। जहां पूरी दुनिया की अर्थ व्यवस्था डगमगा रही है वहीं भारत की अर्थ व्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। भारत अब दुनिया की चौथी अर्थ व्यवस्था है और तीसरी पर आने की राह पर चल रहा है। देश के भीतर समृद्धि और अंतराष्ट्रीय साख बढ़ने के पीछे मोदी की भविष्य दृष्टि और उसके अनुरूप यथेष्ट निर्णय लेना ही है।

**रमेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार**

## मोदी के पीएम बनने के बाद संस्कृति से लेकर विधाओं तक बढ़ा देश का सम्मान

भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। लगातार सत्ता शीर्ष पर 25 वर्ष की निरंतरता वह भी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रुप में नरेंद्र मोदी के नाम दर्ज हो गई। यह रिकॉर्ड को और पुख्ता करेगी। सत्ता में रहना और सत्ता का सदुपयोग करना दो अलग-अलग बातें हैं। मोदी का सत्ता सफर राज्य को नम्बर वन बनाने का उपक्रम बना।

आज देश में गुजरात मॉडल की चर्चा होती है। जब मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तब के और आज के हालात एक साथ देखते हैं तब जमीन आसमान का अंतर दिखता। देश घोटालों की चर्चाओं से अर्थव्यवस्था के पायदान और विकास में विकसित देशों के साथ उदाहरण तक पहुंच गया है। सुरक्षा, आत्मरक्षा और संरक्षण तक भारत खड़ा दिखता है। अपनी संस्कृति पर गर्व लौटा है। अपनी विधाओं का सम्मान बढ़ा है। कूटनीति से तकनीक तक भारत के प्रति अन्य देशों की उम्मीद बढ़ी है। मोदी काल का भारत अभी तक भारत से कुछ अलग दिख रहा है। जब ब्रिक्स आयोजन के बाद के मोदी पर आलोचकों के स्वर बदले हैं यह तो अपने आप में वह प्रमाण पत्र है जिसको सत्ता शीर्ष पर योग्यता से परिपूर्ण मोदी की स्वीकार्यता है।

**सुरेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार**

### लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के कार्यक्रम के लिए ली गई 10 लाख फीस

## पटवारी ने पूछा- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम के लिए फीस जमा होगी या नहीं?

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इंदौर में आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए 10 लाख रुपए की फीस लेने पर सरकार से पूछा है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम के लिए फीस जमा होगी या नहीं? उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के समय भी आंदोलन और सभाएं होती थीं। तब फीस नहीं लगती थी। पटवारी ने सवाल उठाया कि आरएसएस के पिछले 5 साल में करीब एक हजार कार्यक्रम हुए। क्या एक जगह भी फीस जमा हुई?

#### राहुल गांधी देश के पहले नेता प्रतिपक्ष नहीं

पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी देश के पहले नेता प्रतिपक्ष नहीं हैं। उनसे पहले अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और इंदिरा गांधी नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के समय का उदाहरण दिया। कहा कि यहां भाजपा की बैठक हुई थी।

### नाम बदलने के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की दी मंजूरी

## मप्र जल निगम अब कहलाएगा एमपी वाटर एंड सेनिटेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास में मप्र जल निगम के संचालक मंडल की 26 वीं बैठक हुई।

बैठक में वर्तमान मप्र जल निगम मर्यादित को पुर्नगठित कर अब मप्र वाटर एंड सेनिटेशन कार्पोरेशन बनाने का अहम प्रस्ताव पारित किया गया। संचालक मंडल ने यह खास प्रस्ताव अंतिम अनुमोदन के लिए मंत्रि-परिषद् को भेजने की मंजूरी दे दी। सीएम ने कहा कि मप्र जल निगम अब अपने नए नाम और नई जिम्मेदारियों के साथ प्रदेश में जल विकास एवं स्वच्छता प्रबंधन में नए लक्ष्यों और अतिरिक्त संसाधनों के साथ काम करेगा। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपत्तिया उइके, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी, अपर मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगी, अपर मुख्य सचिव पीएचई सचिन सिन्हा, प्रमुख सचिव मनीष सिंह, प्रमुख सचिव संदीप यादव, मप्र जल निगम मर्यादित के एमडी वीएस चौधरी कोलसानी सहित संचालक मण्डल के अन्य सभी सदस्यगण भी उपस्थित थे।

#### अनअंकेक्षित वार्षिक लेखाओं का अनुमोदन किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल निगम के वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए तैयार संचालक मण्डल के प्रतिवेदन तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 के अनअंकेक्षित वार्षिक लेखाओं का अनुमोदन किया। मुख्यमंत्री ने कैप्टिव मोड के तहत 60 मेगावॉट ग्रिड-कनेक्टेड पवन ऊर्जा परियोजना विकसित करने के लिए गठित परियोजना कंपनी में मप्र जल निगम के प्रतिनिधित्व के लिए प्रबंध संचालक को अधिकृत कर दिया।

16 तकनीकी, 3 गैर-तकनीकी कर्मचारियों ने लिया भाग

## मानव संग्रहालय में हिंदी यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता आयोजित

**भोपाल।** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में हिंदी पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत 16 सितंबर 2026 को हिंदी यूनिकोड टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिंदी यूनिकोड टंकण के प्रति दक्षता और रुचि विकसित करना रहा। प्रतियोगिता का आयोजन लिपिक

- हिंदी पखवाड़ा के तहत हुआ आयोजन, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना उद्देश्य

एवं गैर-लिपिक श्रेणी में किया गया। प्रतियोगिता में कुल 19 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें 16 तकनीकी एवं 3 गैर-तकनीकी प्रतिभागी शामिल रहे। प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. मोहम्मद रेहान एवं आदित्य मिश्रा रहे।

प्रतिभागियों को निर्धारित पाठ को हिंदी यूनिकोड में टंकित करने के लिए 10 मिनट का समय दिया गया। निर्धारित समय में प्रतिभागियों ने अधिकतम गति एवं शुद्धता के साथ टंकण कार्य पूरा करने का प्रयास किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों में उत्साह एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण देखने को मिला।

# मैंने हनुमान अंश को नहीं चुना, फिल्म ने मुझे चुना

### लंदन में पढ़ाई, ज्यूरिख में नौकरी का सपना, फिर नीम करौली बाबा पर बनी फिल्म में लगाई पूरी कमाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

फिल्म उद्योग में सफलता का गणित अक्सर बड़े सितारों, करोड़ों के बजट और भारी प्रचार से तय किया जाता है। लेकिन कभी-कभी कोई फिल्म इस पूरे गणित को उलट देती है। 'हनुमान अंश' की कहानी कुछ ऐसी ही है। करीब दो करोड़ रुपये में बनी यह फिल्म उस समय चर्चा में आई, जब शुरुआती दिनों में इसके भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे थे। न बड़े सितारे, न कोई बड़ा प्रचार अभियान और न ही फिल्म के पीछे किसी स्थापित निर्माता का नाम। इसके बावजूद फिल्म ने दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाई। इस कहानी का एक और दिलचस्प पहलू है, महज 21 साल की अनुप्रिया नागर। लंदन में अर्थशास्त्र की पढ़ाई करने वाली अनुप्रिया के सामने ज्यूरिख में नौकरी का रास्ता खुल चुका था। फिल्म निर्माण का कोई अनुभव नहीं था। फिल्म उद्योग में कोई पहचान भी नहीं थी। लेकिन एक शोध के दौरान नीम करौली बाबा के बारे में मिली जानकारी ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। भारत लौटने के बाद वह 'हनुमान अंश' से जुड़ीं और अपनी पार्ट-टाइम नौकरियों से जुटाई गई बचत फिल्म में लगा दी। शुरूआती झटकों के बाद फिल्म ने ऐसी सफलता हासिल की है कि समीक्षक हैरान हैं।

हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से खास बातचीत में अनुप्रिया ने इस पूरी यात्रा को साझा किया।

**ब्लाक बस्टर फिल्म हनुमान अंश की सह निर्माता अनुप्रिया से डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास चर्चा**

### एक शोध ने बदल दी दिशा

अनुप्रिया बताती हैं कि वह ब्रिटेन में अर्थशास्त्र की पढ़ाई कर रही थीं। अंतिम वर्ष में निवेश और कारोबार से जुड़े एक शोध के दौरान उन्होंने स्टीव जॉब्स और नीम करौली बाबा के संबंध के बारे में पढ़ा। यहीं उनके मन में एक सवाल पैदा हुआ। एक भारतीय होने के बावजूद उन्हें बाबा के बारे में एक विदेशी व्यक्ति के माध्यम से क्यों पता चल रहा है? उन्होंने बाबा पर लिखी किताबों के बारे में जाना। इसके बाद उन्हें पता चला कि उनके जीवन पर फिल्म नहीं बनी है। यही जिज्ञासा आगे चलकर उनके लिए एक नए सफर की शुरुआत बनी। भारत लौटने पर उनकी मुलाकात निर्माता रागिनी से हुई। रागिनी पहले ही इस परियोजना पर काम शुरू कर चुकी थीं। अनुप्रिया जब इस प्रोजेक्ट से जुड़ीं, तब तक फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी थी और पोस्ट-प्रोडक्शन शुरू होने वाला था। समस्या थी धन की। अनुप्रिया ने कोई बड़ी वित्तीय योजना नहीं बनाई। ब्रिटेन में पढ़ाई के दौरान किए गए पार्ट-टाइम काम से जो बचत थी, उसे फिल्म में लगाने का फैसला कर लिया। वह कहती हैं, "मैं इंडस्ट्री के बारे में कुछ नहीं जानती थी। किसी को जानती भी नहीं थी। फिर भी अपनी छोटी-सी नैया मैंने इस बड़े सागर में डाल दी।"

### संतों के आशीर्वाद को मानती हैं ताकत

इसके बाद अनुप्रिया हरिद्वार में निरंजनी पीठाधीश्वर कैलाशानंद जी महाराज से भी मिलीं। उनके मुताबिक उन्होंने भी फिल्म के उद्देश्य और उनकी नीयत को समझते हुए आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया। अनुप्रिया इन मुलाकातों को केवल व्यक्तिगत अनुभव नहीं मानतीं। वह इसे फिल्म की यात्रा का हिस्सा मानती हैं। उनके लिए नीम करौली बाबा, हनुमान और संतों से जुड़े ये अनुभव एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

### सफलता के बाद पैसा समाज को लौटाने की इच्छा

फिल्म की सफलता के बाद अब आर्थिक लाभ की चर्चा भी होने लगी है। लेकिन अनुप्रिया के लिए यह पैसा व्यक्तिगत उपलब्धि से ज्यादा सामाजिक जिम्मेदारी का विषय है। वह कहती हैं कि समाज ने फिल्म को प्यार दिया, लोगों की वजह से यह फिल्म यहां तक पहुंची, इसलिए वह अपनी कमाई का एक हिस्सा समाज को वापस देना चाहती हैं। बच्चों के प्रति विशेष लगाव के कारण वह अपनी फाउंडेशन शुरू करने की दिशा में भी काम कर रही हैं। उनका कहना है कि वह बच्चों के लिए काम करना चाहती हैं और आगे भी ऐसी कहानियां दुनिया तक पहुंचाना चाहती हैं, जो संतों और महापुरुषों के जीवन से जुड़ी हों।

### अब एमबीए, फिर शायद निर्देशन

फिल्म की सफलता ने अनुप्रिया की पढ़ाई की इच्छा को खत्म नहीं किया है। वह जल्द ही एमबीए की पढ़ाई शुरू करने की तैयारी में हैं। उनका मानना है कि जिस काम में प्रवेश करें, उसे सीखने की मानसिकता के साथ करना चाहिए। निर्देशन और अभिनय की संभावनाएं भी उनके सामने हैं। वह थिएटर और वन-एक्ट प्ले कर चुकी हैं और खुद को रचनात्मक क्षेत्र से जुड़ा हुआ मानती हैं। हालांकि वह कहती हैं कि जो भी करेंगी, पूरी तैयारी के साथ करेंगी। फिल्म निर्माण में अपनी पहली छलांग को वह उपलब्धि के बजाय शुरुआत मानती हैं। उनका विश्वास है कि जिस राह पर उन्हें लाया गया है, उस पर आगे बढ़ना है।

### दूसरे भाग का रास्ता खुला, फैसला अभी बाकी

'हनुमान अंश' जिस मोड़ पर समाप्त होती है, वहां से इसकी आगे की कहानी के लिए पर्याप्त गुंजाइश है। फिल्म की कहानी कैंची धाम के निर्माण से पहले के दौर तक पहुंचती है। इसलिए दूसरे भाग की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि अनुप्रिया के मुताबिक अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। उनका कहना है कि जब फिल्म को फ्लॉप माना जा रहा था, तब दूसरे भाग के बारे में सोचने का सवाल ही नहीं था। अब सफलता के बाद टीम बैठकर इस पर चर्चा करेगी। उनका कहना है कि पहले भाग को मिले प्यार के बाद जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। इसलिए जल्दबाजी में अगली फिल्म बनाने के बजाय सोच-समझकर निर्णय लिया जाएगा।

### माता-पिता ने जोखिम के बजाय भरोसा चुना

अर्थशास्त्र पढ़कर विदेश में करियर बनाने जा रही बेटी अचानक फिल्म में अपनी बचत लगा दे तो परिवार के लिए यह फैसला आसान नहीं होता। अनुप्रिया के माता-पिता को भी शुरुआत में लगा कि उनकी बेटी कहीं भटक तो नहीं गई। लेकिन उन्होंने उसके फैसले पर भरोसा किया। अनुप्रिया ने माता-पिता के साथ फिल्म की पटकथा पढ़ी और उन्हें नीम करौली बाबा की कहानी से परिचित कराया। अनुप्रिया अपने पिता की एक बात को याद करती हैं, पैसा जीवन का साधन है, जीवन नहीं। उनके अनुसार इसी सोच ने उन्हें जोखिम लेने का साहस दिया। वह मानती हैं कि व्यक्ति को अपने विश्वास, अपनी क्षमता और अपने काम की ईमानदारी पर ध्यान देना चाहिए।

### फिल्म से जुड़ने के बाद शुरू हुई बाबा की यात्रा

दिलचस्प यह है कि फिल्म से जुड़ने से पहले अनुप्रिया न कैंची धाम गई थीं और न नीम करौली। बाबा से उनका कोई व्यक्तिगत परिचय भी नहीं था। फिल्म से जुड़ने के बाद उन्होंने कैंची धाम, वृंदावन और बाबा से जुड़े दूसरे स्थानों की यात्रा की। इसी अनुभव को वह अपनी यात्रा का सबसे रहस्यमय हिस्सा मानती हैं। उनसे पूछा गया कि आखिर वह इस फिल्म से जुड़ी कैसें, तो उनका जवाब था— "मैंने 'हनुमान अंश' को नहीं चुना, 'हनुमान अंश' ने मुझे चुना।" उनका मानना है कि इतनी कम उम्र में उन्हें इस काम से जोड़ने के पीछे कोई उद्देश्य रहा होगा। वह खुद को इस परियोजना में एक माध्यम के रूप में देखती हैं।

### ...जब लगा फिल्म डूब रही है

7 अगस्त को फिल्म रिलीज हुई। शुरुआती दिनों में दर्शकों की संख्या उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। 17 अगस्त तक स्थिति ऐसी थी कि टीम के भीतर भी चिंता बढ़ने लगी। अनुप्रिया के मुताबिक फिल्म को उद्योग के एक हिस्से ने फ्लॉप मान लिया था। यह स्थिति उनके लिए आर्थिक नुकसान से ज्यादा इसलिए परेशान करने वाली थी क्योंकि उन्हें लग रहा था कि लोग फिल्म देख ही नहीं रहे। उन्होंने कहा कि फिल्म को थिएटर में इसलिए लाया गया था ताकि बाबा से जुड़े लोग एक साथ आएं और एक समुदाय का निर्माण हो। इसी दौरान उन्हें कहा गया कि अब केवल कोई चमत्कार ही फिल्म को बचा सकता है। अनुप्रिया उस समय दिल्ली में थीं। उन्होंने बागेश्वर धाम जाने का फैसला किया और धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात की। उनके मुताबिक वहां उन्हें फिल्म को लेकर आश्वासन मिला कि अच्छे उद्देश्य से किया गया काम करते रहना चाहिए और हार नहीं माननी चाहिए। इसके बाद फिल्म के प्रदर्शन में तेजी आई। अनुप्रिया इसे अपने लिए चमत्कार मानती हैं। उनका कहना है कि अगले दो दिनों में फिल्म की वृद्धि में करीब 22 प्रतिशत का उछाल आया।

प्रशासनिक अकादमी में स्पिक मैके शृंखला की पहली प्रस्तुति के अंतर्गत पंडित साजन मिश्रा का गायन

# पं. साजन मिश्रा के सुरों पर झूमी प्रकृति राग मेघ के बीच हुई मूसलाधार बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

स्वर्ण जयंती सभागार में जब पद्मभूषण पंडित साजन मिश्रा ने राग मेघ में कजरा कारे-कारे लागे, अति प्यारे-प्यारे.... की बंदिश छेड़ी, तो वातावरण मानों संगीत और प्रकृति के अद्भुत संगम का साक्षी बन गया। उनकी स्वर-साधना और राग की प्रभावशाली प्रस्तुति के बीच बाहर घने बादल उमड़ आए और देखते ही देखते मूसलाधार वर्षा शुरू हो गई।

श्रोताओं ने इसे संगीत और प्रकृति के दुर्लभ सामंजस्य के रूप में अनुभव किया। स्पिक मैके भोपाल चैप्टर द्वारा आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासनिक अकादमी में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दिग्गज गायक पंडित साजन मिश्रा ने अपनी विलक्षण प्रस्तुति से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके गायन में सुपुत्र स्वरांश मिश्रा ने स्वर-संगति दी, तबले पर रामेन्द्र सिंह सोलंकी तथा हारमोनियम पर दीपक खसरवाल ने प्रभावशाली संगत की।

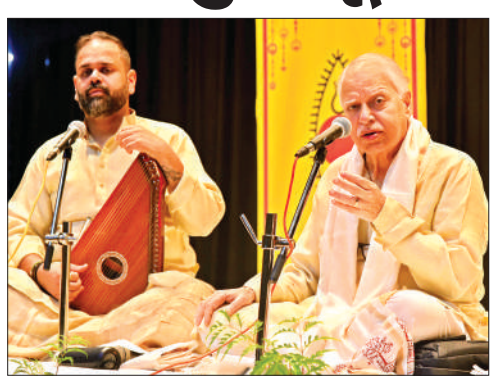

### मनोहारी प्रस्तुति ने बांधा समां

संगीत संध्या का आरंभ उन्होंने समयानुकूल राग मधुवंती से किया। विलंबित ख्याल से शुरू हुई प्रस्तुति ने धीरे-धीरे अपने उत्कर्ष को प्राप्त किया। इसके बाद उत्तर भारत की लोकप्रिय पारंपरिक रचना फुलवन से सेज बिछाओ.... की मनोहारी प्रस्तुति ने श्रोताओं का मन मोह लिया। राग मधुवंती का समापन उन्होंने ऊजार्वान तराने के साथ किया। उनकी तानों की गति, सुरारोह-अवरोह की सटीकता और स्वर-साधना की गहराई ने सभागार को देर तक तालियों से गूंजायमान रखा।

### श्रोताओं के विशेष आग्रह पर अघोर चालीसा का सस्वर गायन

कार्यक्रम के अंत में श्रोताओं के विशेष आग्रह पर स्वरांश मिश्रा ने अघोर चालीसा का सस्वर गायन प्रस्तुत किया, जिसे अत्यंत सराहना मिली। उन्होंने खटका और मुर्की के बीच का अंतर भी उदाहरणों सहित समझाया। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पीजा-बर्गर की अपेक्षा पौष्टिक आहार, दूध-बादाम और नियमित अभ्यास ही साधना की वास्तविक शक्ति हैं।

### प्रतिदिन प्रातःकाल करें खड़ज का नियमित रियाज....

प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों को संगीत साधना के सूत्र बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिदिन प्रातःकाल खड़ज का नियमित रियाज करना चाहिए तथा अलंकारों का अभ्यास धैर्यपूर्वक और विस्तार से करना चाहिए। इससे सुर और ताल दोनों सधते हैं।

पद्मभूषण पंडित साजन मिश्रा ने हरिभूमि से बातचीत में कहा

### भैया की आवाज कानों में आती कि गाना मत बंद करो, तुम गाते रहोगे तो मैं भी जीवित रहूंगा.....

हरिभूमि से बातचीत में पंडित साजन मिश्रा ने कहा कि मैंने अपने बड़े भाई स्व. पंडित राजन मिश्रा के साथ 54 वर्षों तक ऐतिहासिक जुगल प्रस्तुतियां दीं हैं। बनारस घराने की लगभग 300 वर्ष पुरानी ख्याल गायन परंपरा के प्रमुख संवाहक साजन मिश्रा ने कहा कि मेरे पिता तुल्य बड़े भाई राजन का निधन हुआ। मैंने सोचा कि मेरी जोड़ी टूट गई, अब मौन ही रहूंगा, लेकिन भैया की आवाज कानों में आती थी कि गाना मत बंद करो। तुम गाते रहोगे तो मैं भी जीवित रहूंगा...। इसी भाव के साथ मैंने गाना शुरू किया।

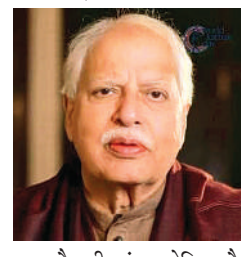

### सात पीढ़ियों से बढ़ा रहे संगीत परम्परा को आगे

उन्होंने कहा कि हमारा परिवार साढ़े तीन सौ साल से संगीत परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। हम पांचवीं जनरेशन हैं, मेरा बेटा स्वरांश छठीं और पोता सातवीं जनरेशन है। हम सभी प्रयास कर रहे हैं कि हमारे संगीत को संजो सकें। रही बात संरक्षण की, तो ये सब गुरु और ईश्वर की कृपा से ही हो पाता है।

भारत भवन जैसे संस्थान-निर्माण में रही भूमिका

## अशोक वाजपेयी को मिलेगा 'श्रीकांत वर्मा शिखर सम्मान'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और भारतीय राजनीति की विख्यात विभूति श्रीकांत वर्मा की 95वीं जयंती के अवसर पर श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट द्वारा आयोजित समारोह में जाने-माने कवि, आलोचक, अनुवादक, संपादक, संस्कृतिकर्मी और संस्था-निमार्ता अशोक वाजपेयी को 'श्रीकांत वर्मा शिखर सम्मान' से अलंकृत किया जाएगा।

यह सम्मान उन्हें हिंदी साहित्य तथा भारतीय कला और संस्कृति में उनके विशिष्ट, दीर्घकालीन और उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया जाएगा। सम्मान में श्रीकांत वर्मा की प्रतिमा, प्रशस्ति-पत्र और 21 लाख की सम्मान राशि शामिल है। अशोक वाजपेयी समकालीन हिंदी साहित्य के महत्वपूर्ण कवि और साहित्य-संस्कृति के सक्रिय हस्ताक्षर हैं। उनकी कविता प्रेम, स्मृति, सौंदर्य, समय, अनुपस्थिति और मनुष्य की नश्वरता के सूक्ष्म अनुभवों से निर्मित होती है। कविता के साथ-साथ आलोचना, अनुवाद और संपादन के क्षेत्र में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारत भवन, भोपाल जैसे सांस्कृतिक संस्थान-निर्माण और कला-संस्कृति के संरक्षण एवं प्रसार के माध्यम से उन्होंने हिंदी के साहित्यिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को व्यापक बनाया है। साहित्य और सभी कलाओं के बीच संवाद स्थापित करने तथा युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने में भी उनकी उल्लेखनीय भूमिका रही है। आप वर्तमान में रजा फाउंडेशन, नई दिल्ली के प्रबंध न्यासी हैं।

छह साल का सफर और फिर तीसरी पारी

## डॉ. विकास दवे पुनः साहित्य अकादमी के निदेशक बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक पद को लेकर पिछले कई दिनों से चल रही चर्चाओं पर विराम लग गया है। साहित्य अकादमी के वर्तमान निदेशक डॉ विकास दवे को एक बार फिर इसी पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लगातार दो वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद अब वे तीसरे वर्ष भी साहित्य अकादमी के निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। निदेशक पद के लिए पिछले कुछ दिनों से साहित्यिक और अकादमिक क्षेत्र से जुड़े कई नामों की चर्चाएं चल रही थीं। ऐसे में माना जा रहा था कि इस बार अकादमी को नया निदेशक मिल सकता है। हालांकि, तमाम चर्चाओं के विकास दवे पर ही भरोसा जताते हुए उनकी पुनर्नियुक्ति कर दी गई। डॉ विकास दवे के कार्यकाल में साहित्य अकादमी की विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों, आयोजनों और रचनात्मक कार्यक्रमों को लेकर लगातार सक्रियता देखने को मिली है। अब तीसरे वर्ष की जिम्मेदारी के साथ उनके सामने अकादमी की आगामी साहित्यिक गतिविधियों को और विस्तार देने की चुनौती होगी।

एक माह चलेगा कार्यक्रम

## विद्यार्थियों को मिलेगा रचनात्मक प्रतिभा दिखाने का मंच, होंगी स्पर्धाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

प्रदेश सरकार द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। एक माह तक चलने वाले इस अभियान में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 6वीं से 12वीं तक के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

इसके माध्यम से विद्यार्थियों को सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और जनभागीदारी से जोड़ते हुए उनकी रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान किया जाएगा। अभियान अंतर्गत 19 सितंबर को 'मेरे सपनों का भारत-सेवा चित्र' विषय पर विद्यालय एवं जिला स्तर पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जिला स्तर पर चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागियों की प्रविष्टियां राज्य स्तरीय स्पर्धा के लिए भेजी जाएंगी। राज्य स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता 4 एवं 5 अक्टूबर को होगी।

### एनएसयूआई ने दिया एबीवीपी को आमंत्रण

**भोपाल।** एनएसयूआई का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के भोपाल स्थित कार्यालय पहुंचा। यहां प्रतिनिधिमंडल ने 19 सितंबर को इंदौर में आयोजित नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम का पदाधिकारियों से मुलाकात कर आमंत्रण भी दिया। जिसमें मध्यप्रदेश के छात्र-छात्राओं और युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संवाद एवं चर्चा प्रस्तावित है। प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि छात्र संगठनों के बीच संवाद और विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा लोकतांत्रिक छात्र राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब के राष्ट्रीय मीडिया संवाद एवं अलंकरण समारोह में हुए शामिल

## पत्रकारिता समाज और राष्ट्र के निर्माण में निभाती है महत्वपूर्ण भूमिकाः तोमर

हरिभूमि न्यूज. भोपाल

सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब की ओर से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार 'मिंटो हॉल' में राष्ट्रीय मीडिया संवाद एवं अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पत्रकारिता के क्षेत्र में दीर्घकालीन योगदान देने वाले वरिष्ठ पत्रकारों को लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान से सम्मानित किया गया। जनसंपर्क विभाग में आयुक्त रहे वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि वर्तमान दौर में पत्रकारों को निरंतर आत्मचिंतन और आत्मविश्लेषण करते हुए स्वयं को निखारने का प्रयास करना चाहिए। पत्रकारिता समाज और राष्ट्र के निर्माण में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, मंत्री विश्वास सारंग, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी सहित पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब के अध्यक्ष विजयकुमार दास ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ और नई पीढ़ी के पत्रकारों को एक मंच पर लाकर पत्रकारिता के अनुभव और मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

भोपाल

## चार शातिर बदमाशों से हजारों का माल बरामद

### घरों-दुकानों के ताले तोड़कर करते थे वारदात, गैस सिलेंडर और लैपटॉप जब्त किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

एमपी नगर पुलिस ने चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर उनसे हजारों रुपए का चोरी का माल बराबर किया है। आरोपी घरों और दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। आरोपियों से पूछताछ में गैस सिलेंडर, लैपटॉप और गुटखा-सिगरेट चोरी की घटनाओं का खुलासा हुआ है।

13 सितंबर को 92 वर्षीय जनार्दन सिंह निवासी जोन-2 एमपी नगर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 10 सितंबर की शाम उनके घर से एचपी कंपनी का घरेलू गैस सिलेंडर अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। शिकायत पर एमपी नगर थाने में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच में पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसके आधार पर राकेश कोरी, विजय खिल्लार, शेख अकील और अजय कुमार को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने रेलवे पटरी के किनारे स्थित एक मकान से घरेलू गैस सिलेंडर चोरी करने की बात स्वीकार की। आरोपी राकेश कोरी ने फरवरी-मार्च में रचना नगर अंडरब्रिज से पहले रेलवे बाउंड्री के पास से एक्टिवा की मदद से लैपटॉप चोरी करने तथा कुछ दिन पहले जोन-1 एमपी नगर में स्टेट जीएसटी गेट के सामने स्थित गुमठी से गुटखा और सिगरेट चोरी करने की बात भी बताई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राकेश कोरी (34), विजय खिल्लार (51), शेख अकील (55) और अजय कुमार (27) के रूप में हुई है।

## 25 दिनों से चल रहा धरना अभ्यर्थियों ने डीपीआई के सामने किया प्रदर्शन

**भोपाल।** शिक्षक भर्ती-2025 और रिक्त पदों को लेकर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी है। बुधवार को अभ्यर्थियों ने राज्य शिक्षा केंद्र और लोक शिक्षण संचालनालय के सामने प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों का कहना है कि जब तक पदवृद्धि नहीं हो जाती, तब तक आंदोलन करते रहेंगे। इस दौरान सुरक्षा को देखते हुए भारी पुलिस बल भी डीपीआई परिसर में मौजूद रहा। उल्लेखनीय है कि वर्ग-2 माध्यमिक और वर्ग-3 प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2025 में पदवृद्धि की मांग को लेकर पिछले 25 दिन से नीलम पार्क में अभ्यर्थियों का अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है।

## शुभ मुहूर्त में बढ़ा प्रॉपर्टी का कारोबार एक दिन में हुई 5 सौ से अधिक रजिस्ट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

पिछले तीन महीने से सुस्त पड़ा प्रॉपर्टी का कारोबार गणेश उत्सव के साथ ही बढ़ गया है। प्रॉपर्टी के खरीदार शुभ मुहुर्त में रजिस्ट्री का स्लॉट बुक कर जमीन, मकान, प्लॉट और फ्लैट की रजिस्ट्री करा रहे हैं। मंगलवार को बंपर रजिस्ट्री के बाद बुधवार को भी शहर के आईएसबीटी और परी बाजार स्थित पंजीयन दफ्तरों में प्रॉपर्टी के खरीदारों की भीड़ उमड़ी। देर शाम तक दोनों दफ्तरों में 504 रजिस्ट्री दर्ज की गई हैं। जिससे सरकार को करीब पांच करोड़ का राजस्व मिलने का अनुमान है। आने वाले दिनों में भी प्रॉपर्टी का बाजार गुलजार रहने की

उम्मीद जताई जा रही है। वरिष्ठ जिला पंजीयन स्वपनेश शर्मा का कहना है कि जिले के सभी 13 सब रजिस्ट्रार को अनलिमिटेड स्लॉट अलॉट कर दिए गए हैं। खरीदार समय पर आकर रजिस्ट्री करा सकते हैं।

## तापमान बुधवार शाम को 4 डिग्री गिरकर 28 से नीचे पहुंच गया

# मौसम: दिन में उमस, गर्मी के बाद शाम को बारिश से घुली ठंडक शहर का दिन का पारा दशमलव 4 डिग्री बढ़कर 32.4 डिग्री दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में बुधवार को दिनभर बादल और धूप के बीच फिजां में उमस और गर्मी का असर रहा। दोपहर बाद बादल घिरे और शाम को तेज बौछारें पड़ीं। इससे नम और ठंडी हवाओं में राहत महसूस होने के साथ तापमान में भी 4 डिग्री के करीब कमी आ गई। दिन का पारा दशमलव 4 डिग्री बढ़कर 32.4 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक है। शाम को करीब एक घंटे अलग अलग हिस्सों में पड़ी तेज बौछारों के बाद पारा 28 डिग्री से नीचे पहुंच गया। इससे उमस और गर्मी से लोगों को राहत मिली। मौसम केंद्र के अनुसार राजधानी सहित अधिकांश जिलों में अभी मौसम में ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार हवा में नमी के साथ दिन में धूप खिलने से लोकल सिस्टम के कारण अभी बारिश_बौछारों का दौर चल रहा है। यह क्रम गुरुवार को भी रहेगा।

स्थान: छह नंबर स्टॉप समय: शाम 6 बजे बुधवार

### भोपाल में अब तक 1121 मिमी बारिश दर्ज

इस सीजन में अब तक कुल 1121.3 मिमी बारिश हो चुकी है। यह सामान्य से 97.7 मिमी अधिक है। मौसम केंद्र के अनुसार 19 सितंबर के आसपास से पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से दक्षिण पश्चिमी मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो रही हैं। विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार प्रदेश से भी मानसून की विदाई लगभग तय समय यानि सितंबर के अंत तक होने की उम्मीद है। लेकिन, इससे पहले प्रदेश में तेज बारिश के एक से दो दौर और चल सकते हैं।

## -कैंसर, टीबी, हार्ट और डायबिटीज समेत गंभीर बीमारियों की दवाएं शामिल

# हमीदिया अस्पताल: दो करोड़ की दवाओं की होगी खरीदी... कैंसर से लेकर दिल के मरीजों को राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

काम की खबर

हमीदिया और टीबी अस्पताल में इलाज कराने वाले मरीजों को अब दवाओं की कमी के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) ने करीब दो करोड़ रुपए की दवाओं और मेडिकल कंज्यूमेबल्स की बल्क खरीदी के लिए टेंडर जारी किया है। मालूम हो कि अस्पताल में भर्ती और ओपीडी मरीजों को कई बार डॉक्टर की लिखी पूरी दवा एक साथ नहीं मिलती। ऐसे में परिजनों को बाकी दवाएं बाहर से खरीदनी पड़ती हैं। सबसे ज्यादा परेशानी उन मरीजों को होती है जिनका इलाज लंबे समय तक चलता है। ऐसे में यह अतिरिक्त खर्च लगातार बढ़ता जाता है। नई खरीदी में अलग-अलग विभागों में इस्तेमाल होने वाली दवाओं के साथ गंभीर बीमारियों के उपचार की दवाएं और इंजेक्शन भी शामिल किए गए हैं।

इनमें कैंसर, टीबी, संक्रमण, हृदय रोग और डायबिटीज के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाएं शामिल हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने और दवाओं की आपूर्ति शुरू होने के बाद अस्पताल में इनकी उपलब्धता बढ़ने की उम्मीद है। इससे मरीजों को अस्पताल परिसर से ही ज्यादा दवाएं मिलने और बाहर की दुकानों पर निर्भरता कम होने का फायदा मिल सकता है।

### टेंडर में किन इलाजों की दवाएं

कैंसर मरीजों के लिए एबिराटेरोन, कैपेसिटाबाइन, इमैटिनिब और डासाटिनिब जैसी दवाएं सूची में हैं। टीबी उपचार के लिए बेडाक्विलिन, क्लोफाजिमिन और डेलामानिड जैसे विकल्प शामिल किए गए हैं। हृदय और ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए एम्लोडिपिन, एटोरवास्टेटिन और क्लोपिडोग्रेल जैसी दवाएं हैं। डायबिटीज के लिए डैपाग्लिफ्लोजिन और इंसुलिन की जरूरत वाली दवाएं भी सूची में हैं। संक्रमण के इलाज के लिए एमोक्सिसिलिन, एजिथ्रोमाइसिन, डॉक्सीसाइक्लिन और विभिन्न एंटीबायोटिक शामिल हैं। इसके अलावा एड्रेनालिन, एट्रोपिन, सेफट्रियाक्सोन, मेरोपेनेम और अन्य इंजेक्शन भी टेंडर का हिस्सा हैं। यानी खरीद केवल सामान्य ओपीडी दवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि कई गंभीर और विशेषज्ञ उपचारों में इस्तेमाल होने वाली दवाओं तक इसका दायरा है।

### दवाओं की कमी नहीं है

अस्पताल की जरूरतों के हिसाब से दवाओं की खरीदी लगातार चलती रहती है। दवाओं की कमी नहीं है, यह रुटीन प्रोसेस है।

**डॉ. कविता एन सिंह,** डीन, जीएमसी

### एक माह से 10 जरूरी दवाएं नहीं आयोग ने दिए जांच के निर्देश

भोपाल शहर के जय प्रकाश जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को रोज की जरूरी दवाएं नहीं मिलने का मामला सामने आया है। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के संज्ञान में आया है कि जिला अस्पताल में डायबिटीज, थायराइड, एंटीबायोटिक, गैस और अन्य बीमारियों की 10 सबसे जरूरी दवाएं काउंटर से गायब है, इस कारण मरीजों को मजबूरी में निजी मेडिकल स्टोर्स से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ रही है। मामले में संज्ञान लेकर आयोग ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

## बेंच ने कहा- अवैध निर्माण को नियमित नहीं किया जा सकता

# एनजीटी: शासकीय भूमि पर होने वाले अतिक्रमण अत्यंत गंभीर विषय, जवाबदेही तय होनी चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोज वेटलैंड और भोपाल के जल निकायों में अतिक्रमण तथा अवैध निर्माण से संबंधित मामले में एनजीटी में बुधवार को सुनवाई हुई। बेंच ने शासकीय भूमि, जल निकायों और वेटलैंड क्षेत्रों पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। इस मामले में आर्या श्रीवास्तव बनाम भारत संघ तथा राशिद नूर खान बनाम कलेक्टर, भोपाल ने याचिका दर्ज की थी। आवेदक राशिद नूर खान की ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने पैरवी की। वहीं, आर्या श्रीवास्तव की ओर से अधिवक्ता धरमवीर शर्मा ने पक्ष रखा। सुनवाई जस्टिस श्यो कुमार सिंह, न्यायिक सदस्य तथा सुधीर कुमार चतुर्वेदी विशेषज्ञ सदस्य की बेंच ने की। बेंच ने शासकीय भूमि पर होने वाले अतिक्रमण को अत्यंत गंभीर विषय बताया। बेंच ने आदेश में यह भी कहा गया कि शासकीय भूमि किसी व्यक्ति अथवा अधिकारी की पैतृक संपत्ति नहीं है, जिस पर अवैध बस्तियों या अवैध निर्माण को मनमाने ढंग से अनुमति दी जा सके। कहा कि शासकीय भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को नियमित नहीं किया जा सकता। साथ ही यह भी कहा कि अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण के मामलों में केवल अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जिन अधिकारियों अथवा तंत्र की निष्क्रियता या लापरवाही से अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण संभव होता है, उनकी जवाबदेही निर्धारित किया जाना भी आवश्यक है। ट्रिब्यूनल ने वर्तमान प्रकरण को सीधे तौर पर भोज वेटलैंड अथवा जल निकायों पर अतिक्रमण से संबंधित माना है।

### अतिक्रमण हटाने की आवश्यकता

आदेश में भोज वेटलैंड एवं जल निकायों के सीमांकन के लिए फुल टैंक लेवल के आधार पर सीमांकन किए जाने के पूर्व निर्देशों का उल्लेख किया गया है। जल निकायों की वास्तविक सीमा का स्पष्ट निर्धारण होने के बाद उसके भीतर अथवा आसपास होने वाले अतिक्रमण, अवैध निर्माण एवं अन्य प्रतिबंधित गतिविधियों की पहचान एवं कार्रवाई को प्रभावी बनाया जा सकता है। आदेश में सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम बनाकर अतिक्रमण हटाने की आवश्यकता भी बताई है। अधिकरण ने सार्वजनिक भूमि के अवैध अतिक्रमण के नियमितीकरण को नीति-निर्माताओं एवं राज्य के लिए गंभीर विषय बताया है। सुनवाई के दौरान मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) की ओर से कार्रवाई प्रतिवेदन अंतरिम रिपोर्ट के रूप में प्रस्तुत किया गया। बोर्ड की ओर से विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा गया। बेंच ने कहा कि रिपोर्ट आगामी सुनवाई की तारीख से पूर्व तैयार कर अधिकरण के समक्ष प्रस्तुत की जाए। दोनों मामलों को आगे की सुनवाई के लिए 6 अक्टूबर 2026 को होगी।

# विश्वकर्मा जयंती पर होंगे कार्यक्रम, अग्रसेन चौराहा रहेगा बंद, आज तीन मोहरा-शाहजहांनाबाद होकर गुजरेंगे वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्वकर्मा जयंती पर 17 सितंबर, गुरुवार को सर्व विश्वकर्मा समाज द्वारा अग्रसेन चौराहे पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों के शामिल होने की संभावना है। इसे देखते हुए अग्रसेन चौराहे पर मंच बनने के कारण दोनों ओर से वाहनों का आवागमन बंद रहेगा।

रॉयल मार्केट से भवानी चौक की ओर जाने वाले वाहन तीन

मोहरा, शाहजहांनाबाद तिराहा और भोपाल टॉकीज होकर आ-जा सकेंगे। वहीं वीआईपी रोड और रेतघाट से कोहेफिजा तथा हमीदिया अस्पताल के पूर्वी गेट से रॉयल मार्केट की ओर जाने वाले मार्ग पर केवल दोपहिया वाहन और हमीदिया अस्पताल जाने वाले चारपहिया वाहनों को अनुमति रहेगी। अन्य वाहन वीआईपी रोड, करबला, कोहेफिजा और कलेक्ट्रेट होकर गुजरेंगे। अग्रसेन चौराहा से भवानी चौक और मोती मस्जिद मार्ग पर चलने वाली यात्री बसों व व्यावसायिक वाहनों को भी परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। यातायात पुलिस ने लोगों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

## अधिवक्ताओं ने पुष्प हार एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया

# विजय चौधरी राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव में निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पूर्व न्यायाधीश और राज्य अधिवक्ता परिषद के पूर्व चेयरमेन डॉ. विजय कुमार चौधरी को बुधवार को राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव में सदस्य के पद पर निर्वाचित घोषित किया गया है। डॉ. चौधरी पिछले छह बार से राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव में सदस्य के पद पर निर्वाचित होते आ रहे हैं।

भोपाल जिला अभिभाषक संघ के भी वे अध्यक्ष रह चुके हैं। डॉ. चौधरी राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव में निर्वाचित होने पर

अधिवक्ताओं ने पुष्प हार एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। स्वागत करने वालों में मनोहर माली, महेश मौर्य, मोहम्मद इमरान खान, खालिद हफीज, जगदीश गुप्ता, शुभम मीना बब्बलू, अमित दुबे, संजय गुप्ता, शिवपूजन सिंह, मनोज श्रीवास्तव, प्रियनाथ पाठक, शोएब खान शन्ना, सौरभ जैन, सिदार्थ त्रिलोक त्यागी, मुकेश नागपुरे, यतेंद्र पाराशर, अनीता पाराशर, कैलाश मालवीय, सोनल नायक और सौरभ स्थापक, अब्दुल वहीद खान समेत अनेक वकीलों ने हार-फूल और पुष्पगुच्छ भेंट कर डॉ. विजय कुमार चौधरी का स्वागत किया।

## स्कूल शिक्षा विभाग ने अधिसूचना जारी की

# माध्यमिक शिक्षा मंडल ऑफलाइन मोड में आयोजित करेगा टीईटी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा अब मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल के बजाय माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा ऑफलाइन मोड में आयोजित कराई जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने परीक्षा आयोजन की अधिसूचना जारी कर दी है। पहले इसकी जिम्मेदारी मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल को दी गई थी, लेकिन बाद में उसने परीक्षा

आयोजन को लेकर असमर्थता जता दी। इस परीक्षा में प्रदेश के करीब डेढ़ लाख शिक्षकों के शामिल होने ककी उम्मीद है। 18 सितंबर आवेदन की अंतिम तिथि निर्धारित थी। हालांकि शिक्षकों की मांग के बाद परीक्षा ऑनलाइन के बजाय पारंपरिक ऑफलाइन माध्यम से

## वर्ग-3 शिक्षक भर्ती: अभाविप के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री से की भेंट

# अपात्र घोषित अभ्यर्थियों के प्रकरण पर पुनर्विचार की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मध्यभारत प्रांत के प्रतिनिधिमंडल ने प्रांत मंत्री श्री केतन चतुर्वेदी के नेतृत्व में भोपाल स्थित वल्लभ भवन मंत्रालय में मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से भेंट कर वर्ग–3 प्राथमिक शिक्षक चयन भर्ती 2025 में चयनित अभ्यर्थियों से जुड़े गंभीर और महत्वपूर्ण विषय पर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से अभाविप ने उन चयनित अभ्यर्थियों के प्रकरणों पर तत्काल पुनर्विचार करने की मांग रखी, जिन्हें दस्तावेज सत्यापन के दौरान प्रशासनिक विरोधाभास के कारण अपात्र घोषित कर काउंसलिंग प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यार्थियों का पक्ष मजबूती से रखते हुए स्पष्ट किया कि नियम पुस्तिका और आवेदन पत्र के इस अंतर से प्रतिभावान अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है, जिस पर अविलंब न्यायोचित निर्णय लिया जाना आवश्यक है।

### योग्यताएं दस्तावेज सत्यापन के दौरान प्रस्तुत करनी होंगी

अभाविप के प्रांतमंत्री केतन चतुर्वेदी ने कहा कि - परीक्षा का आवेदन फॉर्म भरते समय स्पष्ट रूप से उल्लेखित था कि अभ्यर्थियों को अपनी शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यताएं दस्तावेज सत्यापन के दौरान प्रस्तुत करनी होंगी। मेरिट सूची में स्थान बनाने के बाद अभ्यर्थियों को यह हवाला देकर काउंसलिंग से बाहर कर दिया गया कि सरकार की नियम पुस्तिका के अनुसार शैक्षणिक व व्यावसायिक योग्यता आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि तक पूर्ण होनी चाहिए थी। शासन के अपने ही आवेदन पत्र की शर्तों और नियम पुस्तिका की गाइडलाइन्स के बीच बने इस सीधे विरोधाभास का खामियाजा उन अभ्यर्थियों को भुगतना पड़ रहा है, जिन्होंने अपनी मेहनत से मेरिट में स्थान प्राप्त किया है। वार्ता के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने विषय की संवेदनशीलता को समझते हुए अत्यंत सकारात्मक दृष्टिकोण दिखाया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि शासन इस पूरे प्रकरण पर शीघ्र ही विधिक सलाह प्राप्त कर अभ्यर्थियों के हित में न्यायसंगत एवं सकारात्मक निराकरण निकालेगा।

# 7 अक्टूबर को निकलेगी 'सेवा ज्योति कलश यात्रा', गांव-गांव पहुंचेगा विकसित भारत का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने और सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से 'सेवा ज्योति कलश यात्रा–विकसित भारत का संकल्प' का आयोजन 7 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। यात्रा जिले के कस्बों, गांवों और ग्रामीण क्षेत्रों से होते हुए विधानसभा तथा वहां से जिला मुख्यालय पहुंचेगी, जहां इसका भव्य समापन होगा।

### गांव-गांव पहुंचेगी यात्रा

जिले की प्रत्येक विधानसभा से एक सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का मार्ग इस प्रकार निर्धारित किया जाएगा कि वह विधानसभा क्षेत्र के अधिक से अधिक कस्बों और गांवों से होकर गुजरे और आमजन को इससे जोड़ा जा सके। यात्रा में कलश एवं कृत्रिम मशाल प्रमुख आकर्षण होंगे। साथ ही एक प्रचार वाहन के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और कस्बों से होते हुए यात्रा विधानसभा मुख्यालय पहुंचेगी, जहां स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके बाद सभी यात्राएं जिला मुख्यालय पहुंचकर एक बड़े आयोजन में शामिल होंगी।

### जिला मुख्यालय पर होगा भव्य समापन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जिला मुख्यालय पर यात्रा के समापन अवसर पर वर्चुअल संबोधन होगा। इस कार्यक्रम में जिले के केंद्रीय मंत्री, राज्य सरकार के मंत्री और सांसद शामिल होंगे। साथ ही विधायक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

## प्रयोगशाला में जांच कराई

# रेलनीर के नमूनों की जांच, खरे उतरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को उपलब्ध कराए जाने वाले रेलनीर की गुणवत्ता को लेकर उठे सवाल के बाद भोपाल मंडल रेल प्रशासन ने रेल नीर के नमूनों की प्रयोगशाला जांच कराई। भोपाल मंडल द्वारा रेलनीर की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जबलपुर स्थित रेलनीर संयंत्र से दो तथा मंडीदीप स्थित रेलनीर संयंत्र से दो नमूने, कुल चार नमूने जांच के लिए भेजे गए थे। इन नमूनों से संबंधित 18 अगस्त और 12 सितंबर की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट रेल प्रशासन को प्राप्त हो चुकी है।

रेल प्रशासन के मुताबिक प्राप्त रिपोर्टों में सभी चारों नमूने निर्धारित गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप पाए गए हैं। किसी भी नमूने में निर्धारित मानकों के विपरीत गुणवत्ता पाए जाने की पुष्टि नहीं हुई है।